THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

बसपा प्रदेशाध्यक्ष की हत्या के बाद चेन्नई पुलिस कमिश्नर का तबादला

चेन्नई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु बहुजन समाज पार्टी के प्रमुख के आर्मस्ट्रॉन्ग की चेन्नई में उनके घर के सामने हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के बाद चेन्नई के पुलिस कमिश्नर का तबादला कर दिया गया है। उनके स्थान पर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ए. अरुण को तैनाती दी गई है।

तमिलनाडु के बसपा प्रमुख की शुक्रवार को हत्या कर दी गई। बाइक सवार छह लोगों ने उनके घर के पास ही उनकी हत्या कर दी। इस मामले में अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

वर्ष-29 अंक : 107 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.3 2081 मंगलवार, 9 जुलाई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

यूक्रेन जंग के बीच रूस पहुंचे पीएम मोदी

गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत

मॉस्को, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम मोदी 5 साल बाद रूस पहुंच गए हैं। मॉस्को में वनुकोवो-2 इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनका स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया। इस दौरान रूसी सेना ने भारतीय राष्ट्रगान की धुन बजाई। इसके बाद पीएम मोदी कार्लटन होटल पहुंचे जहां पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। मोदी कल 22वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इससे पहले मोदी आज पुतिन के साथ प्राइवेट डिनर करेंगे। ये पहला मौका होगा जब प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन जंग के बाद रूस का दौरा कर रहे हैं। इससे पहले वे 2019 में रूस गए थे। मोदी और व्लादिमिर पुतिन की आखिरी मुलाकात 2022 में उज्बेकिस्तान की राजधानी समरकंद में एससीओ समिट के दौरान हुई थी। पुतिन 2023 में भारत में हुए जी-20 सम्मेलन के लिए नहीं आए थे।

एनटीए पेपर लीक वाले सेंटर्स की जानकारी दे : सुप्रीम कोर्ट

जिन स्टूडेंट्स को फायदा हुआ, उनके बारे में भी 10 जुलाई तक बताए-11 को सुनवाई

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट-2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार, 8 जुलाई को 2 घंटे 20 मिनट तक सुनवाई हुई। अदालत ने एनटीए को गड़बड़ी से फायदा उठाने वाले कैंडिडेट्स की जानकारी देने और सीबीआई को जांच का अब तक का अपडेट देने को कहा है।

वहीं, केंद्र सरकार से एनटीए में सुधार के लिए बनी एक्सपर्ट कमेटी की जानकारी मांगी है। इसके अलावा री-एग्जाम की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं से अधिकतम 10 पेज की कंसोलिडेटड रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि सभी बुधवार शाम 5 बजे तक अपने जवाब सौंपें। मामले की अगली सुनवाई अब 11 जुलाई को होगी। एक डिस्क्लोजर देना चाहिए कि लाभार्थियों की और सेंटर्स या शहरों की पहचान के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए, उसका प्रोसेस क्या अपनाई। इसके अलावा, अब तक क्या कार्रवाई की। अब तक लाभार्थी के रूप में पहचाने गए छात्रों की संख्या कितनी है।

सीबीआई से कहा, जांच रिपोर्ट सौंपे :

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि एजेंसी नीटी यूजी पेपर लीक मामले में अब तक हुई जांच की एक रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम आपको एक दिन का समय देंगे। हम चाहते हैं कि सभी याचिकाकर्ताओं के वकील, जो रीटेस्ट की मांग कर रहे हैं, बुधवार को हमें एक कंसोलिडेटेड सेट दें, जो 10 पेज से अधिक नहीं हो। कोर्ट 38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रहा है। इनमें से 34 याचिकाएं स्टूडेंट्स, टीचर्स और कोचिंग इंस्टीट्यूट्स ने, जबकि 4 याचिकाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने लगाई हैं।

'यात्रा राजशेखर रेड्डी की पदयात्रा से प्रेरित थी'

पूर्व सीएम की जयंती पर बोले राहुल

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी की जयंती पर उन्हें याद किया। इस दौरान राहुल गांधी कहा कि उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' राजशेखर रेड्डी की अपने राज्य में निकाली गई पदयात्रा से प्रेरित थी। आपको बता दें कि राजशेखर रेड्डी ने वर्ष 2003 में आंध्र प्रदेश पदयात्रा निकाली थी।

राजशेखर रेड्डी सच्चे जननायक थे :

राहुल गांधी ने कहा कि राजशेखर रेड्डी एक सच्चे जननायक थे। उन्होंने समर्पण भाव से काम किया और राज्य के लोगों के साथ साथ देशवासियों के दिलों में भी नई प्रेरणा जागृत करने का काम किया। कांग्रेस सांसद ने यह उम्मीद भी जताई कि राजशेखर रेड्डी की बेटी वाईएस शर्मिला अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाएंगी। राहुल के अनुसार, वाईएस शर्मिला में भी आंध्र प्रदेश के लोगों के प्रति राजशेखर रेड्डी जैसी ही भावना और स्नेह है। आपको बता दें कि वाईएस शर्मिला आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष हैं। राजशेखर रेड्डी वर्ष 2004 से 2009 तक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। वर्ष 2009 के सितंबर महीने में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने आंध्र प्रदेश में पदयात्रा के जरिये बड़ा जनसंपर्क अभियान चलाया था। माना जाता है कि राज्य में चुनावी माहौल बदलने में इस पदयात्रा का अहम योगदान रहा। राहुल गांधी ने कहा, आज राजशेखर रेड्डी की जयंती है। वे सही मायने में जननेता थे। उन्होंने आंध्र प्रदेश के लोगों का दर्द महसूस किया। मैंने निजी तौर पर राजशेखर रेड्डी से बहुत कुछ सीखा। मेरी भारत जोड़ो यात्रा राजशेखर रेड्डी द्वारा आंध्र प्रदेश में निकाली गई यात्रा से ही प्रेरित थी। मुझे उनकी यात्रा का वो दृश्य याद है जब वे गर्मी और बारिश के बीच पदयात्रा कर रहे थे। हमने उस यात्रा से कुछ विचारों को लिया और भारत जोड़ो यात्रों में शामिल किया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि अगर आज राजशेखर रेड्डी जीवित होते तो आंध्र प्रदेश पूरी तरह से अलग तरह का राज्य होता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे कहा, शर्मिला जी उनकी बेटी हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि वे राजशेखर रेड्डी की विरासत को आगे बढ़ाएंगी। वह ऐसा कर पाएंगी। उनमें भी राजशेखर रेड्डी की तरह आंध्र प्रदेश के लोगों के लिए वही भावना और स्नेह है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी राजशेखर रेड्डी की जयंती पर उन्हें और उनके योगदान को याद किया। राहुल गांधी ने सितंबर, 2022 से जनवरी, 2023 के बीच कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा की थी जिसे 'भारत जोड़ो यात्रा' नाम दिया गया था।

कांग्रेस ने पीएम मोदी से पूछा

क्या रूसी सेना के लिए लड़ रहे भारतीयों की वापसी सुनिश्चित करेंगे?

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उनका सवाल है कि क्या वे युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना के लिए लड़ रहे भारतीय नागरिकों के सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने पूछा कि क्या वे अपनी यात्रा में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इन मुद्दों पर चर्चा करेंगे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस में आयोजित होने वाले 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए जा रहे हैं। मंगलवार को पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व्यापार, ऊर्जा और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार करेंगे।

बता दें कि यह 2019 के बाद से रूस की उनकी पहली यात्रा है। वहीं फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की शुरूआत के बाद से उनकी पहली यात्रा है। कांग्रेस महासचिव, प्रभारी संचार, जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री के लिए कई सवाल पूछे। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, भारत को दशकों से विभिन्न कांग्रेस सरकारों की कूटनीति और रणनीतिक पहलों के कारण पहले यूएसएसआर और बाद में रूस के साथ एक समृद्ध संबंध विरासत में मिला। प्रधानमंत्री के रूप में अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में डॉ. मनमोहन सिंह ने व्लादिमीर पुतिन और दिमित्री मेदवेदेव से भारत या रूस में कुल 16 बार मुलाकात की। उन्होंने कहा कि तुलना करें तो यह पीएम मोदी की राष्ट्रपति पुतिन के साथ 10 साल के कार्यकाल के बाद केवल 11वीं मुलाकात है। जयराम रमेश ने सवाल किया, उनके प्रचारक रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को रोकने के बड़े-बड़े दावे करते हैं, क्या पीएम मोदी के शासन में दोनों देशों के बीच संबंध कुछ हद तक ठंडे हुए हैं? उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2014 से वित्त वर्ष 2023 के बीच रूस को भारत का निर्यात स्थिर रहा। यह निर्यात 3.17 बिलियन अमेरिकी डॉलर से गिरकर 3.14 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

मानव तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़

तीन राज्यों में फैला था नेटवर्क, दो को बचाया

गुवाहाटी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। असम की गुवाहाटी पुलिस ने मानव तस्करी करने वाले बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने अंतर्राज्यीय मानव तस्करी रैकेट से जुड़े असम, बिहार और पश्चिम बंगाल के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने दो नाबालिग लड़कियों को छुड़ाया और एक अन्य के अपहरण की कोशिश को भी नाकाम कर दिया।

महिला ने अपनी बेटी की गुमशुदगी की शिकायत दी थी :

गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त दिगंत बराह ने सोमवार को जानकारी दी कि 29 जून को भांगागढ़ पुलिस स्टेशन में एक महिला ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें महिला ने कहा था कि उसकी बेटी और एक अन्य नाबालिग लड़की लापता हो गई हैं। शिकायत के अनुसार, उसकी बेटी एक नया मोबाइल फोन मांग रही थी और मना करने पर अपनी सहेली के घर चली गई। इसके बाद, दोनों लड़कियां गायब हो गईं।

पीड़िता की रिहाई के लिए 30,000 रुपये मांगे :

पुलिस आयुक्त ने कहा कि टीम ने तुरंत लड़कियों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। जांच चल रही थी, तभी एक व्यक्ति ने पीड़िता के भाई को फोन किया और उसकी रिहाई के लिए 30,000 रुपये की मांग की। कॉल बिहार के पूर्णिया से ट्रेस की गई। इसके बाद भागागढ़ से एक पुलिस टीम पूर्णिया भेजी गई, जहां से उन्होंने कॉल करने वाले को पकड़ लिया और दोनों लड़कियों को बचा लिया।

लड़कियों को 1,10,000 रुपये में बेच दिया गया :

पुलिस अधिकारी बराह ने कहा कि दिल्ली जाने की योजना बना रही लड़कियों को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति मिला, जिसने उनकी मदद करने की पेशकश की। उस व्यक्ति ने दोनों लड़कियों को गुवाहाटी के बसिस्था इलाके में एक जोड़े को सौंप दिया।

संदेशखाली केस : सीबीआई जांच के खिलाफ ममता सरकार की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट बोला-बंगाल सरकार ने महीनों तक एक्शन नहीं लिया, किसी को बचाने की कोशिश की

कोलकाता/नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली केस की सीबीआई जांच के खिलाफ ममता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (8 जुलाई) को याचिका खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने महीनों से संदेशखाली मामले पर एक्शन नहीं लिया। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को खुद से संज्ञान लेते हुए संदेशखाली केस की जांच सीबीआई को सौंपी थी। पश्चिम बंगाल सरकार ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी, इस पर 29 अप्रैल को भी सुनवाई हुई थी। उस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया था कि किसी निजी शख्स के हितों की रक्षा करने के लिए राज्य सरकार ने याचिका क्यों लगाई है। इसके बाद कोर्ट ने कहा था कि मामले को चुनाव के बाद जुलाई में सुनेंगे। आज जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच के सामने पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। उन्होंने बताया कि 43 एफआईआर की जांच के लिए व्यापक निर्देश दिए गए हैं। जिनमें राशन घोटाला भी शामिल है। इस पर आज सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संदेशखाली को लेकर महीनों तक राज्य सरकार ने कुछ नहीं किया। राज्य सरकार किसी एक शख्स को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है। हम याचिका को खारिज करते हैं। संदेशखाली की महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। इस केस का मुख्य आरोपी शेख शाहजहां है। उसे बंगाल पुलिस ने 29 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

25 अप्रैल को सीबीआई ने पहली एफआईआर दर्ज की थी :

इससे पहले 25 अप्रैल को कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने पहली एफआईआर दर्ज की थी। इसमें 5 मुख्य आरोपियों के नाम शामिल हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को संदेशखाली मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। अपने आदेश में कहा था कि सीबीआई कोर्ट की निगरानी में जांच करेगी और रिपोर्ट सौंपेगी। संदेशखाली की महिलाओं ने 8 फरवरी को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं पर यौन उत्पीड़न और जबरन जमीन कब्जाने का आरोप लगाया था। मामले में 3 आरोपी शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार 13 मई तक कस्टडी में हैं।

आरोपी शाहजहां शेक संदेशखाली में कहां से आया, ये कोई नहीं जानता। 2000-2001 में वो मत्स्य केंद्र में मजदूर था। वह भी सब्जी भी बेचता था। फिर ईंट-भट्ठे पर काम करने लगा।

सेना के वाहन पर आतंकी हमला 4 जवान शहीद, 6 घायल

दो महीने में सेना के वाहन पर दूसरा अटैक

श्रीनगर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सोमवार (8 जुलाई) को आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला किया। इसमें चार जवान शहीद हो गए हैं, जबकि छह जवान घायल हुए हैं। घटना लोहि मल्हार ब्लॉक के मचहेड़ी क्षेत्र के बडनोटा गांव की है। मचहेड़ी में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। घायल जवानों का इलाज जारी है। आतंकियों ने सेना पर यह हमला तब किया जब पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम मचहेड़ी क्षेत्र में तलाशी ले रही थी। यह क्षेत्र भारतीय सेना के 9 कोर के अंतर्गत आता है। सर्च के दौरान आतंकियों ने उन पर गोलीबारी की। इलाके में और अधिक सुरक्षा बल भेजा गया है। यह दो महीने में सेना के वाहन पर दूसरा आतंकी हमला है। इससे पहले 4 मई को पुंछ के शाहसितार इलाके में एयरफोर्स के काफिले पर हमला हुआ था, जिसमें कॉर्पोरल विक्की पहाड़े शहीद हो गए थे और 4 अन्य जवान घायल हो गए थे। आतंकियों ने सुरक्षाबलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं। वहीं दो दिन में यह सेना पर दूसरा हमला है।

महिलाओं को मिले पीरियड लीव

* सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका * केंद्र और राज्यों को आदर्श नीति बनाने का आदेश

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को महिलाओं को पीरियड लीव दिए जाने से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई की गई। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने साफ कहा कि यह नीति से जुड़ा मुद्दा है और इस पर न्यायालय को विचार नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए केंद्र को राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श कर एक नीति बनाने का आदेश दिया है। कोर्ट कहा कि महिलाओं को इस तरह की छुट्टी देने के बारे में निर्णय प्रतिकूल और 'हानिकारक' साबित हो सकता है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा आदेश देने से नियोक्ता महिलाओं को काम पर रखने से बच सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा :

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह छुट्टी ज्यादा महिलाओं को वर्कफोर्स का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। अगर इस तरह का अवकाश दिया गया तो जरूरी महिलाएं वर्कफोर्स से दूर हो जाएंगी। सीजेआई ने कहा कि हम ऐसा नहीं चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम याचिकाकर्ता को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में सचिव और एएसजी ऐश्वर्या भाटी के समक्ष अपनी बात रखने की छूट देते हैं।

याचिका में क्या की गई मांग :

सुप्रीम कोर्ट में वकील शैलेंद्रमणि त्रिपाठी की ओर से एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी। इसमें कहा गया कि मातृत्व लाभ अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के लिए निरीक्षकों की नियुक्ति भी सुनिश्चित की जाए। मौजूदा दौर में बिहार ही एकमात्र राज्य है जो 1992 की नीति के तहत विशेष मासिक धर्म दर्द अवकाश प्रदान करता है। इस याचिका में मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 की धारा 14 को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश देने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की गई।

चिदंबरम के बयान पर फिर से बरसे उपराष्ट्रपति धनखड़

कहा-सदन में खामोश रहकर सहमति जता रहे कुछ सदस्य

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। देश में 1 जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम) लागू हो गए हैं। इसे लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के 'पार्ट टाइमर' वाले बयान के बाद राजनीति गरमाई हुई है। दरअसल चिदंबरम ने कहा था कि तीन नए आपराधिक कानूनों का मसौदा अंशकालिक (पार्ट-टाइमर) लोगों ने तैयार किया था। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चिदंबरम पर फिर से निशाना साधा है। उनका कहना है कि संसद के सदस्य विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लिए बिना अपनी सहमति दर्ज करा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने दूसरी बार साधा चिदंबरम पर निशाना :

यह दूसरी बार है, जब उपराष्ट्रपति ने चिदंबरम पर निशाना साधा है। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए धनखड़ ने चिदंबरम का नाम लिए बिना कहा, उन्होंने राज्यसभा में कुछ भी नहीं कहा जबकि वे उस समिति के सदस्य रह चुके हैं। अगर समिति में शामिल कोई सदस्य, समिति के समक्ष अपनी बात रखता है तो समिति द्वारा इस पर विचार किया जा सकता है। उस सदस्य के पास सदन की कार्यवाही में अपनी बात रखने का एक बड़ा अवसर होता है। धनखड़ ने आगे कहा, आप अपने संवैधानिक कर्तव्य को नहीं निभा रहे, आप चर्चा में शामिल नहीं हो रहे, आप अपनी बातों को आगे नहीं बढ़ा रहे। फिर आप सदन के बाहर आकर कुछ अलग ही बयान देते हैं। इस तरह से आप अपना अधिकार खो देते हैं। धनखड़ ने चिदंबरम का नाम ने लेते हुए इस बात पर जोर दिया कि कुछ सदस्य सदन की कार्यवाही में हिस्सा न लेकर और चुप रहकर अपनी सहमति जता रहे हैं।

मनीष सिसोदिया की सुप्रीम कोर्ट में याचिका

शराब नीति मामले में ट्रायल के शुरू होने में देरी की शिकायत

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दी है। उन्होंने शराब नीति मामले में ट्रायल के शुरू होने में देरी की शिकायत की है। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने मनीष सिसोदिया की याचिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शराब नीति मामले में ट्रायल देरी से शुरू किया गया। सिसोदिया पिछले 16 महीने से जेल में हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने विचार करने का आश्वासन दिया। बता दें, मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल में बंद हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। वहीं, ईडी ने नौ मार्च 2023 को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। 28 फरवरी 2023 को सिसोदिया ने दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था।

क्या है कथित शराब नीति घोटाला :

कोरोना काल के बीच दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने 'दिल्ली आबकारी नीति 2021-22' लागू की थी। इस शराब नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितता की शिकायतें आईं जिसके बाद उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की। इसके साथ ही दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 सवालों के घेरे में आ गई। हालांकि, नई शराब नीति को बाद में इसे बनाने और इसके कार्यान्वयन में अनियमितताओं के आरोपों के बीच रद्द कर दिया गया था।

जांच कैसे शुरू हुई :

सीबीआई ने अगस्त 2022 में इस मामले में 15 आरोपियों के खिलाफ नियमों के कथित उल्लंघन और नई शराब नीति में प्रक्रियागत गड़बड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज की। बाद में सीबीआई द्वारा दर्ज मामले के संबंध में ईडी ने पीएमएलए के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच शुरू कर दी। ईडी और सीबीआई दिल्ली सरकार की नई शराब नीति में कथित घोटाले की अलग-अलग जांच कर रही हैं। ईडी नीति को बनाने और लागू करने में धन शोधन के आरोपों की जांच कर रही है। वहीं, सीबीआई की जांच नीति बनाते समय हुई कथित अनियमितताओं पर केंद्रित है।

कैबिनेट मंत्री की शपथ लेनी थी, राज्यमंत्री की ले ली

एमपी के कांग्रेस विधायक रावत भाजपा की मोहन कैबिनेट के मंत्री बने, दो बार शपथ दिलाई

भोपाल, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट का सोमवार को विस्तार हुआ। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए विधायक रामनिवास रावत को राजभवन में कैबिनेट मंत्री पद की शपथ लेनी थी। उन्होंने सुबह करीब 9.03 बजे बतौर राज्यमंत्री शपथ ले ली। गलती का अहसास हुआ तो उनको करीब 9.18 बजे फिर कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलाई गई। रावत ने अब तक इस्तीफा नहीं दिया, इसलिए रिकॉर्ड में वे कांग्रेस विधायक ही हैं। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत कई मंत्री शामिल हुए। मोहन मंत्रिमंडल में अब मंत्रियों की संख्या 31 हो गई है। मंत्रिमंडल में अधिकतम 34 मंत्री हो सकते हैं। ऐसे में 3 पद अभी खाली है। मंत्री बनने के बाद रावत विधायक पद से विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा सौंप सकते हैं। इसके बाद उनकी विधानसभा सीट श्योपुर जिले की विजयपुर पर दोबारा चुनाव होगा।

शपथ में ऐसे हुई गफलत

रामनिवास रावत को बतौर कैबिनेट मंत्री की ही शपथ लेनी थी। उन्हें जो पत्र दिया गया था उनमें राज्य के मंत्री लिखा था, लेकिन वे गलती से इसे राज्य मंत्री पढ़ गए। इस वजह से उनकी शपथ राज्यमंत्री के तौर पर दर्ज हो गई। फिर दोबारा शपथ लेने के बाद वे कैबिनेट मंत्री हो गए।

मोहन सरकार में अब 19 कैबिनेट मंत्री

3 दिसंबर 2023 को मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। 8 दिन बाद 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद पर डॉ. मोहन यादव और दो उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा का चयन किया गया। इसके 2 दिन बाद 13 दिसंबर को सीएम और दोनों डिप्टी सीएम ने शपथ ली थी। 12 दिन बाद 25 दिसंबर को पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। 28 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई थी। 18 विधायकों को कैबिनेट और 10 विधायकों को राज्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई थी। मंत्रिमंडल विस्तार के 5 दिन बाद 30 दिसंबर को मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किया गया था। अब रामनिवास रावत को मिलाकर मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्रियों की संख्या 19 हो गई है।

विजयपुर सीट से 6 बार के विधायक हैं रावत

श्योपुर की विजयपुर सीट से 6 बार के विधायक रामनिवास रावत ने 30 अप्रैल 2024 को कांग्रेस छोड़ी थी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और बीजेपी जॉइनिंग टोली के मुखिया नरोत्तम मिश्रा की मौजूदगी में श्योपुर के एक चुनावी कार्यक्रम में बीजेपी की सदस्यता ली थी। रावत ने कहा था, 'हर किसी की इच्छा रहती है कि वह क्षेत्र की जनता के लिए कुछ करे लेकिन जितना विकास मैं चाहता था, नहीं करा पाया। अब बीजेपी में शामिल होकर क्षेत्र को प्रदेश की मुख्यधारा तक ले जाना चाहता हूं।'

कांग्रेस लगा चुकी है सदस्यता खत्म करने की याचिका

कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के पास विजयपुर विधायक रावत और बीना विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता खत्म करने के लिए पिटीशन लगाई है। शुक्रवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों के दल ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की थी। इस पिटीशन के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते अब रावत और सप्रे की सदस्यता खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में या तो ये दोनों ही विधायक कांग्रेस विधायक पद से जल्द इस्तीफा देंगे या फिर विधानसभा अध्यक्ष इनकी सदस्यता खत्म करने का फैसला लेंगे।

पब से निकलता दिखा बीएमडब्ल्यू से दंपती को रौंदने वाला

एक्सीडेंट के पहले का फुटेज आया; पब मालिक बोला-नशे में नहीं था

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में 7 जुलाई को शिवसेना नेता के बेटे मिहिर शाह ने बीएमडब्ल्यू कार से एक बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी थी। इसमें महिला की मौत हो गई थी। घटना के एक दिन बाद आरोपी शिवसेना नेता के बेटे का पब से निकलते एक वीडियो सामने आया है।

सीसीटीवी में मिहिर शाह को अपने दोस्तों के साथ मुंबई के एक पब से निकलते हुए देखा गया। पब से निकलते समय उन लोगों को मर्सिडीज में देखा गया है। पुलिस ने बताया कि बाद में उसने कार बदल ली और वह बीएमडब्ल्यू चला रहा था, जबकि उसका ड्राइवर पैसेंजर सीट पर बैठा था। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह वर्ली में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे एक महिला की मौत हो गई। महिला अपने पति के साथ पीछे बैठी थी।

रोचक खबरे

धड़धड़ाती हुई बिल्डिंग में घुसी ट्रेन नीचे खड़े देखते रहे हजारों लोग

दुनियाभर में इंजीनियरिंग के कई ऐसे बेहतरीन नमूने मौजूद हैं, जिन्हें देखकर यकीन कर पाना मुश्किल होता है. ऐसा लगता है मानो किसी दूसरे ग्रह के लोगों ने इनका निर्माण किया. मिस्त्र के पिरामिड से लेकर पीसा की मीनार के अलावा आधुनिक दौर में कहीं पर इंजीनियरों ने कोई उल्टी बिल्डिंग बना दी है, तो कहीं समंदर के अंदर सैकड़ों फिट नीचे लग्जरी होटल है. इस मामले में चीन सबसे आगे है. वहां पर चंद घंटों के अंदर बड़ी से बड़ी इमारतों का निर्माण कर दिया जाता है. लेकिन आज हम आपको वहां के एक ऐसी ट्रेन के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बहुमंजिला इमारत के बीच से होकर गुजरती है. पहली बार में देखने पर ऐसा लगता है मानो वो ट्रेन धड़धड़ाती हुई बिल्डिंग में जा घुसी. इतना ही नहीं, इस ट्रेन को देखने के लिए अक्सर काफी लोग खड़े भी रहते हैं. इसे देखकर किसी की भी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी. 19 मंजिला रिहायशी बिल्डिंग के बीच से रोज़ाना गुज़रने वाली इस ट्रेन का वीडियो सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर @amazingbeautifulchina नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है. वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक ट्रेन बिल्डिंग की तरफ तेजी से बढ़ती है. उसके अंदर ट्रैक बना हुआ है, जिसे देख लगता है कि वो बिल्डिंग को चीरती हुई आगे बढ़ जाती है. नीचे सैकड़ों गाड़ियां रोड पर खड़ी हैं, वहीं हजारों लोग नीचे से खड़े होकर उस ट्रेन को बिल्डिंग के अंदर जाते हुए देखते हैं. अब आप सोच रहे होंगे कि ये अद्भुत नजारा है कहां का? दरअसल, ये वीडियो चीन के कॉन्गकिंग सिटी के लिजिबा स्टेशन का है, जो अपनी ऊंची-ऊंची इमारतों के लिए भी दुनियाभर में जाना जाता है. यहां की आबादी भी करोड़ों में है. चूकि करोड़ों की आबादी होने की वजह से शहर में काफी कम जगहें हैं, ऐसे में ज्यादातर ऊंची इमारतों का निर्माण किया गया।

एलियन्स को लेकर नया दावा, पृथ्वी पर पहुंचने में कुछ रोक रहा है उन्हें, इसीलिए यहां आना है मुश्किल!

एलियन्स को लेकर तरहअतरह के दावे किए जाते हैं. कोई कहता है कि वे अंतरिक्ष में ही रह कर धरती पर निगरानी रखते हैं, तो कोई उनका ठिकाना मंगल ग्रह बताता है. सोशल मीडिया पर इस तरह के दावे बहुत किए जाते हैं. उनको लेकर कई तरह की थ्योरी दी जाती हैं, इस तरह की थ्योरी को कॉन्सपिरेसी थ्योरी या षड्यंत्र का सिद्धांत कहा जाता है जिसमें किसी भी घटना की व्याख्या में बिना पुख्ता सुबूत के किसी साजिश के हाथ होने का दावा किया जाता है. ऐसा ही एक दावा सोशल मीडिया पर किया गया है जिसमें कहा गया है कि "कई" एलियंस ने मनुष्यों को बताया है कि ग्रह पृथ्वी के चारों ओर एक अवरोध है जो उन्हें बिना अनुमति के यहाँ आने से रोकता है.

सदियों से, मनुष्य अक्सर सोचते रहे हैं कि एलियंस वास्तव में कैसे दिखते हैं, और क्या वे वास्तव में हैं भी या नहीं. ठोस सबूत के बिना, कोई भी 100 फीसदी निश्चितता के साथ पुष्टि नहीं कर पाया है कि वे क्या हैं. लेकिन सोशल मीडिया मंच रेडिट पर इस अनोखे दावे की खूब चर्चा है. खास बात यह है कि इस दावे के समर्थन में शख्स ने कई सूत्रों की मदद ली है जिससे बहस तीखी हो गई है. यह पुस्तक यूएफओ अपहरण और लॉ ऑफ वन के बारे में है, जिसे एक विदेशी इकाई के साथ एक टेलीपैथिक बातचीत कहा जाता है. इस थ्रेड ने कुछ लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया और कई लोगों ने अपनी खुद की मान्यताओं के साथ इसमें शामिल हो गए।

आ गया 'इमोशनल' रोबोट, इंसानों की तरह महसूस करेगा जज़्बात

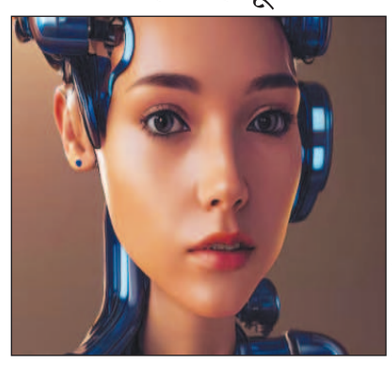

एक वक्त था, जब छोटे-बड़े सारे काम के लिए इंसानों पर ही निर्भर होना पड़ता था. विज्ञान की प्रगति के साथ-साथ हमारा परिचय रोबोट्स से हुआ, जो फटाफट काम निपटा सकते हैं. यही वजह है कि हर इंडस्ट्री में इन्हें इस्तेमाल किया जा रहा है. इनके आने से हमें बहुत से फायदे भी हुए हैं और बहुत से नुकसान भी. हालांकि अब भी कई चीज़ें ऐसी हैं, जो रोबोट नहीं कर सकते लेकिन इंसान कर सकते हैं. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के चलते रोबोट्स को इंसानों के काफी करीब पहुंचाया जा चुका है. हालांकि अब वो भी हो रहा है, जिनकी हमने कल्पना भी नहीं की थी. दुनिया का पहला ऐसा रोबोट बनाया जा चुका है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि वो इंसानी भावनाओं को समझ सकता है और उसके मुताबिक रिएक्ट भी कर सकता है. ये काम अपने ही पड़ोसी देश चीन के वैज्ञानिकों ने कर दिखाया है.

मशीनी नहीं 'इमोशनल' है ये रोबोट

चीन ने अपने नए आविष्कार से तहलका मचा रखा है. उसने गुआनघूआ नं 1 नाम का रोबोट बनाया है, जो सिर्फ मशीन नहीं है बल्कि इंसान के दुख-दर्द में उसके साथ भी रह सकता है. फुडान यूनिवर्सिटी की ओर से बनाए गए इस रोबोट की खासियत ये है कि इंसानों की भावनाओं को पहचानकर वैसी ही प्रतिक्रिया दे सकता है. इसके अंदर चार भावनाएं हैं – खुशी, गुस्सा, दुख और आनंद. इस मशीन को बनाने वों का दावा है कि ये बुजुर्गों के लिए बहुत फायदेमंद है. फुडान यूनिवर्सिटी के डिप्टी डीन गनझाक ने बताया कि बुजर्गों की सेवा और उनका ध्यान रखने के लिए ये ह्यूमेनॉइड रोबोट बनाया गया है, जो सेहत का साथी होगा. ये न सिर्फ उनकी शारीरिक ज़रूरतों बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखेगा.

घर की अलमारी में आतंकियों का बंकर

श्रीनगर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में 6 और 7 जुलाई को मुदरघम और चिन्निगम फ्रिसल में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फायरिंग हुई थी। एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने 6 आतंकियों को मार गिराया था। 2 जवान भी शहीद हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए आतंकी हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े थे। इनमें एक पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी संगठन का स्थानीय कमांडर भी था।

एनकाउंटर के बाद आर्मी की सर्चिंग को लेकर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक घर के अंदर लकड़ी की अलमारी दिख रही है। अलमारी के पीछे कुछ ड्रॉवर बने हैं, जिन्हें हटाने पर एक सकरा सा रास्ता दिखता है। यह रास्ता बंकर की ओर जाता है। दावा है कि चिनिगाम फ्रिसल इलाके में मारे गए 6 में से 4 आतंकी इसी बंकर में छिपते थे।

केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट का ईडी को नोटिस

हफ्ते में 4 बार वकीलों से मिलने की मांग पर तिहाड़ अधिकारियों से भी जवाब मांगा

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हफ्ते में 4 बार वकीलों से मिलने की मांग की याचिका पर सोमवार (8 जुलाई) को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने मामले को लेकर तिहाड़ अधिकारियों और ईडी को नोटिस जारी किया है।

केजरीवाल ने याचिका में कहा था कि उनपर देशभर में 35 अलग-अलग मामले चल रहे हैं। फिलहाल उन्हें हफ्ते में 2 ही बार वकीलों से मिलने की अनुमति है। उन्हें कम से कम 4 बार वकीलों से मिलने की इजाजत मिलनी चाहिए। केजरीवाल ने जेल में 2 अतिरिक्त मीटिंग की याचिका पहले ट्रायल कोर्ट में लगाई थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि ये 2 मीटिंग वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए भी कराई जा सकती है। हालांकि, ट्रायल कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने याचिका खारिज करते हुए कहा था- इस तरह की याचिका पहले भी लगाई जा चुकी है। इसके बाद केजरीवाल ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई, जिस पर जस्टिस नीना बंसल

ने ईडी और जेल अधिकारियों को 7 दिन में जवाब देने का आदेश सुनाया है। मामले की अगली सुनवाई अब 15 जुलाई को होगी।

केजरीवाल को ईडी के बाद सीबीआई ने गिरफ्तार किया

सीबीआई ने 25 जून को रात 9 बजे तिहाड़ जाकर शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर केजरीवाल से पूछताछ की थी। इसके बाद 26 जून को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी ने 21 मार्च को उन्हें गिरफ्तार किया था। वे 10 मई से 2 जून यानी 21 दिन के लिए पैरोल पर थे।

सीबीआई बोली-4 जून के बाद कुछ नया हुआ, इसलिए केजरीवाल को अरेस्ट किया

इधर, सीबीआई ने शनिवार को अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की वजह बताई। सीबीआई के वकील एडवोकेट डीपी सिंह ने कहा, हम सुप्रीम कोर्ट को 4 जून के बाद हुए कुछ नए घटनाक्रमों के बारे में जानकारी देंगे, जिसके कारण हमें अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना पड़ा। जांच एजेंसी ने कहा- इस मामले में बाकी आरोपियों की जांच लगभग पूरी हो गई है। सिर्फ दिल्ली सीएम की भूमिका की जांच करनी है।

पत्नी सुनीता का दावा-एनडीए के एक सांसद के बयान से केजरीवाल अरेस्ट हुए

केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सीबीआई का बयान सामने आने के 3 घंटे बाद ही दिल्ली सीएम की पत्नी ने 3 मिनट 52 सेकेंड का एक वीडियो मैसेज जारी किया। जिसमें उन्होंने कहा कि, केजरीवाल को सिर्फ इसलिए अरेस्ट किया गया क्योंकि एनडीए के एक सांसद ने डर से बयान बदल लिया था।

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में बनियान पहनकर शामिल हुआ शख्स

गुस्साईं जज बोलीं-प्लीज इसे बाहर निकालो

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां सोमवार को शीर्ष अदालत की जज उस समय भड़क उठीं, जब एक शख्स बनियान पहने कोर्ट की सुनवाई में शामिल हो गया।

कोर्ट 11 का मामला

अदालत से जुड़े मामलों पर रिपोर्ट करने वाली एक वेबसाइट के अनुसार, सोमवार को कोर्ट 11 में एक शख्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की मदद से शामिल हुआ। इस शख्स ने बनियान पहन रखी थी। जज जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की जैसे ही नजर उस शख्स पर पड़ी, वह भड़क उठीं।

आखिर कौन है यह?

जज ने तुरंत पूछा कि आखिर यह कौन है, जो बनियान में दिखाई दे रहा है। इसके बाद जस्टिस दत्ता ने भी पूछा कि क्या वह कोई पार्टी है या फिर ऐसा ही है? जस्टिस नागरत्ना का गुस्सा यहीं नहीं रुका। उन्होंने तुरंत कहा कि उसे बाहर फेंको, हटाओ उसे। यह कैसे किया जा सकता है? उन्होंने कोर्ट मास्टर से कहा कि प्लीज इस शख्स को हटाओ।

पहले भी आ चुके हैं मामले सामने

वैसे ऐसा नहीं है कि इस तरह का मामला पहली बार आया है, जब शीर्ष अदालत के जजों का गुस्सा फूटा हो। इससे पहले भी कई बार ऐसे नमूने सामने आ चुके हैं, जिनकी वजह से अदालत का समय खराब हुआ।

एक बार इस तरह का मामला सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने भी आया था। हालांकि, उस समय चंद्रचूड़ सीजेआई नहीं बने थे। साल 2020 में ही सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने एक वकील बिना शर्त पहने स्क्रीन पर दिखाई दिया था। इस पर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने उसे टोकते हुए कहा था, 'मुझे किसी के साथ सख्ती बरतना पसंद नहीं है, लेकिन आप स्क्रीन पर हैं। आपको सावधान रहना होगा।' वहीं, उसी साल जून महीने में एक वकील बिस्तर पर लेटे हुए टीशर्ट पहनकर सुप्रीम कोर्ट की वर्चुअल सुनवाई में पेश हो गया था। इस मामले में भी जज की नाराजगी देखी गई थी।

तब जस्टिस एल नागेश्वर और जस्टिस हेमंत गुप्ता की बेंच ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि यह कैसा व्यवहार है? वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई होते हुए सात से आठ महीने हो चुके हैं, लेकिन फिर भी ऐसी चीजें हो रही हैं। गौरतलब है कि साल 2020 में कोरोना महामारी की वजह से अदालत का कामकाज भी प्रभावित हुआ था। तब लंबे समय तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही सुनवाई होती थी।

महुआ मोइत्रा का ट्वीट, 'बीफ' वाली गाड़ी को न रोकें

केंद्रीय राज्य मंत्री ने बीएसएफ कमांडर को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। टीएमसी की लोकसभा सांसद, महुआ मोइत्रा का एक ट्वीट खासा चर्चा में बना हुआ है। उन्होंने अपने ट्वीट में एक पत्र साझा किया है। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के लेटरहेड पर लिखा है कि 3 किलोग्राम 'बीफ' ले जाने वाली गाड़ी को कहीं पर भी न रोका जाए। राज्य मंत्री के इस पत्र में सीमा सुरक्षा बल 'बीएसएफ' की 85वीं बटालियन के कंपनी कमांडर का जिक्र है।

महुआ मोइत्रा ने अपने ट्वीट में लिखा है, केंद्रीय मंत्री अपने आधिकारिक लेटरहेड पर बीएसएफ की 85वीं बटालियन को पास जारी करने के लिए लिख रहे हैं। मोइत्रा ने लिखा है, यह पास इंडो बांग्ला बॉर्डर पर तस्कर के लिए है। वह भी तीन किलो बीफ की इजाजत देने के लिए। लेटरहेड में जिस व्यक्ति को इजाजत देने की बात कही जा रही है, उसका नाम जैरूल गाजी है। पते वाली जगह पर हकीमपुर लिखा हुआ है। संबंधित व्यक्ति के आधार कार्ड का नंबर भी लिखा गया है। लेटरहेड पर राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के हस्ताक्षर हैं और मुहर भी लगी है। टीएमसी की लोकसभा सांसद, महुआ मोइत्रा ने अपने ट्वीट में एचएमओ इंडिया को टैग किया है। साथ ही उन्होंने 'गौ रक्षक सेना' भी लिखा है। सूत्रों का कहना है, केंद्रीय मंत्री, सीमा सुरक्षा बल को इस तरह से निर्देश नहीं दे सकता। सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

दिग्विजय सिंह ने कार्यकर्ताओं को पढ़ाया सफलता का पाठ

बोले-सेल्फी अपलोड करने से नेता नहीं बनोगे

भोपाल, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आरएसएस की दिशा में चलकर काम करने की सलाह दी। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की है। जिसमें उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी से सीख हासिल करने की नसीहत दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले नए नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिदायत दी है कि सोशल मीडिया पर बड़े नेताओं के साथ सेल्फी अपलोड करने से नेता नहीं बन पाओगे। नेता बनने के लिए लोगों के बीच जाना होगा। गांव, मुहल्ले में जाना पड़ेगा। लोगों से मिलना और उनके सुख दुख में शामिल होना पड़ेगा। लोगों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनना और इनके समाधान के प्रयास करना ही लोगों से जुड़ाव का कारण बन पाएगा। इससे पहले दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आरएसएस की तर्ज पर काम करने की सलाह दी थी।

राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मिले राहुल गांधी

> नेता विपक्ष के दौरे से पहले जिरिबाम में गोलीबारी

इंफाल, 8 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर के दौरे पर हैं। मणिपुर पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मुलाकात की। राहुल गांधी के दौरे से पहले जिरिबाम क्षेत्र में सोमवार की सुबह अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलीबारी की। सुबह के साढ़े तीन बजे अज्ञात लोगों ने इलाके में गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी मैतेई इलाके में की गई।

गोलीबारी की जानकारी पाकर सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। सुबह के सात बजे तक सुरक्षाकर्मियों और बंदूकधारियों के बीच गोलीबारी जारी रही। एहतियात के तौर पर आसपास के इलाकों में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया। बता दें कि मणिपुर में पिछले

एक साल से जातीय हिंसा जारी है। राहुल गांधी के राहत शिविर में लोगों से मुलाकात को लेकर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष देबब्रत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, जिरिबाम में हाल ही में हुए हिंसा से प्रभावित लोगों से मिलने के लिए राहुल गांधी यहां आए। पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर में स्थिति सामान्य हो गई है। सब ने इसे मान लिया। लेकिन तथ्य यह है कि राहत शिविरों के पीड़ितों ने अपनी कहानियां सुनाईं। उन्होंने बताया कि उनका सबकुछ तबाह हो चुका है। सरकार की तरफ से कुछ भी नहीं किया गया। राहुल गांधी ने पीड़ितों से उनकी कहानी सुनी।

राहुल गांधी तीसरी बार मणिपुर का दौरा कर रहे हैं। राज्य में पिछले साल जातीय हिंसा शुरू होने के बाद जून 2023 में वह मणिपुर आए थे और इस साल की शुरुआत में उन्होंने भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत भी इसी राज्य से की थी।

मणिपुर में जारी है जातीय हिंसा

मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 9 जुलाई, 2024 3

युविचार

माया के दो भेद हैं- अविद्या और विद्या।

छह गारंटियों के लिए वाईएसआर प्रेरणा : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए कल्याणकारी कार्यक्रम विधानसभा चुनावों में कांग्रेस द्वारा छह गारंटियों की घोषणा करने की प्रेरणा थे। उन्होंने सोमवार को गांधी भवन में राजशेखर रेड्डी की 75वीं जयंती समारोह में भाग लेते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मुसी रिवरफ्रंट विकास परियोजना, मेट्रो रेल विस्तार और हैदराबाद में निवेश आकर्षित करने के पीछे भी प्रेरणा थे। उन्होंने कहा कि मुझे 2009 में लगातार दूसरी बार सत्ता में आने के बाद वाईएसआर द्वारा दिया गया बयान याद है कि राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे। राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने से पहले ही वाईएसआर हमें छोड़कर चले गए थे।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि वाईएसआर की प्रेरणा से सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी को हमारा अगला प्रधानमंत्री बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। वाईएसआर कल्याण का पर्याय थे और पूरा देश इस महान नेता को याद करता है। देश के सभी राजनीतिक दल और नेता वाईएसआर द्वारा किए गए कल्याण कार्यों को याद करते हैं और उन्हें लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिवंगत कांग्रेस नेता ने कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अपनी अलग छाप छोड़ी है।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि वाईएसआर की पदयात्रा ने राहुल गांधी को भी भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ नेता की यात्रा ने कांग्रेस को आंध्र प्रदेश में सत्ता में आने में मदद की। राहुल की यात्रा ने तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को सत्ता में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह याद करते हुए कि 7 जुलाई, 2021 को टीपीसीसी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से 3 साल हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने इन तीन वर्षों में कई बाधाओं का सामना किया और पार्टी को तेलंगाना में सत्ता में लाया। उन्होंने कहा कि आज पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करने वाले 35 नेताओं को मनोनीत पद दिए गए हैं। बिना किसी सिफारिश के मेहनती पार्टी नेताओं को ये पद दिए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य मेहनती नेताओं को सरकार में भागीदार बनाना है क्योंकि पार्टी तभी मजबूत रहेगी जब कार्यकर्ताओं की सुरक्षा होगी।

तकनीकी विशेषज्ञ ने नींद की गोलियां खाकर की आत्महत्या

तलाकशुदा थी महिला, खा ली 130 गोलियां

संगारेड्डी, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत माधवपुरी कॉलोनी में एक 30 वर्षीय महिला, जो एक सॉफ्टवेयर फर्म के लिए घर से काम कर रही थी, अपने घर में मृत पाई गई। पता चला कि उसने कल रात 130 नींद की गोलियाँ खा ली थीं।

घटना का पता सोमवार सुबह तब चला जब वह नहीं उठी। पीड़िता की पहचान रीना के रूप में हुई है, जो शादीशुदा थी और कुछ साल पहले उसका तलाक हो गया था। वह घर से ही एक सॉफ्टवेयर फर्म के लिए काम करते हुए अपने माता-पिता के साथ रह रही थी।

रीना कथित तौर पर डॉक्टर की सलाह पर डिप्रेशन की दवा ले रही थी। पुलिस ने बताया कि उसने रविवार रात को सोते समय 130 गोलियां खा ली थीं और संदेह है कि उसकी नींद में ही मौत हो गई। अमीनपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए पटनचेरू के क्षेत्रीय अस्पताल में भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

उस्मानिया और गांधी अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए फार्मा कंपनियों के साथ मंत्री ने की बैठक

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने तेलंगाना राज्य सचिवालय में अपने कार्यालय में गांधी और उस्मानिया अस्पतालों को मजबूत करने पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर राज्य की 12 प्रमुख फार्मा कंपनियों के सीएसआर प्रमुखों के साथ बैठक की। इस अवसर पर मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने राज्य की अग्रणी फार्मा कंपनियों से अनुरोध किया कि वे उस्मानिया और गांधी अस्पतालों के पूर्व गौरव के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के लिए बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपने सीएसआर फंड आवंटित करें। जिसका एक लंबा इतिहास और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। उस्मानिया और गांधी अस्पतालों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए, गांधी और उस्मानिया अस्पतालों में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं, अस्पतालों में पर्यावरण की स्वच्छता, मरीजों को गुणवत्तापूर्ण भोजन का प्रावधान, अस्पतालों में सेवा के लिए पर्याप्त

मानव शक्ति, कपड़े धोने, जैव चिकित्सा अपशिष्ट, पीने का पानी सुविधाओं के साथ-साथ शिक्षा और स्वास्थ्य, बालिका शिक्षा आदि। मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सीएसआर फंड जारी करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के निर्देश पर राज्य की 12 प्रमुख फार्मा कंपनियों के सीएसआर फंड विभाग के प्रमुख इस सप्ताह व्यक्तिगत रूप से उस्मानिया और गांधी अस्पताल का दौरा करेंगे। क्षेत्र दौरे के दौरान प्राथमिकता वाले मुद्दों पर एक तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। इस अवसर पर राज्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, स्वास्थ्य और चिकित्सा मामलों के मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने उस्मानिया और गांधी अस्पतालों के अधीक्षकों को उस्मानिया में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए बुनियादी ढांचे और मानव संसाधनों के निर्माण के लिए आवश्यक प्रस्ताव तुरंत प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. वाणी, उस्मानिया अस्पताल अधीक्षक डॉ. नागेंद्र, गांधी अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजा राव, माइलान प्रयोगशाला से मिशेल डोमिनिका, ग्लैंड फार्मा लिमिटेड से के रघुरामन, नैटको फार्मा से एम वामसीकृष्ण, भारत बायो इंटरनेशनल लिमिटेड से प्रवीण, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरी से श्रीनिवास रेड्डी, अरबिंदो फार्मा लिमिटेड से पी. हरीश बाबू, हित्रो ड्रग्स से एम. सुधाकर - जैविक. ई लिमिटेड से कृष्णा चैतन्य, एमएसएन लेबोरेटरी से सुरेंद्र रेड्डी, डिविस लेबोरेटरी से के सुब्बाराव, विरको ड्रग्स से प्रवीणा, ग्रैन्यूल्स इंडिया लिमिटेड से लोकेश ने मिड डे में भाग लिया।

आइए आरोप-प्रत्यारोप बंद करें और विकास पर ध्यान दें: बंडी संजय

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज अपने प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के नेताओं से एक-दूसरे पर गाली-गलौज बंद करने और विकास पर ध्यान देने को कहा है। सिरसिला में मुन्नूरू कापू संघम कल्याण मंडपम के विकास कार्यों की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म हो चुके हैं और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के नेताओं को अब से एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप बंद कर देने चाहिए। आइए राजनीतिक आलोचना और आरोप-प्रत्यारोप को किनारे रखें और विकास पर ध्यान दें। गांवों का विकास केंद्र और राज्यों के समन्वय से ही संभव है।

जम्मीकुंटा में वरिष्ठ माओवादी नेता गिरफ्तार

करीमनगर, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई माओवादी के अग्रिम संगठन सिकासा के संस्थापक सदस्य रमाकांत को तेलंगाना पुलिस ने सोमवार सुबह जम्मीकुंटा स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। रमाकांत तत्कालीन सीपीआई-एमएल (पीपुल्स वार) के पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य थे और उन्हें उनके उपनाम मोहम्मद हुसैन रियाज और सुधाकर से जाना जाता था। रमाकांत, जो लगभग 30 वर्षों तक उग्रवादी पार्टी में काम करते रहे, को झारखंड राज्य में गिरफ्तार किया गया और 12 साल जेल में बिताने पड़े। 10 साल पहले, उन्हें स्वास्थ्य कारणों से जमानत पर रिहा कर दिया गया और वे जम्मीकुंटा में सामान्य जीवन जी रहे थे।

पौधों की सुरक्षा में सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए : मंत्री पोन्नम प्रभाकर

मंत्री ने वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत पौधे लगाए

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण व परिवहन मंत्री व हैदराबाद जिला प्रभारी मंत्री वरयुलु पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि समाज के लिए उपयोगी पौधों को उगाने के लिए कदम उठाए गए हैं। मंत्री ने सोमवार को रामंतपुर राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया। इस कार्यक्रम में मंत्री के साथ मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर श्रीलता शोभन रेड्डी, आयुक्त आम्रपाली काटा, उप्पल विधायक बी. लक्ष्मरेड्डी, जोनल कमिश्नर हेमंत केशव पाटिल, अतिरिक्त आयुक्त यूबीडी सुनंदा, नगरसेवक और अन्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार ने भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से वनमहोत्सवम कार्यक्रम का आयोजन किया है।

उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में 30 लाख पौधे लगाने की गतिविधि के तहत आज पॉलिटेक्निक कॉलेज में पौध महोत्सव कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की गई। उन्होंने बताया कि सोमवार को 30 मंडलों में 56 स्थानों पर कुल 7134 पौधे रोपण के लिए तैयार किये गये। उन्होंने

कहा कि सरकार द्वारा किये गये कई कार्यक्रम लोगों के सहयोग से ही सफल होंगे, लोगों को सिर्फ पौधे ही नहीं लगाने चाहिए, लगाए गए पौधों की सुरक्षा में भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए, प्रदूषण बढ़ा तो अगली पीढ़ी माफ नहीं करेगी हमें और इसके लिए सभी लोगों को अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ पौधारोपण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना कोई विलासिता नहीं है और इसे सामुदायिक जिम्मेदारी के रूप में लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को शुद्ध पवित्रता के साथ वन मासम में भाग लेना चाहिए।

मंत्री ने लोगों से कहा कि वे उन पौधों को उगाने की जिम्मेदारी लें जो समाज के लिए अच्छे होंगे और जो पौधे समाज के लिए अच्छे होंगे उन्हें वन विभाग के तत्वावधान में लाकर रोपित करें। इस मौके पर मेयर गदवाल विजयालक्ष्मी ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य 30 लाख है और जीएचएमसी में पिछले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए 60 लाख पौधे तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में पहले पौधारोपण के दौरान वैश्विक स्तर पर हैदराबाद शहर को हरित पुरस्कार दिया गया था और भारतीय वन सर्वेक्षण ने पाया कि वर्ष 2021 में वन क्षेत्र में 147 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शहर में 33.15, इसमें कहा गया है कि वन क्षेत्र बढ़कर 81.81 किमी हो गया है। वन महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर, महापौर ने बताया कि शहर में कॉलेजों, खुले स्थानों, पार्कों, केंद्रीय माध्यमों और सड़कों के किनारे पौधे लगाने के लिए कदम उठाए गए हैं। कार्यक्रम में अंबरपेट, हब्सीगुडा, उप्पल, मल्लापुर, चिलुका नगर, चार्लापल्ली, मिरपेट, एसबी कॉलोनी, नाचाराम नगरसेवक और अन्य ने भाग लिया।

दमरे महाप्रबंधक ने मानसून की तैयारियों और सुरक्षा उपायों की समीक्षा की

बैठक में सभी छह डिवीजनों के डीआरएम ने भाग लिया

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ पूरे जोन में मानसून की बारिश के मद्देनजर मानसून की तैयारियों और सुरक्षा उपायों पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। सभी छह डिवीजनों यानी विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ डिवीजनों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम)/अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक में भाग लिया। समीक्षा बैठक के दौरान, अरुण कुमार जैन ने मानसून के मौसम के मद्देनजर संभावित मानसून से प्रभावित होने वाले संवेदनशील खंडों, पुलों, सुरंगों और उनके रखरखाव की स्थिति पर प्राथमिक ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने आपातकालीन उपकरणों की उपलब्धता और

किसी भी स्थिति के लिए रेत, बोल्डर और पाइप जैसी आवश्यक सामग्रियों के आरक्षित स्टॉक की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को भारी बारिश की स्थिति में संवेदनशील पुलों और टैंक बांधों पर चौबीसों घंटे निगरानी करने के लिए चौकीदारों को तैनात करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी आपात स्थिति के मामले में तुरंत आवश्यक उपाय करने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी की जानी चाहिए। महाप्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को पटरियों पर पानी भरने से बचने और ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए साइड वाटर ड्रेन और जलमार्गों की सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए सूचित किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को उपकरणों की सुरक्षित कार्यशील स्थिति का सख्ती से पालन करने, ट्रेन संचालन से संबंधित रजिस्टरों के उचित रखरखाव और सभी आवश्यक मानसून सावधानियों को अपनाने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने कहा कि सभी पर्यवेक्षकों को लगातार क्षेत्र स्तर की गतिविधि की निगरानी करनी चाहिए और किसी भी मुद्दे पर तुरंत ध्यान दिया जाना चाहिए और जल्द से जल्द सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को समूह बैठकों और व्यक्तिगत परामर्श सत्रों आदि के माध्यम से सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को नियमित रूप से संवेदनशील बनाने की भी सलाह दी।

एमएलसी चल्ला वेंकटमीरेड्डी के कांग्रेस में शामिल होने की संभावना

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में हार के बाद बीआरएस पार्टी लगातार बैकफुट पर है। कई विधायक पहले ही गुलाबी पार्टी को अलविदा कह चुके हैं। इसी तरह छह एमएलसी ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही पार्टी छोड़ने वालों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने वालों का सिलसिला बड़े पैमाने पर जारी है। दूसरी ओर, खबरें हैं कि बीआरएस से एक और एमएलसी कार पार्टी से इस्तीफा देने की तैयारी में है। बीआरएस पार्टी के एमएलसी चल्ला वेंकटमी रेड्डी के पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल होने की खबर ने बीआरएस पार्टी में हलचल मचा दी है। एमएलसी वेंकटमी रेड्डी ने कुछ देर पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी। सूत्रों के अनुसार, एमएलसी ने आलमपुर विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने वाली नेट्टेमपाडु और आरडीएस परियोजनाओं के काम को तत्काल पूरा करने की मांग की है।

25 ड्रग उपयोगकर्ता गिरफ्तार, हुई पेशी

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दो दिन पहले मणिकोंडा में 'द केव पब' पर छापेमारी के बाद टीएसएएनबी और रायदुर्गम पुलिस द्वारा पकड़े गए 25 लोग सोमवार को पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश हुए। इससे पहले रायदुर्गम पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए पेश होने के लिए नोटिस जारी किया था। जांच की निगरानी कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि सभी संदिग्धों से पार्टी और उनके द्वारा सेवन की गई दवाओं के स्रोत के बारे में पूछताछ की गई। उनके बयान दर्ज किए गए हैं। परिणाम के आधार पर हम आगे की कार्रवाई तय करेंगे। छापेमारी के दौरान पकड़े गए लोगों में आईटी कर्मचारी, निजी कंपनियों में काम करने वाले लोग, छात्र और व्यवसायी शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि इन सभी में एक बात समान थी, वह यह कि आयोजकों ने उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। उनमें से अधिकांश नियमित रूप से शहर और अन्य जगहों पर ऐसी पार्टियों में भाग लेते थे। हम ऐसी साइकेडेलिक पार्टियों और आयोजकों के बारे में कुछ और जानकारी जुटा रहे हैं।

इस बीच, पुलिस की टीमें राजेश, अभिनव, साई कृष्णा और सनी को पकड़ने की कोशिश कर रही हैं; ये चारों लोग पब के मालिक हैं और फिलहाल फरार हैं। अधिकारी ने कहा कि जब हम उन्हें पकड़ने में सफल हो जाएंगे, तो हम पब में होने वाली अवैध गतिविधियों के बारे में और जान पाएंगे।

काउंसलिंग सेशन आयोजित करेगी पुलिस

छापे के दौरान, 'ड्रग डिटेक्शन किट' के साथ जांच करने वाली पुलिस ने पाया कि पार्टी में शामिल होने वाले अधिकांश लोगों ने गांजा का सेवन किया था, जबकि दो अन्य ने कोकीन और एमडीएमए का सेवन किया था। दूसरी ओर पुलिस बार में पकड़े गए सभी लोगों के लिए काउंसलिंग सेशन आयोजित करेगी। अधिकारी ने कहा कि एक तारीख तय की जाएगी और उन सभी को अपने परिवार के सदस्यों के साथ काउंसलिंग में शामिल होना होगा। बाद में हम संदिग्धों पर बेतरतीब ढंग से एंटी-ड्रग टेस्ट करेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं या नहीं।

जडचेरला में बंद का आह्वान किया

रंगनायक स्वामी मंदिर समिति ने की घोषणा

महबूबनगर, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंदिर के तालाब को भरने और अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंचाने के विरोध में रंगनायक स्वामी मंदिर परिक्षण समिति ने सोमवार को जडचेरला बंद का आह्वान किया है। तीन दिन पहले, कुछ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर शहर के पेड्डा गुट्टा में रंगनायक स्वामी मंदिर में स्थित तालाब में पानी भर दिया। भक्तों का मानना है कि छिपे हुए खजाने की खोज के लिए तालाब खोदा गया था और बाद में अज्ञात लोगों ने इसे भर दिया। अब कई लोगों को लगता है कि यह कृत्य जाडचेरला के लिए शुभ नहीं होगा और इसे अशुभ मानते हैं।

पूर्व मंत्री ने की घटना की निंदा :

घटना की निंदा करते हुए पूर्व मंत्री सी. लक्ष्मी रेड्डी ने कहा कि मंदिर में पहले भी कुछ विकास कार्य किए गए थे। उन्होंने कहा कि सड़क बनाने के अलावा मंदिर में एक छोटा पार्क और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण काम रुका हुआ था। इसी बीच यह घटना हुई और लोग चिंतित हैं। लक्ष्मी रेड्डी ने कहा कि मंदिर के पुराने गौरव को वापस पाने के लिए लोगों को अथक परिश्रम करना चाहिए। मैं मंदिर में विकास कार्यों में भी अपना सहयोग दूंगी।

इस बीच, जाडचेरला पुलिस ने कहा कि इस कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। सीआई अदिरेड्डी ने कहा कि मंदिर के टैंक की मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम पहले ही शुरू हो चुका था, लेकिन बारिश के कारण इसमें देरी हुई। निवासी अनिल की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार सीआई ने बताया कि इसके अलावा, धार्मिक प्रमुखों और शहर के अन्य प्रमुख लोगों ने भी रविवार को एक बैठक की थी। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में कुछ लोगों ने बंद का आह्वान किया है।

केटीआर ने पीरजादीगुडा में तोड़फोड़ को लेकर सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी अधिकारियों ने सोमवार सुबह पीरजादीगुडा नगर निगम सीमा के सर्वे नंबर 1 में स्थित एक विशाल संरचना को ध्वस्त कर दिया। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और सिरसिल्ला विधायक केटी रामा राव ने इस घटना पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। मेडचल के पूर्व विधायक सुधीर रेड्डी ने क्या उम्मीद की थी और आज उन लोगों के घरों को ध्वस्त कर दिया, जिन्होंने आपके कांग्रेस नेताओं द्वारा बेचे गए और आपकी कांग्रेस सरकार द्वारा नियमित किए गए भूखंडों पर घर बनाए हैं, इसकी जांच करें। क्या बीआरएस नेता जो सार्वजनिक शासन में लोगों के समर्थन में बाहर गए हैं, उन्हें पुलिस द्वारा हिरासत में लिया जाएगा? अपने बड़े भाई के रूप में प्रचार करके मेडचल विधानसभा क्षेत्र में सुधीर रेड्डी द्वारा किए गए अत्याचारों पर एक खुफिया रिपोर्ट प्राप्त करें। अन्यथा, लोग विद्रोह करेंगे। केटीआर ने कहा, "आपकी हिरासत जनता के गुस्से को नहीं रोक सकती।" उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता रामदास गौड़ और एक अन्य कांग्रेस नेता जगदीश्वर रेड्डी तथा कांग्रेस पार्षद अमर सिंह के परिवार ने ही इन भूखंडों को निर्दोष लोगों को बेचा। "इन भूखंडों को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 2008 में नियमित किया था, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी थे। राजस्व अधिकारियों ने पहले इसे पट्टा भूमि घोषित करते हुए एक एनओसी जारी की थी। कई लोग बैंकों से ऋण ले रहे हैं और सरकारी नियमों के अधीन नगर निगम अधिकारियों से अनुमति लेकर घर बना रहे हैं। लेकिन मेडचल के पूर्व विधायक सुधीर रेड्डी ने अधिकारियों को परेशान किया और आज लाखों रुपये से निर्दोष लोगों द्वारा बनाए गए घरों को ध्वस्त कर दिया।" केटीआर ने कहा कि पीरजादीगुड़ा नगर निगम सीमा के अंतर्गत सैप्रिया और सत्यनारायणपुरम कॉलोनी के भूखंडों के मालिकों की समस्याओं को स्थायी रूप से हल करने के उद्देश्य से, बीआरएस सरकार ने उन्हें 118 जीओ के तहत शामिल किया था और भूखंड मालिकों को लाभान्वित किया था।

खाड़ी देश से लौटे व्यक्ति ने की पत्नी की हत्या

खुद भी किया आत्महत्या का प्रयास

जगतियाल, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खाड़ी देश से लौटे एक व्यक्ति ने सोमवार सुबह मेडिपल्ली मंडल के थोंबाराओपेट में कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फिर आत्महत्या करने की कोशिश की। कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। रोजगार की तलाश में बहरीन गए रायंचू लिंगैया ने रविवार शाम घर आकर अपनी पत्नी जलाजा (44) की सुबह गहरी नींद में कुदाल से हमला कर हत्या कर दी। बाद में उसने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। बताया जा रहा है कि थाने जाने से पहले उसने कीटनाशक पी लिया था और वहां पहुंचते ही वह बेहोश हो गया। पुलिस ने उसे जगतियाल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि लिंगैया ने अपनी पत्नी की हत्या इस संदेह में की होगी कि उसका विवाहेतर संबंध है। इस दम्पति के दो बच्चे हैं। बेटा खाड़ी देश में रह रहा था, जबकि बेटी की शादी हो चुकी थी।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पिकेट सिकंदराबाद
KENDRIYA VIDYALAYA OF PICKET SECUNDERABAD
TEL/FAX : 040-29804096, 040-29804092

साक्षात्कार/WALK-IN-INTERVIEW

केन्द्रीय विद्यालय पिकेट में अंशकालिक स्नातकोत्तर शिक्षक (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, इतिहास, भूगोल) एवं प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (अंग्रेजी, हिंदी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान) कंप्यूटर निर्देशक, स्पेशल एजुकेटर, काउंसलर एवं स्पोर्ट्स कोच के लिए 15-07-2024 को प्रातः 9 बजे साक्षात्कार आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक आवेदक पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र एवं सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि संलग्न कर दिनांक 15-07-2024 को प्रातः 9.00 बजे विद्यालय में उपस्थित होंगे।
विस्तृत विज्ञापन एवं आवेदन पत्र विद्यालय की वेबसाइट www.picket.kvs.ac.in पर उपलब्ध हैं।

sd/-
प्राचार्या/PRINCIPAL

निठारी कांड में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले का परीक्षण होगा

› *सीबीआई के एसजी बोले-सुरेंद्र कोली लड़कियों को मारकर खाता था*

› *सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया*

प्रयागराज/नोएडा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। नोएडा का चर्चित निठारी हत्याकांड का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुरेंद्र कोली को बरी किए जाने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सीबीआई ने याचिका दाखिल की थी। सीबीआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरेंद्र कोली को नोटिस जारी किया है। उससे जवाब मांगा गया है। याचिका यूपी सरकार और सीबीआई की ओर से दी गई थी। एसजी तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा-सुरेंद्र कोली एक सीरियल किलर है। ट्रायल कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट से इसे राहत मिल गई।

कौन हैं सुरेंद्र कोली

निठारी हत्याकांड का आरोपी सुरेंद्र कोली फिलहाल इलाहाबाद हाईकोर्ट से बरी हो गया है। वह उत्तराखंड का रहने वाला है। वह मोनिंदर सिंह पंढेर के घर पर काम करता था। 2004 में जब पंढेर का परिवार पंजाब चला गया था, तो पंढेर और कोली ही घर में रहते थे। फिर इसी बंगले में कांड को अंजाम दिया गया। की गई हत्याओं और दुष्कर्म के लिए फांसी की सजा सुनाई गई थी। यूपी सरकार और सीबीआई की ओर से शीर्ष अदालत में पेश हुए एसजी तुषार मेहता ने कहा-वह एक सीरियल किलर है। छोटी लड़कियों को बहला-फुसलाकर ले जाता था। उनकी हत्या करता था। उन्हें पकाता

था। ट्रायल कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने इसे पलट दिया, यह वाकई भयानक है। अब मामले की अगली सुनवाई कब होगी, इसकी तारीख सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि अब सुरेंद्र कोली की मुसीबत बढ़ जाएगी।

कोर्ट ने कुल 14 केस में किया था बरी

नोएडा के निठारी कांड में सुरेंद्र कोली और मोनिंदर सिंह पंधेर की अपील इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली थी। गाजियाबाद की सीबीआई कोर्ट ने उन्हें पहले फांसी की सजा सुनाई थी। इस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। निठारी मामले में टोटल 14 केस में हाईकोर्ट ने दोषियों को बरी कर दिया था। इसमें कोली को 12 और पंधेर को 2 मामलों में राहत मिल गई थी। हालांकि, कोली को सुप्रीम कोर्ट ने एक केस में फांसी की सजा सुनाई है। जो फिलहाल बरकरार रही। ये फैसला जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्र और जस्टिस एसएचए रिजवी की बेंच ने सुनाया। लंबी चली बहस के बाद अपीलों पर फैसला सितंबर में सुरक्षित कर लिया गया था। नोएडा के सेक्टर-31 में निठारी गांव है। यहां डी-5 कोठी में मोनिंदर सिंह पंधेर रहता था। मोनिंदर सिंह मूल रूप से पंजाब का रहने वाला था। साल-2000 में उसने ये कोठी खरीदी थी। 2003 तक फैमिली भी साथ रही, इसके बाद मोनिंदर को छोड़कर बाकी लोग पंजाब शिफ्ट हो गए। मोनिंदर घर में अकेला रहता था।

इसी दौरान उसने अल्मोड़ा (उत्तराखंड) के सुरेंद्र कोली बतौर नौकर घर में रख लिया। मोनिंदर सिंह अक्सर इस कोठी पर कॉलगर्ल बुलाता था। एक बार सुरेंद्र कोली ने वहां आई एक कॉलगर्ल से शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा जताई तो कॉलगर्ल ने ऐसा कुछ कह दिया जो सुरेंद्र को बुरा लगा। सुरेंद्र ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और लाश को बराबर के नाले में ठिकाने लगा दिया। डी-5 कोठी में ये पहला मर्डर था। इसके बाद तो जो लड़की इस कोठी में आई, वो जिंदा वापस नहीं गई। धीरे-धीरे इस इलाके से कई बच्चियां लापता होनी शुरू हो गईं।

वाराणसी में तस्कर से 3 किलो सोना बरामद

वाराणसी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। वाराणसी में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने शिवगंगा एक्सप्रेस में छापेमारी कर विदेशी सोना बरामद किया। पंजाब के सोना तस्कर से तीन किलो सोना के अलावा ज्वैलरी और एक लाख की नगदी भी पकड़ी। आरोपी से बरामद सोने की बाजार में कीमत एक करोड़ 66 लाख रुपए से अधिक है। आरोपी की गिरफ्तारी कर उसे यूनिट में लाकर पूछताछ की, फिर कोर्ट में पेश किया। विशेष कोर्ट ने तस्करी के आरोपी को जेल भेज दिया। अब डीआरआई सोना तस्कर के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। डीआरआई की वाराणसी टीम को सूचना मिली कि पंजाब के गुरुतेग बहादुर नगर (दमदमा साहिब) निवासी प्रदीप कुमार सुरी सोना तस्कर है और बनारस आया है। उसकी तलाश में टीमें लगाई तो चौक क्षेत्र में लोकेशन मिली, पड़ताल में पता चला कि बनारस से सोना तस्करी कर पंजाब ले जा रहा है। रविवार रात की ट्रेन से दिल्ली और फिर पंजाब जाने की तैयारी है।

उपचुनाव में बीमा का साथ देंगे सांसद पप्पू यादव

हाथ जोड़कर जनता से मांगी माफी, बोले-बेटी का साथ दें खड़े रहकर करूंगा रूपौली का विकास

पूर्णिया, 8 जुलाई (एजेंसियां)। आगामी 10 जुलाई को रुपौली विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव होने वाला है। इससे पहले पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने खुलकर राजद प्रत्याशी बीमा भारती का समर्थन कर दिया है। सांसद पप्पू यादव ने अर्जुन भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर बीमा भारती के समर्थन का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि किसी कारण के चलते मेरी प्रत्याशी से भूल हुई हो, तो इसके लिए मैं हाथ जोड़कर क्षमा मांगता हूं। आप सभी से रूपौली की बेटी बीमा भारती के पक्ष में वोटिंग के लिए आग्रह करता हूं। प्रेस को संबोधित करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि जो लोग कांग्रेस, सोनिया गांधी, राहुल या फिर प्रियंका गांधी की विचारधारा को मानते हैं वे हर परिस्थिति में इसके प्रत्याशी के साथ हैं, फिर चाहे सामने कोई भी हो। वैसे लोग जो कभी कभी निर्दलीय तो कभी एनडीए के साथ रहे। वे न कभी मेरे विचारधारा से हैं और न आगे कभी होंगे।

हमारी आइडियोलॉजी और विचारधारा कांग्रेस की

आगे पप्पू यादव ने खुलकर कहा कि जो लोग इस चुनाव में एनडीए के साथ हैं या फिर निर्दलीय के साथ होंगे। वो किसी भी कीमत पर पप्पू यादव के साथ नहीं हो सकते। क्योंकि हमारी आइडियोलॉजी और विचारधारा कांग्रेस की है। हमारे लोग कांग्रेस के विचारधारा के साथ रुपौली में पूरी मजबूती के खड़े हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि रुपौली कि जनता मेरे लिए हमारे प्रत्याशी की सारी गलती माफ करेगी।

रूपौली की बेटी के साथ खड़ा रहिएगा

जनता से मैं खुद उनकी ओर हाथ जोड़कर क्षमा मांगता हूं। अगर किसी तरह की कोई गलती हुई हो महागठबंधन के कैंडिडेट से तो माफ कर दीजिएगा। आगे उन्होंने कहा वो कुछ करे न करे, जैसे ही चुनाव खत्म होगा, मैं सूद ब्याज के साथ खड़े रहकर रूपौली से विकास की शुरुआत करूंगा। ये खुद आपसे आपके सांसद पप्पू यादव का वादा है। मैं एक बार फिर रुपौली की जनता से हाथ जोड़कर क्षमा मांगता हूं, अगर कभी भूल से हमारे प्रत्याशी से गलतियां हुई होगी तो उसे क्षमा करिएगा। आप मेरे लिए एक बार रूपौली की बेटी के साथ खड़ा रहिएगा।

पप्पू यादव को बुके देती दिखी थी बीमा भारती

दरअसल, सांसद पद की शपथ लेने के ठीक बाद पूर्णिया पहुंचते ही बीमा भारती ने पप्पू यादव से मुलाकात की थी। वहीं, इससे जुड़ा एक फोटो भी सामने आया, जिसमें बीमा भारती सांसद पप्पू यादव को बुके देती हुई दिखाई दी थी। ऐसा माना जा रहा है कि तभी सांसद पप्पू यादव ने बीमा भारती को अपना समर्थन देने का भरोसा दिलाया था। वहीं, सांसद पप्पू यादव के समर्थन के बाद बीमा भारती के कैडर वोटर गंगोता के अलावा यादव और मुस्लिम वोटर सीधे तौर पर बीमा भारती की ओर शिफ्ट होते दिख रहे हैं।

उन्नाव में घर में घुसकर प्रेमिका की मां की हत्या

उन्नाव, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उन्नाव में सोमवार की सुबह 4 बजे एक युवक ने पड़ोसी के घर में घुसकर फायरिंग कर दी। घटना में एक महिला की गोली लगने से मौत हो गई। पति व बेटी घायल हो गए। घटना के बाद गांव के बाहर युवक ने खुद को गोली से उड़ा दिया। दो लोगों की मौत हो जाने से गांव में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी पर एसपी समेत फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुटी है। फिलहाल पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया जा रहा है कि युवक का महिला की बेटी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी मामले में रेप के आरोप में युवक जेल भी गया था। इसी से वह आहत था।

थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले परिवार में पत्नी और बेटियां हैं। सोमवार की सुबह लगभग 4 बजे पड़ोस के ही रहने वाला रिकपाल का 22 वर्षीय बेटा अनुराग पीछे के रास्ते से उसके घर में घुस गया। उसने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना में महिला को गोली लग गई और पिता व दो बेटियां घायल हो गईं। फायरिंग की आवाज सुनकर मोहल्ले में हड़कंप मच गया। लोग दौड़े तो सभी घर में घायल अवस्था में पड़े थे। घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से फतेहपुर चौरासी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

कानपुर मेयर बोलीं-अमरनाथ नहीं जाती तो तुम्हें नाले में डुबोती

प्रमिला पांडेय ने इंजीनियर को फटकारा; कहा-सफाई नहीं लेकिन पार्षदों ने एनओसी दे दी

कानपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर में सोमवार को मेयर प्रमिला पांडेय बैठक में नाराज हो गईं। नवीन मार्केट पर हुए जलभराव पर जोन-1 के इंजीनियर को फटकार लगाई। कहा- शुक्र है कि मैं बारिश के वक्त अमरनाथ में थी। नहीं तो तुमको उसी नाले में डुबो देती। मुझे कई जगह कमियां दिखाई दीं। मैं रोज 2-2 घंटे निरीक्षण करती हूं। शहर में नाला सफाई को लेकर 39 पार्षदों ने अपनी एनओसी स्वास्थ्य विभाग को दे दी। लेकिन, कहीं भी सफाई नहीं है।

अगले 15 दिन में दोबारा सफाई करें

मेयर ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित सिंह और डॉ. अजय संखवार से कहा- अगले 15 दिन

तक मैं साथ में निरीक्षण करूंगी। जिन भी पार्षदों ने नाला सफाई की एनओसी अधिकारियों को दी है, उनकी जांच कराई जाएगी। पता लगाया जाएगा कि उनके वार्डों में कितनी सफाई हुई है? उन्होंने एनओसी दी तो कैसे दे दी? प्रमिला पांडेय ने बैठक में साफ कहा- पार्षद अपने क्षेत्रों में कहीं भी निरीक्षण नहीं कर रहे। सभी को सफाई कर्मचारी खूब चाहिएं, लेकिन वार्ड में सफाई हुई कि नहीं इसको कभी देखने तक नहीं जाते। अब क्षेत्रीय जनता से पार्षद का फीडबैक जरूर लिया जाएगा। कानपुर में 12 जून को मेयर प्रमिला पांडेय समीक्षा बैठक में नाराज हो गई थीं। इंजीनियर से उन्होंने नाला सफाई की रिपोर्ट मांगी। इंजीनियर ने झूठी रिपोर्ट दे दी। वह नाला सफाई के निरीक्षण के दौरान की एक फोटो तक नहीं दिखा सके। इस पर मेयर प्रमिला पांडेय ने इंजीनियर की दी हुई फाइल फेंक दी। कहा- अगर इस बार बारिश में पानी भरा, तो उसी में डूबोगे। साथ ही पूछा- कभी एसी से बाहर निकलते हो? एक भी इंजीनियर धूप में मौके पर जाना जरूरी नहीं समझता। सब बैठकर नौकरी कर रहे।

गाजीपुर में मां-पिता और बेटे की हत्या

गाजीपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। गाजीपुर में मां-पिता और बेटे की हत्या कर दी गई। तीनों को घर में गला रेतकर मारा गया। वारदात के वक्त घर में 3 ही लोग थे। छोटा बेटा गांव में एक शादी में गया था। रात को लौटा तो वारदात का पता चला। उसने गांव के ही एक परिवार पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना नंदगंज क्षेत्र के कुसम्ही कला गांव की है।

एसपी ओमवीर सिंह ने बताया- देर रात 2 बजे ट्रिपल मर्डर की सूचना मिली। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की है। हत्या क्यों हुई और किसने की इसकी जांच की जा रही है।

'बेटा रात 1.30 बजे आया तब घटना का पता चला'

एसपी ने बताया- मुंशी बिंद (45), उनकी पत्नी देवंती बिंद (40) और बेटे रामाशीष (20) के गले पर गहरे घाव हैं। प्राथमिक जांच में गला रेतकर हत्या की बात सामने आई है। वारदात के समय यही 3 लोग घर में मौजूद थे। छोटा बेटा आशीष गांव में शादी में नाच देखने गया था। रात करीब 1.30 बजे घर वापस आने पर उसे घटना का पता चला। उसकी चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर आए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

हाथरस हादसा : वीभत्सता बयां कर रही पोस्टमार्टम रिपोर्ट

दम घुटने व पसलियां टूटने से हुई अनुयायियों की मौत

एटा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के हाथरस जिले के थाना सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव मुगलगढ़ी में बीते दो जुलाई को सूरजपाल उर्फ साकार विश्व हरि भोले बाबा का सत्संग हुआ। बाबा की चरण रज लेने के लिए भीड़ दौड़ी और भगदड़ मच गई। जिसमें 122 लोगों की मौत हो गई। इसमें ज्यादातर महिलाएं थी। इनमें से एटा भेजे गए 28 लोगों के शव का पोस्टमार्टम यहां किया गया। इसकी रिपोर्ट हादसे की वीभत्सता बयां कर रही है। अनुयायियों की पसलियां टूट गईं और दम घुटने से मौत हुई थी। सत्संग समाप्त होने के बाद जैसे ही साकार विश्व हरि भोले बाबा वहां से निकले, लोग उनके चरणों की धूल लेने भागे।

जब भारी भीड़ आगे बढ़ी, तो भगदड़ मच गई। सबसे पहले वहां से घायलों और मृतकों को एटा मेडिकल कॉलेज भेजा गया। यहां 28 लोगों का पोस्टमार्टम किया गया। इसमें अधिकांश महिलाओं के शव थे। इनकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला है कि भगदड़ के दौरान नीचे दबने से उनका दम घुट गया और पसलियां टूट गईं। जिसकी वजह से इनकी दर्दनाक मौत हो गई।

हत्यारे तीन सगे भाइयों सहित चार को आजीवन कारावास

मैनपुरी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में थाना कोतवाली क्षेत्र में चार साल पहले एक मजदूर की हत्या करने वाले तीन सगे भाइयों सहित चार लोगों को स्पेशल जज ईसी एक्ट जयप्रकाश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उन पर 16-16 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाने के बाद चारों को हिरासत में लेकर जेल भेजा गया है।

थाना कोतवाली के मोहल्ला शिवनगर रामलीला मैदान के रहने वाले रामकिशन 9 जून 2020 को सुबह 4 बजे घर से मजदूरी करने गए थे। रास्ते से न्यू गाड़ीवान के रहने वाले तीन भाई मनोज, रामविलास, रामसरन अपने साथी राजकुमार निवासी शिवनगर रामलीला मैदान रामकिशन को अपने साथ ले गए। सिंहपुर नहर पुल के पास रामकिशन की पेट्रोल डालने के बाद जलाकर हत्या कर दी।

नीट पेपर लीक मामला 4 दिन बढ़ी 4 आरोपियों की रिमांड

कोर्ट से बोली सीबीआई-काफी सवालों के जवाब अभी जानना है, चिंटू भेजा गया जेल

पटना, 8 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में कोर्ट ने 4 आरोपियों की रिमांड की अवधि 4 दिन के लिए बढ़ा दी है। वहीं, एक आरोपी चिंटू को जेल भेज दिया है। सीबीआई की रिमांड पर लिए गए चार आरोपियों की अवधि समाप्त हो गई थी। इसके बाद सोमवार को सीबीआई ने स्पेशल मजिस्ट्रेट हर्षवर्धन सिंह की कोर्ट में रिमांड बढ़ाने की मांग की। स्पेशल मजिस्ट्रेट की अदालत ने आरोपी अमन, एहसान, इम्तियाज और जमालुद्दीन को रिमांड पर भेज दिया है।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम ने 3 जुलाई को धनबाद से अमन सिंह को गिरफ्तार किया था। उसे अगले दिन पटना में सीबीआई के स्पेशल मजिस्ट्रेट हर्षवर्धन सिंह की कोर्ट में पेश की थी। पेपर लीक के इस कांड में अमन सिंह का अहम रोल है। साथ ही यह इस कांड में फरार चल रहे नालंदा के हिलसा के रहने वाले रॉकी का खास आदमी है।

सीबीआई ने अमन समेत 5 आरोपियों को रिमांड पर लिया। इसके बाद लगातार पूछताछ की। लेकिन अब भी कुछ सवालों के जवाब जानना जरूरी है। सीबीआई के अनुसार, अमन सिंह से काफी सवालों के जवाब अभी और जानना है। इस कारण आज कोर्ट से सीबीआई के वकील ने इसके रिमांड की मांग की, जिसे कोर्ट ने मंजूर किया और 4 दिनों के रिमांड पर भेज दिया।

बुलडोजर एक्शन : नदी किनारे बने 10 अवैध अतिक्रमण को किया गया ध्वस्त

डीएम के सख्त निर्देश पर हुई कार्रवाई

मऊ, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मऊ जिले में जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र के दिशा निर्देश पर सोमवार को तमसा नदी के किनारे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 10 अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र कुमार के नेतृत्व में किया गया।

सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि मंगलवार को भी अधिक संख्या में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। बताया कि तमसा नदी पर अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन गंभीर है। जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि जिलाधिकारी ने तमसा नदी को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए समस्त अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

प्रशांत किशोर के पास गए तो लालू की पार्टी कार्रवाई करेगी?

राजद प्रदेश अध्यक्ष का दो टूक जवाब

पटना, 8 जुलाई (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की पार्टी को लेकर राष्ट्रीय जनता दल की ओर से जारी किए गए पत्र का राज से पर्दा नहीं उठ पा रहा। अब राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा है कि आपलोग मामले को घुमाकर पेश कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। स्पष्ट कहा कि अगर इस मामले में ज्यादा सवाल पूछेंगे तो मैं उठकर चला जाउंगा। दरअसल, राजद की ओर से जनसुराज और प्रशांत किशोर को लेकर एक पत्र जारी किया गया था। इसमें राजद का नाम लिखा हुआ था और इसपर जगदानंद सिंह के हस्ताक्षर थे। पत्र में राजद कार्यकर्ताओं, नेताओं से अपील की गयी है कि वह प्रशांत किशोर की प्रस्तावित पार्टी जन सुराज में शामिल नहीं हो। इस पत्र में जन सुराज को भारतीय जनता पार्टी की बी टीम तक कह दिया गया था। उसके बाद से बिहार की सियासत गरमा गई।

जगदानंद सिंह ने बाढ़ के मुद्दों पर बातें की

सोमवार को राजद कार्यालय में लंबे अरसे के बाद जगदानंद सिंह ने बाढ़ के मुद्दों पर बातें की। उन्होंने नीतीश सरकार पर भी निशाना साधा। बाढ़ पर उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार जिम्मेदार पद पर हैं। उन्हें इस मामले को देखना चाहिए। सबको यह जानकारी है कि बाढ नेपाल में है, और नदियां बिहार से गुजरते हुए सारी पानी को लेकर जाती हैं। गंडक और कोसी दो बडी नदियां हैं।

शादी में लाइटिंग के करंट से दो किशोरों की मौत

सुल्तानपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सुल्तानपुर के धनपतगंज थानाक्षेत्र के पियरापार गांव मे रविवार की देर रात विवाह के दौरान की गई लाइटिंग के लिए लगाए गए तारों की चपेट में दो किशोर आ गए। करंट से उनकी वहीं मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। मायंग गांव मजरा पियरा पार निवासी विश्राम के घर लड़की की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। द्वार पूजा के बाद महिलाएं तकरीबन 12 बजे लावा की रस्म अदायगी के लिये घर के सामने नाचते गाते कुछ दूर गईं।

साथ में डीजे की धुन पर नाचने के लिये गांव के केशराम (15) पुत्र स्व. कालीदीन निषाद और साथ में सुरजीत (15) पुत्र स्व. रामकिशोर साथ-साथ हो लिये। रस्म अदायगी चल रही थी उसी समय जमीन पर गिरे तार के करंट की चपेट में केशराम और सुरजीत आ गए। जिनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

इस 'डॉन' ने पुलिस को 12 राज्यों तक दौड़ाया

तब पकड़ा गया, 1200 से अधिक वारदातों को दे चुका है अंजाम

कानपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। फिल्म डॉन में एक डायलॉग था, जो आज भी बड़ा मशहूर है। डॉन का इंतजार तो 11 मुल्कों की पुलिस कर रही है। शहर में पकड़े गए एक टप्पेबाज ने तो पुलिस को 12 राज्यों तक दौड़ा डाला। करीब 60 दिन तक इस शहर से उस शहर की खाक छानने के बाद पुलिस ने रविवार सुबह उसे मुरे कंपनी पुल के पास से दबोच लिया।

हरबंसमोहाल में एक फौजी की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी अब तक 1200 से 1400 वारदात को अंजाम दे चुका है। उसके खिलाफ 18 राज्यों में 35 मामले दर्ज हैं। जबलपुर में चार साल की जेल भी काट चुका है। खास बात यह है कि वह खुद को फौजी बताकर फौजियों को ही निशाना बनाता था। इसके लिए वह अक्सर ट्रेन में यात्रा करता और फौजियों से दोस्ती बनाता। बहाने से उन्हें किसी होटल में ले जाता और मौका पाते ही माल समेटकर फरार हो जाता। पकड़ा गया शातिर 25 हजार का इनामिया मिर्जापुर पड़री निवासी सुनील दुबे उर्फ लल्लू है।

डीसीपी पूर्वी एसके सिंह ने हरबंसमोहाल थाने में प्रेसवार्ता कर बताया कि पांच मई को थाने में मुजफ्फरपुर बिहार निवासी एक सीआरपीएफ कर्मी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया था कि एक युवक ने ट्रेन में दोस्ती की। इसके बाद

हरबंसमोहाल के होटल सनराइज गैलेक्सी में ले गया। मौका पाते ही उनके 2.50 लाख रुपये, पासपोर्ट, एटीएम आदि लेकर भाग गया। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिसकर्मियों को सेना की वर्दी पहनाकर आरोपी को पकड़ने का जाल बिछाया गया, लेकिन इसमें भी सफलता नहीं मिली। इस बीच आरोपी ने कलक्टरगंज में एक और वारदात को अंजाम दे डाला। हालांकि यहां लगे कैमरों से उसके फुटेज मिले। होटल में जमा की गई आईडी से पता चला कि वह मिर्जापुर निवासी सुनील दुबे उर्फ लल्लू है। डीसीपी के मुताबिक सर्विलांस टीम को लगाकर पुलिस ने करीब 12 राज्यों तक उसका पीछा किया, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह फरार हो जाता।

पड़ोसी को फोन कर घर वालों से करता था बात

डीसीपी पूर्वी के मुताबिक आरोपी बड़ा शातिर है। वह अपने घर बहुत कम जाता था। एक पड़ोसी को अक्सर फोन कर घर वालों से बात करता था। उस पड़ोसी का नंबर सर्विलांस पर लगाया गया। आखिरी बार जब आरोपी सुनील ने घर में बात की तो सर्विलांस से पता चला कि वह मुरे कंपनी पुल के पास है। इसी सुराग के आधार पर उसे पकड़ लिया गया। दोपहर बाद कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

ये हुई बरामदगी

सुनील के पास से छह आधार कार्ड, 4090 रुपये, एक तमंचा, कारतूस, डीएल, एक निर्वाचन कार्ड, प्रेस आईडी, चार एटीएम कार्ड, पांच सिम और बाइक मिली है।

पीड़ित के मोबाइल से करता बात, नया शिकार मिलते ही बदल देता

डीसीपी के मुताबिक फौजियों को शिकार बनाने के लिए वह अक्सर ट्रेन में ही सफर करता रहता था। फौजी बनकर सेना के जवानों को जाल में फंसाकर उनका सामान लेकर फरार हो जाता था। जो कैश मिलता था, उसे अलग-अलग खातों में डाल देता था। पीड़ित के मोबाइल से ही बात करता था। दो-तीन दिन में नया शिकार मिलते ही उसका मोबाइल और नंबर चलाने लगता था।

वर्ली हिट एंड रन मामले के संदिग्ध मिहिर शाह के विदेश भागने की आशंका

पुलिस ने एलओसी जारी किया

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के वर्ली इलाके में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी थी, जिससे एक महिला की मौत हो गई। कार को मिहिर शाह चला रहा था। पुलिस को शक है कि मिहिर घटना के समय नशे में था। आरोपी अभी फरार है। उसे ढूंढने के लिए लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। वहीं, मिहिर के पिता राजेश और चालक राजेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर मेडिकल के लिए ले जाया गया।

शिवसेना नेता गिरफ्तार

आरोपी महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक शिवसेना नेता राजेश शाह का बेटा है। राजेश और उनके चालक राजेंद्र सिंह बिजावत को पुलिस के साथ सहयोग न करने के लिए रविवार को गिरफ्तार किया गया और आज उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, लापरवाही से गाड़ी चलाने और सबूत नष्ट करने समेत अन्य धाराओं के तहत भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है। मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों को भी लागू किया गया है।

पिता भी गिरफ्तार

अधिकारी ने बताया कि राजेश शाह और बिजावत को रविवार को वर्ली पुलिस ने कथित तौर पर दुर्घटना के बाद मिहिर को भगाने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

विदेश भाग सकता है आरोपी

अधिकारी ने कहा, 'मिहिर शाह के देश से भागने की आशंका को देखते हुए मुंबई पुलिस ने रविवार शाम उसके खिलाफ एलओसी जारी किया है। आरोपी की तलाश शुरू कर दी है और उसका पता लगाने के लिए छह टीमों का गठन किया है।' पुलिस को संदेह है कि दुर्घटना के समय मिहिर शराब के नशे में था और उसे घटना से कुछ घंटे पहले यहां जुहू इलाके के एक बार में देखा गया था।

सबूत को मिटाने की कोशिश

इससे पहले पुलिस सूत्रों ने बताया था कि मिहिर ने अपने पिता को फोन किया और दुर्घटना के बारे में बताया। तब से उनका फोन बंद है। पुलिस की चार टीमें मिहिर की तलाश कर रही हैं। पुलिस की जांच में सबूतों को मिटाने की कोशिशों का भी खुलासा हुआ है।

कार के शीशे पर एक पार्टी का स्टिकर लगा हुआ है, जिसे छिपाने के लिए खरोंच दिया गया। दुर्घटना के बाद कार की एक नंबर प्लेट भी हटा दी गई थी। लेकिन पुलिस ने वाहन को क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज से स्कैन कर लिया।

यह है मामला

पुलिस ने बताया कि मिहिर शाह ने बीती रात जुहू के एक बार में शराब पी थी। घर जाते समय उसने चालक से उसे लॉन्ग ड्राइव पर ले जाने को कहा। कार वर्ली आई तो मिहिर ने जोर देकर कहा कि वाहन को वह चलाएगा। इसके बाद तेज रफ्तार कार ने कुछ देर बाद एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। दोपहिया वाहन पर कावेरी नखवा और उनके पति प्रदीप नकवा सवार थे।

जो वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके के निवासी थे। दंपती मछुआरा समुदाय से थे। सुबह जब वे दोपहिया वाहन से काम पर जा रहे थे, तभी बीएमडब्ल्यू कार उनके वाहन से टकरा गई। इसके बाद दोनों हवा में उछल गए। कार का बोनट क्षतिग्रस्त हुआ। इसके बाद कार ने कावेरी को कुचल दिया। फिर आरोपी मौके से फरार हो गए। महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनके पति प्रदीप को मामूली चोटें आईं।

वरिष्ठ भाजपा नेता विजय जैन ने छोड़ी पार्टी

व्हाट्सऐप पर भेजा इस्तीफा, कांग्रेस में हुए शामिल

पानीपत, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पानीपत में भाजपा को एक और बड़ा झटका लगा है। वरिष्ठ नेता विजय जैन ने अपनी प्राथमिक सदस्यता समेत तमाम पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे की कापी जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट को भेजी है। इसके बाद जैन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में कांग्रेस में शामिल हो गए। जैन पानीपत ग्रामीण विधानसभा से टिकट के दावेदार थे। उन्होंने विधानसभा के साथ उनके वार्ड-26 में विकास कार्यों में भेदभाव के भी आरोप लगाए हैं।

विजय जैन ने सोमवार को अपना एक पेज का इस्तीफा भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट को व्हाट्सएप पर भेजा है। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा कि उनके हलके और वार्ड में विकास कार्यों में अनदेखी बरती जा रही है। वह इससे आहत हैं और अपनी प्राथमिक सदस्यों समेत सभी पदों से इस्तीफा दे रहे हैं। विदित है कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पानीपत शहर की पूर्व विधायक रोहिता रेवड़ी ने इसी तरह भाजपा छोड़ी थी। उन्होंने भी जिलाध्यक्ष के व्हाट्सएप पर अपना इस्तीफा भेजा था। वे पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में कांग्रेस में शामिल हुई थी। उनके साथ उनके पति सुरेंद्र रेवड़ी भी भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। विजय जैन करीब डेढ़ सौ गाड़ियों का काफिला लेकर सोमवार रोहतक के लिए रवाना हो गए।

निगम पार्षद के साथ राजनीति में आए थे जैन

विजय जैन शहरी स्थानीय निकाय के 2019 के चुनाव भाजपा के टिकट पर जीतकर वार्ड-26 से निगम पार्षद बने थे। उन्होंने अपने वार्ड में विकास कार्यों को लेकर सदन में कई बार आवाज उठाई। उन्होंने उस समय भी अनदेखी बरतने के आरोप लगाए थे। उन्होंने इसके बाद निगम के साथ पानीपत ग्रामीण विधानसभा में प्रचार प्रसार शुरू कर दिया था। वे गांवों के साथ बाहरी कॉलोनियों में लगातार जनसंपर्क कर रहे थे। उन्होंने पिछले दिनों सेक्टर-13-17 में कार्यालय का शुभारंभ किया था।

कुलगाम में स्थानीय आतंकियों के मौजूद होने की आशंका

आतंकवाद को पुनर्जीवित करने का प्रयास

जम्मू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) आरआर स्वैन ने कहा कि कुलगाम में दो मुठभेड़ों में अब तक छह आतंकी मारे जा चुके हैं। डीजीपी ने कहा कि अब तक छह आतंकवादियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। मुठभेड़ में दो सैनिक बलिदान हुए हैं। चूंकि ऑपरेशन एक ही स्थान पर चल रहा है, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि मारे गए आतंकी किस संगठन से जुड़े थे।

स्थानीय आतंकियों की मौजूदगी की भी आशंका है। एक बार ऑपरेशन पूरी तरह खत्म हो जाने के बाद हम मारे गए आतंकियों की पहचान और संबद्धता का पता लगा पाएंगे। उन्होंने कहा कि कुलगाम में सफल ऑपरेशन और जनसहयोग से ऐसा लगता है कि हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को जल्द ही इसके तार्किक निष्कर्ष पर ले जाने में सक्षम होंगे। शनिवार दोपहर कुलगाम के चिनिगाम के फ्रिसल और मोटेरगाम में दो मुठभेड़ हुईं। जम्मू की स्थिति के बारे में डीजीपी स्वैन ने कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति थी, लेकिन अब चीजें बिल्कुल अलग हैं।

उन्होंने कहा, आतंकवाद को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया था, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकते। जम्मू में आतंकवाद या इसके पारिस्थितिकी तंत्र के पुनरुत्थान का कोई माहौल नहीं है। उम्मीद है कि क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल बना रहेगा।

बलिदानी प्रदीप कुमार हरियाणा और प्रभाकर महाराष्ट्र के रहने वाले

कुलगाम जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के दो जवान बलिदान हुए हैं। मुदरघम मुठभेड़ में पैरा कमांडो लांस नायक प्रदीप कुमार और फ्रिसल में राष्ट्रीय राइफल्स के सिपाही प्रवीण जंजाल प्रभाकर ने अपने प्राणों की आहुति दी। प्रदीप नैन (28) हरियाणा के जींद जिले के जाजनवाला गांव और प्रभाकर जंजाल (26) महाराष्ट्र के अकोला जिले के रहने वाले हैं। चिनार कोर कमांडर, मुख्य सचिव जम्मू-कश्मीर, डीजीपी जम्मू-कश्मीर और सभी रैंक के अधिकारियों ने लांस नायक प्रदीप कुमार और सिपाही प्रवीण जंजाल प्रभाकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। सेना ने एक्स पर जारी पोस्ट में दोनों बहादुरों की वीरता और बलिदान को सलाम किया।

बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन : 'ड्राइवर ने कार रोकी होती तो पत्नी बच सकती थी'

हिट-एंड-रन पीड़िता के पति का छलका दर्द

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में बीएमडब्ल्यू कार हिट-एंड-रन की घटना में मारी गई कावेरी नखवा के पति प्रदीप नखवा ने सोमवार को ड्राइवर के लिए कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर उसने कार रोकी होती तो उसकी पत्नी बच सकती थी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने घटना के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि रविवार की सुबह जब दंपति क्रॉफर्ड मार्केट से मछली खरीदकर लौट रहे थे, तभी सुबह करीब 5:30 बजे एक तेज रफ्तार कार ने उनके दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। कावेरी नखवा पीछे बैठी थीं।

उन्होंने कहा कि हम 30 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार कार ने हमें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से हम कार के बोनट पर गिर गए। उन्होंने बताया कि ड्राइवर ने ब्रेक लगाया, जिससे मैं गिर गया, लेकिन मेरी पत्नी आगे के पहिये के नीचे फंस गई। मैं गिड़गिड़ाया, लेकिन ड्राइवर नहीं रुका और मेरी पत्नी को घसीटते हुए सी लिंक के वर्ली-एंड की ओर ले गया। उन्होंने बताया कि मैं ड्राइवर से कार रोकने के लिए कहते हुए कार के पीछे भागने लगा। अगर उसने कार रोकी होती, तो मेरी पत्नी बच सकती थी। उन्होंने दावा किया कि कार 24 वर्षीय युवक चला रहा था, जो कार का मालिक था, जबकि उसके बगल में एक और व्यक्ति बैठा था।

उन्होंने कहा कि मेरे दो बच्चे हैं। हमने सब कुछ खो दिया। मेरी पत्नी चली गई, लेकिन आरोपी को दुर्घटना के लिए कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मुंबई पुलिस के अनुसार, कार कथित तौर पर सत्तारूढ़ शिवसेना नेता राजेश शाह का बेटा मिहिर शाह चला रहा था। वह फरार है। कार ने महिला को 2 किलोमीटर से अधिक तक घसीटा। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिहिर शाह के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया है। पुलिस को संदेह है कि दुर्घटना के समय मिहिर शराब के नशे में था, क्योंकि उसे घटना से कुछ घंटे पहले यहां जुहू इलाके में एक बार में देखा गया था।

शराब पीकर स्कूल पहुंचे मास्टर जी, शख्स ने पूछा तो झूमकर बोले अरे मैं तो कभी कभी पीता हूं...रोज नहीं पीता

सिंगरौली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सिंगरौली जिले के देवसर विधानसभा क्षेत्र की बिंदुल ग्राम पंचायत के शासकीय प्राथमिक पाठशाला बिंदूल का यह मामला है। यहां पर एक टीचर शराब पीकर क्लास में पहुंच गए। इस पर ग्रामीणों ने अध्यापक का नशे में धुत्त होकर क्लास में पहुंचने का वीडियो बना लिया। वीडियो में नजर आ रहा है कि टीचर रामप्रताप रावत से एक शख्स उससे पूछताछ कर रहा है। साथ ही वह शख्स अनिता नाम की बच्ची से भी पूछता है कि क्या टीचर ने शराब पी है, जिसपर बच्ची ने कहा कि शिक्षक रोज ही शराब के नशे में आते हैं। साथ ही एक स्कूल की शिक्षिका ने यह भी बताया कि रामप्रताप रावत ऐसे ही रोज शराब के नशे में आते हैं। इसके बाद शख्स ने जब टीचर से पूछा कि वह दारू पीकर आए तो उन्होंने हामी भरी और कहा कि वह रोज नहीं पीते हैं, कभी कभी पीते हैं।

भारी बारिश के बीच 50 से ज्यादा उड़ानें रद्द या डायवर्ट

सड़कें भी डूबीं-सीएम शिंदे ने की बैठक

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारी बारिश के कारण दादर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां सड़कों से लेकर रेलमार्गों तक पानी भरा हुआ है। सड़कों पर खड़ी कारें भी पानी में तैर रही हैं। बृहन्मुंबई नगर पालिक (बीएमसी) ने सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों में पहले सत्र के लिए अवकाश की घोषणा की। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा द्वारा भारी बारिश और कम दृश्यता के कारण रनवे पर परिचालन 2:22 बजे से 3:40 बजे तक स्थगित किया गया। 50 से ज्यादा उड़ानों को या तो रद्द किया गया या फिर अहमदाबाद, हैदराबाद, इंदौर की तरफ डायवर्ट किया गया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए आपदा नियंत्रण कक्ष में एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में मुंबई के संरक्षक मंत्री एमपी लोढ़ा, राहत और पुनर्वास मंत्री अनिल पाटिल भी शामिल थे। बैठक में सीएम शिंदे ने कहा, कल रात से मुंबई में 300 मिमी बारिश हुई। बारिश के पानी को निकालने के लिए 200 पानी के पंपों और 400 बीएमसी पंपों को काम पर लगाया गया है। सेंट्रल और हार्बर लाइन पर ट्रेनें फिर से शुरू हो गई हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सेना, नौसेना और वायु सेना को अलर्ट पर रखा गया है।

भूस्खलन से 70 सड़कों पर आवाजाही ठप

51 जल आपूर्ति योजनाएं प्रभावित

शिमला, 8 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कई भागों में मानसून की बारिश का दौर जारी है। राजधानी शिमला में भी सोमवार सुबह झमाझम बारिश हुई। राज्य में सुबह 10:00 बजे तक 70 सड़कों पर आवाजाही ठप रही। इसके अलावा 84 बिजली ट्रांसफार्मर व 51 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित चल रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से राज्य के कई भागों में 14 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान है। 11 व 12 जुलाई के लिए कई भागों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

'दिल्ली में कई कांग्रेस है, राहुल-खड़गे की अलग कांग्रेस'

उदित राज बोले-जिन्होंने हराया वही प्रमोट हो रहे हैं

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में मिली 99 लोकसभा सीटों से कांग्रेस पार्टी बेहद उत्साहित है लेकिन देश की राजधानी नई दिल्ली में लगातार तीसरी बार कांग्रेस पार्टी खाता खोलने में असफल रही। अब लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर उत्तर पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रहे उदित राज का गुस्सा फूटा है। उन्होंने अपनी हार के लिए कांग्रेस नेताओं और आम आदमी पार्टी के विधायकों को जिम्मेदार ठहराया है। उदित राज ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा कि कांग्रेस पार्टी में उन्हीं लोगों को प्रमोट किया जा रहा है, जिनकी वजह से उत्तर पश्चिमी लोकसभा सीट पर हार हुई। उन्होंने कहा, "आम आदमी पार्टी ने प्रत्याशी फरवरी में घोषित कर दिया था... कांग्रेस पार्टी के उस समय के अध्यक्ष ढील करते रहे... आम आदमी पार्टी ने अपने पार्षदों, अपने विधायकों को अपने क्षेत्र में लगा दिया था... वो अपने क्षेत्र में नहीं थे।"

आम आदमी पार्टी विधायकों की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा, "...कार्यकर्ता सपोर्ट कांग्रेस को कर रहा था लेकिन लास्ट में विधायकों ने एक अंडर-स्टैंडिंग डेवलप की कि अगर कांग्रेस पर आम आदमी पार्टी का वोट चढ़ गया तो झाड़ू पर जाएगा नहीं... दस ही महीने में चुनाव है विधानसभा का... तो विधायकों न पार्टी का ध्यान रखा और न ही इंडिया गठबंधन का... अपनी निजी असुरक्षा की वजह से उन्होंने कांग्रेस पर वोट नहीं डलने दिया।"

लोकल कांग्रेस को भी ठहराया हार का जिम्मेदार

लोकल कांग्रेस को अपनी हार के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने कहा, "आंतरिक रुप से लगातार दो महीने से उत्तर-पश्चिम में कुछ लोग मेरे खिलाफ ब्राह्मण विरोधी, जाट विरोधी होने का कैंपेन चला रहे हैं... बीजेपी ने नहीं चलाया, अपने ही लोगों ने चलाया... मुझे बाहरी बताया... मैंने लिखकर दे दिया है लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया... अब चुनाव बीतने के बाद उन्हीं के हाथ में संगठन की कमान आ गई... जो चुनाव हराए, वही संगठन को बाद में चलाए।" उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में कई कांग्रेस हैं, लोकल की अलग कांग्रेस है, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की अलग कांग्रेस है।

फिरोजपुर सीमा पर बीएसएफ ने संदिग्ध नशीले पदार्थों के साथ दो लोगों को पकड़ा

फिरोजपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बीएसएफ इंटेलिजेंस विंग को रविवार रात को फिरोजपुर जिले के सीमावर्ती इलाके में एक खेत में हेरोइन की खेप मिलने की सूचना मिली थी। इससे पहले कि बीएसएफ के जवान मौके पर पहुंच पाते, ट्रैक्टर चला रहे दो व्यक्तियों ने खेप को वहां से उठा लिया। रात लगभग 11:30 बजे जब वे भानेवाला गांव के पास जा रहे थे तो बीएसएफ जवानों ने उन्हें रोक लिया। फिरोजपुर के चांदीवाला गांव के निवासी लगभग 27 और 50 वर्ष की उम्र के व्यक्तियों से पूछताछ की गई। उनकी और उनके ट्रैक्टर की गहनता से तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान जवानों ने ट्रैक्टर के हुड की जेब में छुपाए गए संदिग्ध नशीले पदार्थों के दो पैकेट (कुल एक किलो वजन) और 3 मोबाइल फोन बरामद किए। इसके बाद, पकड़े गए व्यक्तियों, ट्रैक्टर और संदिग्ध नशीले पदार्थों को आगे की जांच के लिए पुलिस को सौंप दिया गया।

'जब तक मैं मुख्यमंत्री हूं, किसी को छूट नहीं मिलेगी'

हिट एंड रन मामलों पर सीएम शिंदे ने जताई चिंता

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में हिट एंड रन मामले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि वे राज्य में इस तरह की घटनाओं को लेकर बेहद चिंतित हैं। सीएम शिंदे ने कहा कि शक्तिशाली और प्रभावशाली लोग व्यवस्था में हेरफेर करने के लिए अपनी प्रतिष्ठा का दुरुपयोग करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आम लोगों का जीवन उनके लिए बहुत कीमती है। इसी के साथ उन्होंने राज्य पुलिस विभाग को इन मामलों को गंभीरता से संभालने के निर्देश दिए।

सीएम शिंदे ने कहा, ₹मैं महाराष्ट्र में बढ़ते हिट एंड रन मामलों के लिए चिंतित हूं। कुछ शक्तिशाली और प्रभावशाली लोग व्यवस्था में हेरफेर करने के लिए अपनी प्रतिष्ठा का दुरुपयोग करते हैं। आम लोगों का जीवन मेरे लिए बहुत कीमती है। मैंने राज्य पुलिस विभाग को इन मामलों को गंभीरता से संभालने का निर्देश दिया है। उन्हें न्याय सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है। हम हिट एंड रन मामलों के अपराधियों के लिए सख्त कानून और कठोर दंड लागू कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, जब तक मैं राज्य का मुख्यमंत्री हूं, चाहे किसी को भी, चाहे वह अमीर हो, प्रभावशाली हो, या नौकरशाहों या मंत्रियों की संतान हो, किसी भी पार्टी से जुड़ा हो, इन मामलों में छूट नहीं मिलेगी। मैं किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं करूंगा। पुलिस ने बताया कि मिहिर शाह ने बीती रात जुहू के एक बार में शराब पी थी। घर जाते समय उसने चालक से उसे लॉन्ग ड्राइव पर ले जाने को कहा। कार वर्ली आई तो मिहिर ने जोर देकर कहा कि वाहन को वह चलाएगा। इसके बाद तेज रफ्तार कार ने कुछ देर बाद एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। दोपहिया वाहन पर कावेरी नखवा और उनके पति प्रदीप नकवा सवार थे। जो वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके के निवासी थे। दंपती मछुआरा समुदाय से थे। सुबह जब वे दोपहिया वाहन से काम पर जा रहे थे, तभी बीएमडब्ल्यू कार उनके वाहन से टकरा गई। इसके बाद दोनों हवा में उछल गए। कार का बोनट क्षतिग्रस्त हुआ। इसके बाद कार ने कावेरी को कुचल दिया। फिर आरोपी मौके से फरार हो गए। महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनके पति प्रदीप को मामूली चोटें आईं।

पुणे पोर्श घटना

पुणे शहर में 18-19 मई की दरम्यानी रात को करीब तीन करोड़ रुपये की पोर्श कार को तेज गति से दौड़ाने के चक्कर में 17 साल के लड़के ने एक बाइक को टक्कर मार दी थी। गाड़ी की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अपना संतुलन खोकर काफी दूर तक सड़क पर घिसटते चली गई, जिससे उस पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

आतिशी के बाद दिलीप पांडे का एलजी पर तंज

बोले-षड्यंत्र रचा... लेकिन सच्चाई की जीत हुई

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के स्कूलों में काम कर रहे शिक्षकों के तबादले पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रोक लगा दी है। जिसके बाद आम आदमी पार्टी के नेता हमलावर नजर आ रहे हैं। आतिशी के बाद आप नेता दिलीप पांडे ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दिलीप पांडे ने कहा कि दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी के निर्देशों के खिलाफ जाकर दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले 5006 शिक्षकों का तबादला कर दिया गया था। इस ट्रांसफर आदेश का आम आदमी पार्टी ने जबरदस्त विरोध किया और इसे वापस लेने की मांग की थी। आज आखिकार सच्चाई की जीत हुई, भाजपा राजनैतिक जलन की वजह से ऐसा कर रही थी। बीजेपी शासित राज्यों में सरकारी स्कूलों की बुरी हालत है। स्कूलों की हालत खस्ता है।

सरकारी स्कूलों के भवन नहीं हैं, अध्यापकों की कमी है। इनके राज्यों में सरकारी स्कूल ध्वस्त हो चुके हैं। आगे कहा कि केजरीवाल की सरकार में सरकारी शिक्षा व्यवस्था में जबरदस्त बदलाव लाया गया। भाजपा ने इसी क्रांतिकारी शिक्षा मॉडल को बर्बाद करने के लिए अपने एलजी के द्वारा शिक्षकों के ट्रांसफर का षड्यंत्र रचा लेकिन शिक्षक संघ की एकता और दिल्ली सरकार के संघर्ष की वजह से ये ट्रांसफर रुके।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 9 जुलाई- 2024

सकारात्मक राजनीति

बंटवारे के बाद से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में दस साल बाद भी कई ऐसे मुद्दे हैं जिनका हल होना अभी बाकी है। इन्हीं मुद्दों के हल के लिए दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बैठ कर आपस में बातचीत के जरिए हल निकालने की कोशिश की है, जो कि सराहनीय कदम है। इसके पीछे छिपा राजनीतिक साहस इस तथ्य से रेखांकित होता है कि अलग तेलंगाना राज्य गठित हुए दस साल हो चुके हैं लेकिन अब तक इस संबंध में कोई भी ठोस, सार्थक पहल नहीं की गई है। बता दें कि तेलंगाना राज्य के गठन में तेलंगाना राष्ट्र समिति की अगुआई में चले लंबे आंदोलन की विशेष भूमिका रही है। आंदोलन का ही नतीजा रहा कि जून 2014 में आंध्र प्रदेश का विभाजन कर अलग तेलंगाना राज्य का गठन किया गया। उस दौरान तेलुगू देशम के एन. चंद्रबाबू नायडू जैसे नेता इस मांग के खिलाफ थे। जिसकी वजह से दोनों पार्टियों और नेताओं के रिश्तों में काफी खटास आ गई थी। दूसरी बात यह कि दोनों राज्यों में जैसा राजनीतिक माहौल बना हुआ था, उसमें विवाद निपटाने के क्रम में अगर थोड़ा-बहुत भी झुकना पड़ता तो संबंधित दल और नेता पर राज्य के हितों से समझौता करने का आरोप लग जाता। यही वजह रही कि 2019 तक नायडू के आंध्र प्रदेश का मुख्यमंत्री बने रहते दोनों पक्षों से इस दिशा में कोई पहल नहीं हुई। 2019 में जब जगन मोहन रेड्डी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने उनका स्वागत किया। तब दोनों राज्यों के अफसरों के बीच कुछ बैठकें हुईं, लेकिन किसी भी तरह से बात नहीं बन सकी। सहमति बनाने की कोशिश मुख्यमंत्रियों की बैठक में हो सकती थी, लेकिन अभी भी बात नहीं बन सकी थी। बहरहाल, ऐसे माहौल में दोनों राज्यों में नई सरकारों के मुख्यमंत्री जितनी तत्परता और आत्मीयता से मिले हैं, उसके पीछे एक बड़ा फैक्टर है- इन दोनों के बीच की बेहतरीन पर्सनल केमिस्ट्री। तेलंगाना के मौजूदा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी संयुक्त आंध्र प्रदेश में दो बार टीडीपी के टिकट पर विधायक रह चुके हैं। उन्हें एन चंद्रबाबू नायडू का करीबी माना जाता था। दूसरी बात यह भी है कि विवादित मुद्दों पर सहमति बनना दोनों राज्यों के हित में है। लंबित मुद्दों में कैश बैलेंस और बैंक डिपॉजिट के बंटवारे का सवाल भी है जिसके हल होने पर उन फंड्स के इस्तेमाल की राह खुलेगी जिनकी जरूरत कल्याणकारी योजनाएं को आगे बढ़ाने के लिए दोनों राज्य सरकारों को है। इसका मतलब यह कतई नहीं माना जाना चाहिए कि इन लंबित मुद्दों को हल करने की राह आसान हो गई है। दोनों राज्यों के बीच कम से कम 14 मसले ऐसे हैं जिनमें दोनों राज्यों के एक-दूसरे पर बिजली बकाये का निपटारा करने से लेकर 91 संस्थानों को बांटने तक कई जटिल मुद्दे शामिल हैं। जाहिर है इन मुद्दों को आसानी से निपटा पाना आसान नहीं होगा। ऊपर से कृष्णा और गोदावरी के पानी बंटवारे जैसे मुद्दे तो दोनों राज्यों के वश में नहीं है। इसे सुलझाने के लिए केंद्र के दखल की जरूरत पडेगी। बहरहाल, दोनों राज्यों के नेतृत्व ने इस पहल के जरिए अपने स्तर पर अधिकतम संभव सहमति बनाने की कोशिश शुरू की है जो सकारात्मक राजनीति का एक बढ़िया उदाहरण पेश करता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों की बातचीत रंग लाए और समय रहते विवादित मुद्दों को हल कर लिया जाए इसी में दोनों राज्यों का भला है।

गई हाथ से नौकरी

सुरेश मिश्रा

दो गज की दूरी बनाने के चक्कर में निजी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों से ऐसी दूरी बनाई कि फिर कभी पास आने की जरूरत नहीं पड़ी। बेचारे कर्म के आचार से मुक्त कर्मचारी बेरोजगारी की खूंटी से बंधकर जिंदगी पर बोझ बनने के लिए मजबूर हैं। ऐसे ही हमारे एक मित्र नौकरी से हाथ धोकर बड़े इत्मिनान से घूम रहे हैं। नौकरी खोने पर इत्मिनान से घूमने वाले दो ही किस्म के आदमी हो सकते हैं, एक वो जो नौकरी से परेशान हैं और दूसरे वो जिन्हें एक और नई नौकरी मिल चुकी है। हमारे मित्र दूसरी कैटेगिरी के हैं। एक दिन वे मुझसे सुबह की सैर में मिल गए। चूंकि उन्हें देखकर मुझे आश्चर्य हो रहा था, इसलिए मैंने बातचीत की शुरुआत की।

"पहले तो तुम वाकिंग के लिए आना तो दूर वाकिंग का नाम सुनते ही चिढ़ उठते थे। इतना बदलाव कैसे आया?"

"पहले मैं किसी बॉस का गुलाम था। कई प्रोजेक्टों का दबाव था। सो मुझे समय नहीं मिलता था। वैसे भी वाकिंग बड़े लोगों का चोंचला है। बेफिजूल में खाते हैं और मटरगश्ती करने के लिए वाकिंग करने का बहाना ढूँढ़ते रहते हैं।"

"ओह! इसका मतलब अब तुम आजाद हो। क्या इसीलिए मटरगश्ती करने यहाँ आए हो?"

"आजाद तो मैं अब भी नहीं हूँ। जहाँ तक वाकिंग का सवाल है तो मैं मटरगश्ती के लिए नहीं जनसंपर्क साधने के लिए करता हूँ।"

"अरे! ऐसा कौनसा तीर मार रहे हो, जो वाकिंग को जनसंपर्क का नाम देने पर आमदा हो चुके हो?"

"आजकल मैं नेतागिरी कर रहा हूँ।"

"अच्छा! नेतागिरी का मतलब समझते भी हो?"

"हे मित्र! नेतागिरी का मतलब तुम और तुम्हारे जैसे लाखों लोग नहीं जानते। कभी झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर पूछो कि मैं कौन हूँ? तब वहाँ रहने वाले बूढ़े से लेकर बच्चे तक बतायेंगे कि मेरी जनसेवा कैसी है। उन्हें रहने के लिए छत नहीं है, पहनने के लिए कपड़े नहीं है, खाने के लिए खाना नहीं है और बीमार पड़ने पर दवा-दारू के लिए रुपया-पैसा नहीं है।"

"अच्छा! तो यह सब क्या तुम मुहैया कराते हो?"

"नहीं! इन सभी समस्याओं से कैसे निजात पाया जाए उसके उपाय बताता हूँ। वैसे भी नेता काम करना मार्गदर्शन करना होता है न कि मार्ग के लोगों की सहायता करना।"

"अरे वाह क्या बात कही है! वैसे यह नेतागिरी का भूत तुम्हारे सिर पर कब से सवार हुआ है?"

"जब से मैंने नौकरी खोई है तब से। उस दिन से मुझे झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों में एक अजीब सी गंध आती है। वहाँ रहने वालों की पीड़ा सुनाई देती है। इसलिए मैंने निर्णय किया है कि मैं अपना तन-मन जनता की सेवा में समर्पित करूँगा।"

"इससे तुम्हारा घर कैसे चलता है?"

"तुम बड़े नादान हो! मैं भी पहले यही सोचता था। लेकिन नेतागिरी करने के अपने ही फायदे हैं। नेतागिरी म्युचुअल फंड की तरह होता है। पहले पहल कुछ लाभ नहीं मिलता। लेकिन धीरे-धीरे लोगों से घुलने-मिलने से जान-पहचान बढ़ती है।

छोटे मेरे बड़प्पन पर, बड़े मेरी सादगी पर और स्त्रियाँ मेरे आकर्षण से मोहित होकर बड़ा प्रेम लुटाते हैं। मैं भी जब-तब सुंदर बालाओं पर हाथ फेर लेता हूँ। उन्हें इसके बदले में कुछ रुपया-पैसा दे देता हूँ। अब तुम सोच रहे होगे कि मेरे पास पैसा कहाँ से आता है? जनसेवा से! हाँ, जनसेवा करने से बड़-बड़े लोग मुझे रुपया-पैसा देते हैं। नहीं देने पर जनता के नाम पर भड़का देता हूँ और वे डर के मारे दे भी देते हैं।

यही एक ऐसा लाईन है जहाँ इन्वेस्टमेंट नहीं होता सिर्फ और सिर्फ इनकम होता है।"

मैं कुछ पूछने ही वाला था कि तभी मित्र का फोन बज उठा।

रूस में भगवद्गीता का अनुवाद, पढ़ी जाती है रामायण

1469 में रूस का एक व्यापारी अफनसी निकितिन उत्तरी मॉस्को के एक शहर टवेर से भारत पहुंचा। उसकी नौका महाराष्ट्र के अलीबाग के पास वहीं उतरी, जहां से कुछ दूर ही 25 साल बाद वॉस्कोडिगामा कालीकट के पास पहुंचा था। निकितिन महाराष्ट्र के पास बीदर में बहमनी राज्य में तीन साल के लिए रहा। इसी के बाद से भारत-रूस संबंधों की शुरुआत हुई। वोल्गा से गंगा के बीच कारोबार शुरू हो गया। 1615 के बाद से गुजरात से व्यापारी वोल्गा नदी के किनारे बसे अस्तरखान आते और अच्छी किस्म के सूती कपड़े बेचते। ये कपड़े तब के रूसी शासक यानी जार को इतना भाते कि वो भारतीयों को राजधानी मॉस्को में अच्छे कपड़े बेचने को कहते। जार शासको ने मॉस्को में एक भारतीयों को वस्त्र उद्योग कायम करने की मंजूरी दे दी। रूस में भारतीय कारोबारियों का एक संपन्न समुदाय विकसित हो गया, जो 19वीं सदी के मध्य तक खूब फला-फूला। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के दौरे पर जा रहे हैं, उससे पहले रूस में भारतीयों और भारतीय संस्कृति की मौजूदगी की एक दिलचस्प कहानी जान लेते हैं।

पूर्व राजनयिक अजय मल्होत्रा ने पांडिचेरी यूनिवर्सिटी में दिए एक रिसर्च व्याख्यान में बताया कि रूस के यरोस्लाव में रहने वाले एक एक कलाकार गेरासिम लेबदेव ने 1785 के बाद भारत में 12 साल बिताए और रूस में भारतीय विधाओं को आगे बढ़ाया। खासतौर पर रूस में हिंदी, बांग्ला और संस्कृत की किताबों को पढ़ने-पढ़ाने का सिलसिला शुरू किया। लेबदेव ने 1795 में तत्कालीन कलकत्ता में भारत में पहले यूरोपीय शैली नाटक थिएटर की स्थापना की और बंगाली थिएटर का पहला आधुनिक शो आयोजित किया। लेबदेव ने भारत-यूरोपीय भाषा विज्ञान पर कई किताबें संकलित की और पहला बंगाली-रूसी शब्दकोश प्रकाशित किया। उनके बाद 1788 में एक और लेखक निकोलाई नोवीकोव ने पहली बार रूस में भगवद्गीता का पहला रूसी अनुवाद किया और उसे रूस में पॉपुलर बनाया। 19वीं सदी में रूसी शिक्षाविद् काउंट नोवारोव ने 1835 में सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय में एक संस्कृत चेयर की स्थापना की। उस समय वह पब्लिक इंस्ट्रक्शन के मंत्री और विज्ञान के इंपीरियल एकेडमी के अध्यक्ष थे। वहीं, एक और रूसी प्रोफेसर पावेल याकोवलेविच पेत्रोव ने व्याकरण नोट और संस्कृत शब्दावली के साथ रामायण के एक हिस्से का अनुवाद रूसी भाषा में किया। रूस के एक और प्रोफेसर इवान पाव्लोविच मिनायेव ने सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय में संस्कृत सिखाई। उन्होंने 1874 और 1886 के बीच भारत की यात्रा की। वह उस वक्त भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गजों बाल गंगाधर तिलक और बंकिमचंद्र चटर्जी के अच्छे दोस्त भी रहे। इसके अलावा, भारतीय दर्शन और धर्म से प्रभावित होकर एक रूसी महिला हेलेना पेर्टोवना 1852 में भारत में आईं और दशकों तक यहां रहने के बाद उन्होंने 1875 में थियोसोफिकल सोसायटी स्थापित की। उन्नीसवीं सदी में, कई प्रख्यात रूसी कलाकारों ने कैनवास और कागज पर भारत के अपने अनुभवों को लिपिबद्ध किया । ग्रैंड ड्यूक एलेक्सी सल्तीकोव 1841-1843 और 1844-1846 तक भारत में रहा और सेंट पीटर्सबर्ग में उनकी वापसी पर पत्रों पर उनकी किताब और चित्र प्रकाशित हुये जिसने रूसी जनता की कल्पना को साकार किया था।

अजय मल्होत्रा के अनुसार, रूसी क्रांति से पहले जब जार वंश का शासन था, तब एक रूसी शासक निकोलस द्वितीय ने दिसंबर, 1890 से लेकर जनवरी 1891 में भारत की यात्रा की। बाद में जार एलेक्जेंडर द्वितीय के पोते ने अपने दोस्त कपूरथला के महाराजा के साथ बाघ का शिकार करने के लिए 1902 में भारत का दौरा किया।

भारतीय विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर छपे एक लेख के अनुसार, तत्कालीन रूस और अब के यूक्रेन के एक प्रांत ओडेशा में जन्मे माइक्रोबायोलॉजिस्ट व्लादिमीर हैफकाइन 1893 में भारत आए। वह यहां पर करीब 22 साल रहे। उन्होंने मुंबई में रहकर हैजा के संक्रमण के बारे में पता लगाया। उन्होंने तब जानलेवा बन चुके प्लेग और हैजा के खिलाफ टीके का आविष्कार किया, जिसने हजारों जिंदगियां बचाईं। वह मुंबई में एंटी-प्लेग प्रयोगशाला के 1899 में संस्थापक-निदेशक थे। बाद में उनके सम्मान में इस प्रयोगशाला का नाम हैफकाइन इंस्टीट्यूट रखा गया।

रूस के चर्चित साहित्यकार लियो टॉल्स्टॉय हिंदू और बौद्ध धर्म ग्रंथों से बेहद प्रभावित थे। ये वही लियो टालस्टाय हैं, जिनका दक्षिण अफ्रीका में रहने के दौरान महात्मा गांधी पर बहुत गहरा प्रभाव था। गांधीजी ने सामुदायिक सेवा के माध्यम से अहिंसा, सत्य और आत्म-साक्षात्कार में अपने प्रारंभिक प्रयोगों के लिए जोहानिसबर्ग के पास टालस्टाय फॉर्म बनाया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को जिस कविता संग्रह गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, उसमें सार्वभौमिक शांति, प्रेम और सद्भाव की बात की गई है। 1913 में टैगोर की गीतांजलि के रिलीज होने के बाद इसके रूसी भाषा में कई अनुवाद किए गए। टैगोर की लंबे समय से रूस जाने की चाहत 1930 में तब पूरी हुई, जब वह मॉस्को के एक अखबार इस्तेवस्तिया को साक्षात्कार देने पहुंचे थे। उस वक्त टैगोर ने स्टालिन के रूस में 'मन की आजादी' की कमी को लेकर खूब आलोचना की थी। जब सोवियत सरकार ने उकनी किताबों के प्रकाशन पर पाबंदी लगा दी थी। जवाहर लाल नेहरू और उनकी बहन विजय लक्ष्मी पंडित अपने पिता मोतीलाल नेहरू के साथ 1917 क्रांति की दसवीं सालगिरह के समारोह के लिए पहली बार 1927 में सोवियत संघ गए थे। आजादी के बाद कई प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों ने रूस का दौरा किया। भारत के लिए रूस कितना मायने रखता है, इस बात की तस्दीक इससे होती है कि सोवियत संघ ही वह पहला देश था जिसके साथ भारत ने 13 अप्रैल 1947 को भारत की स्वतंत्रता के चार महीनों बाद ही राजनयिक संबंधों की स्थापना की थी। दक्षिण एशियाई यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में प्रोफेसर धनंजय त्रिपाठी कहते हैं कि मोदी के रूस दौरे से अमेरिका-ब्रिटेन समेत यूरोपीय देश बेहद परेशान हैं। दरअसल, इन देशों को ये चिंता सता रही है कि व्यापार और रक्षा सहयोग सहित रूस के साथ भारत की लगातार भागीदारी यूक्रेन में रूस की आक्रामकता को रोकने के दबाव के इंटरनेशनल कैंपेन को कमजोर करेगी।

अमेरिका और यूरोपीय देश चाहते हैं कि भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा रूस से खरीदता है। ऐसे में उसे रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का सम्मान करना चाहिए। इस साल की शुरुआत में सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) ने रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात पर रिपोर्ट जारी की थी, जो फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के समय से 13 गुना बढ़ चुका था।

राष्ट्रीय, सामाजिक संदर्भों में कट्टरता देश हित में नहीं

संजीव ठाकुर

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है1 स्वतंत्रता के बाद से भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि स्थान दिया गया है1 देश की भौगोलिक तथा जनसंख्यात्मक विशालता में कुछ तत्व सांप्रदायिक हिंसा एवं अराजकता के परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकतें हैं, पर भारतीय लोकतंत्र की महानता एवं विशालता है कि इससे संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, पर यह तय है कि सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र की अवधारणा थोड़ी दिग्भ्रमित जरूर होती है पर इसकी मजबूती ना तो पहले कम हुई है और ना ही भविष्य में होने की कोई गुंजाइश ही है। हिंसा ,विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है।भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं1 देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है।

उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू ,मुस्लिम,सिक्ख,इसाई जातीय संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी।

आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

पहाड़ बचाने की आवश्यकता

डॉ.वेदप्रकाश

पहाड़ परमात्मा द्वारा दिए गए सुंदर उपहार हैं। विकास के नाम पर अथवा लालचवृत्ति के कारण पहाड़ों को काट-काटकर खत्म किया जा रहा है अथवा उनका रूप-स्वरूप विकृत हो रहा है। प्लास्टिक कचरा, गाड़ियों का धुआं और अत्यधिक निर्माण पहाड़ों के लिए खतरा बन रहा है। आज पहाड़ों को बचाने- संवारने की आवश्यकता है। हमें समझना होगा कि प्रकृति और पर्यावरणीय संरचना में पहाड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका है। भौगोलिक दृष्टि से विचार करने पर हम पाते हैं कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भारतवर्ष के सभी प्रदेशों में न्यूनाधिक पहाड़ हैं। ये पहाड़ भिन्न-भिन्न रूपों में प्राकृतिक संतुलन के आधार हैं। क्षेत्र के अनुसार पहाड़ों की प्रकृति भी भिन्न-भिन्न प्रकार की है। कहीं कठोर चट्टानें, कहीं भुरभुरी मिट्टी तो कहीं पत्थर और मिट्टी के मिश्रण वाले पहाड़ देखे जा सकते हैं।

ऊंचे पहाड़ों से तेज हवाओं का टकराना फिर वापस मैदानों की ओर लौटना सर्दी, गर्मी और वर्षा के बीच संतुलन पैदा करता है। पहाड़ों के ऊपर भिन्न-भिन्न प्रकार की वनस्पतियां, घने जंगल, विभिन्न प्रकार की औषधियां, इमारती लकड़ियां,फल एवं हरित क्षेत्र का फैलाव जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। ध्यान रहे समय समय पर पहाड़ों पर गिरने वाली बर्फ और बारिश ही धीरे-धीरे झरने और नदियों के रूप में अन्न, जल और फल प्रदान करती है। अतीत में जाकर विचार करने पर हम पाते हैं कि घने जंगल, पर्वत और उनमें बनी कंदराएं साधु- सन्यासियों एवं योगियों के लिए महत्वपूर्ण स्थान होते थे। ये लोग ध्यान-साधना अथवा तत्व चिंतन के लिए पहाड़ों पर एकांतवास करते थे। उस समय उनकी दृष्टि पहाड़ों के दोहन की नहीं थी, अपितु वे पहाड़ों की पूजा- अर्चना करते हुए उनके सानिध्य में अथवा पर्वतों की गोद में जीवन के आनंद और तत्व चिंतन में लीन रहते थे।

आदिकाव्य रामायण में आदिकवि वाल्मीकि ने अनेक स्थानों पर पर्वतीय क्षेत्र, भौगोलिक दृष्टि से उनके महत्व, वहां रहने वाली जनजातियों और उन पर्वतों पर पाई जाने वाली बहुमूल्य वन-वनस्पतियों का वर्णन किया है। कालांतर में विकास के नाम पर नदी, पर्वत और जंगलों के दोहन और उन्हें विकृत करने का सिलसिला शुरू हुआ। आज पहाड़ घट रहे हैं और विकृति का शिकार हैं। होटल, आवास व सड़क बनाने के लिए पहाड़ों की कटाई जारी है। एक सुरंग का निर्माण उस क्षेत्र की समूची पर्वतीय श्रृंखला में हलचल पैदा कर देता है। विकास और पर्यटन के नाम पर पहाड़ों में मानवीय हस्तक्षेप निरंतर बढ़ रहा है। पहाड़ों में दुर्गम स्थानों पर पहुंचने के लिए सड़कों व सुरंगों का जाल बिछाया जा रहा है। बड़ी-बड़ी मशीनें दिन रात पहाड़ों के सीने में छेद कर रही हैं। रासायनिक विस्फोट से पहाड़ों को तोड़ा जा रहा है। परिणाम स्वरूप पहाड़ों के दरकने, टूटने व लैंड स्लाइडिंग की घटनाएं निरंतर बढ़ रही हैं, जिसमें प्रतिवर्ष हजारों लोग मौत का शिकार हो रहे हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में इस प्रकार की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं।

पहाड़ों का सौंदर्य सभी को आकर्षित करता है। पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन निरंतर बढ़ रहा है। संवेदनशील और अति संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्रों में भी होटल निर्माण और अन्य गतिविधियां जारी हैं। सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों में जाने वाले पर्यटक प्लास्टिक व अन्य कचरा वहीं छोड़ देते हैं। पहाड़ों पर प्लास्टिक और कचरे के ढेर बन गए हैं, उनके निस्तारण की भी वहां समुचित व्यवस्था नहीं हैं। जिसका पहाड़ों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। गाड़ियों का धुआं वहां के प्रकृति-पर्यावरण को विकृत कर रहा है। हमें पहाड़ों की प्रकृति और संस्कृति को समझना होगा।

हाल ही में देवभूमि उत्तराखंड के नैनीताल व अल्मोड़ा क्षेत्र में जाने का अवसर मिला। पूरे पर्वतीय क्षेत्र में जहां एक और आबादी बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर अतिक्रमण और गंदगी भी खूब है। इस क्षेत्र में अनेक स्थानों पर जंगलों में आग लगी हुई है। इस आग में केवल जंगल ही नहीं जल रहे हैं अपितु विभिन्न प्रकार की दुर्लभ वनस्पतियां भी जलकर राख हो गई हैं। विभिन्न पशु- पक्षियों के बसेरे छिन गए हैं। यह आग केवल जंगलों की नहीं है अपितु वे जंगल जिन पहाड़ों पर खड़े हैं वे पहाड़ भी जल रहे हैं। पहाड़ों की ऊपरी सतह वन- वनस्पतियों के लिए महत्वपूर्ण होती है। जंगलों की आग में वह उपजाऊ सतह भी निरंतर जल रही है। बांज के घने जंगल पहाड़ों में जल स्रोत बनाते हैं, यह आग उन्हें भी समाप्त कर रही है। जलते पहाड़ों से लगातार पैदा होने वाली गर्मी ग्लोबल वार्मिंग की घंटी बजा रही है।

क्या जंगल और पहाड़ों की स्थिति को लेकर हम अभी भी असंवेदनशील नहीं बने हुए हैं? पहाड़ निर्जीव नहीं है। हमें पहाड़ों के स्वभाव को समझना होगा। पहाड़ों में मानवीय हस्तक्षेप को कम करना होगा। पहाड़ों को प्लास्टिक व कचरा मुक्त करना होगा। वहां के भूगोल और जलवायु को समझते हुए ही विकास के विकल्पों पर विचार करना होगा। पहाड़ों पर भिन्न-भिन्न प्रकार के पेड़ वर्षा का कारण बनते हैं लेकिन वहां पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। कई पर्वतीय क्षेत्रों में सूखे की स्थिति सहज ही देखी जा सकती है। पेड़ों की कटाई से वर्षा में कमी आ रही है, जिससे नदियों में जल का स्तर घट रहा है। अनेक बरसाती एवं पहाड़ी नदियां व झरने सूख चुके हैं। शिमला, मनाली, नैनीताल, मसूरी आदि ऐसे विभिन्न पर्वतीय पर्यटक स्थल हैं जो किसी समय में अद्भुत सौंदर्य से भरे होते थे लेकिन आज इन पर्वतीय पर्यटक स्थलों पर होटल और घनी आबादी की भरमार है। पहाड़ों को काटकर होटल और आबादी क्षेत्र बन चुके हैं। परिणामतः अब यहां बर्फ पड़नी या तो बंद हो गई है अथवा बहुत कम पड़ती है। पानी का संकट दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है।

बाबा ट्रांसफरदास की चौपाइयां

रामविलास जांगिड़

बाबा ट्रांसफरदास जी राग लेकर चौपाई गाते हैं- 'ट्रांसफर अनीति है सच्ची नीति, नेता दलाल से करिए प्रीति। जो कोई ट्रांसफर कथा सुनाए, जनम जनम के कष्ट मिटाए।' बाबा ने इस ट्रांसफर चौपाई में ट्रांसफर की प्रक्रिया को एक विवादास्पद और समाजिक मुद्दे के रूप में उजागर किया गया है। 'ट्रांसफर अनीति है सच्ची नीति, नेता दलाल से करिए प्रीति।' यह पंक्ति ट्रांसफर की नियमितता और न्यायपूर्ण प्रक्रिया को उजागर करती है, जिसमें दलालों और नेताओं का रोल होता है। 'नेता दलाल से करें प्रीति' का कथन दलाल देव का इसे समर्थन और उनकी ताकत के रूप में दिखाता है, जो ट्रांसफर प्रक्रिया में अपना स्वामित्व बनाए रखना चाहते हैं। 'जो कोई ट्रांसफर कथा सुनाए, जनम जनम के कष्ट मिटाए।' यह चौपाई ट्रांसफर के प्रति ट्रांसफराकांक्षी सज्जनों की भावनाएं और उनके अनुभवों को दर्शाती है। ट्रांसफर की कथाएं जीवनभर के उतार-चढ़ाव को दर्शाती हैं। इसे एक मात्र बड़ी समस्या के रूप में प्रस्तुत करती है, जो नौकरीशुदा लोगों को जीवन भर तड़पाती है। बाबा ने इन पंक्तियों में साहित्यिक तरीके से ट्रांसफर की प्रक्रिया को समझाया गया है, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक पहलू दोनों को शामिल किया गया है। ट्रांसफरदास जी कहते हैं- 'मंगल गीत गाओ बहना, अभी ट्रांसफर आदेश ये लेना। जीवन में खुशहाली आई, घर में ट्रांसफर लिस्ट छपाई।' कवि ने इनमें ट्रांसफर की प्रक्रिया को राजनीतिक दृष्टिकोण से समझाया है। 'मंगल गीत गाओ बहना, अभी ट्रांसफर आदेश ये लेना।' बाबा कहते हैं कि ट्रांसफर एक अनियामित और अनिच्छित प्रक्रिया है। जिसका प्रभाव शिक्षकों के जीवन पर होता है। 'मंगल गीत' का उल्लेख उन आशाओं को दर्शाता है जो ट्रांसफर प्रक्रिया के आदेश का अंतिमीकरण करने की उम्मीद में रखी जाती हैं। ट्रांसफर के इस मंगल गीत के मूल में रोकड़ा और बाबा जी का आशीर्वाद मात्र ही छाया रहता है। 'जीवन में खुशहाली आई, घर में ट्रांसफर लिस्ट छपाई।' इस चौपाई में ट्रांसफर के सकारात्मक पहलु को दर्शाया गया है, जहां इसे घरेलू सुख-शांति और खुशियों का स्रोत माना गया है। बाबा कहते हैं कि ट्रांसफर के माध्यम से शिक्षकों को उनके अच्छे भविष्य के लिए नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। ये तभी संभव है जब इस लिस्ट में वांछित जीव का नाम हो। यह जातकों के लिए इच्छाधारी कल्पवृक्ष के समान होते हैं। जो शिक्षक नेता, दलाल, चमचे आदि की साधना करके ट्रांसफर मार्ग पर जाते दिखाई पड़ते हैं, वे निश्चित ही उनका जीवन धन्य कर लेते हैं। जैसे शिक्षक, वैसे ही है अन्य सरकारी नौकर!

विनायक चतुर्थी पर बने ये शुभ योग

9 जुलाई को बने 3 दुर्लभ योग, जानें गणेश जी की पूजा का शुभ मुहूर्त और विधि

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार आषाढ़ माह में आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का आरंभ 09 जुलाई 2024 को प्रातः काल 06 बजकर 08 मिनट से हो रहा है, जिसका समापन अगले दिन 10 जुलाई को सुबह 07:51 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर विनायक चतुर्थी का व्रत 9 जुलाई 2024 को रखा जाएगा।

हालांकि इस बार विनायक चतुर्थी का पर्व बेहद खास है, क्योंकि इस दिन एक या दो नहीं बल्कि तीन शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन सिद्धि योग, रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग बन रहा है। विनायक चतुर्थी के दिन सबसे पहले सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। ये योग 9 जुलाई को प्रातः काल 05:30 से लेकर 07:52 मिनट तक रहेगा। इसके बाद 9 जुलाई को प्रातः काल 06:08 मिनट से सिद्धि योग का आरंभ होगा, जिसका समापन अगले दिन 10 जुलाई को रात 02:27 मिनट पर होगा। सिद्धि योग के बाद रवि योग का निर्माण होगा, जिसका आरंभ 9 जुलाई को सुबह 07:52 पर होगा और समापन अगले दिन 10 जुलाई को सुबह 05:31 मिनट पर होगा।

विनायक चतुर्थी की पूजा विधि

ब्रह्म मुहूर्त में उठें। स्नान आदि कार्य करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनें।

पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव करें।

घर के मंदिर में एक चौकी स्थापित कर उस पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं।

चौकी पर भगवान गणेश की तस्वीर या मूर्ति को स्थापित करें।

गणपति बप्पा का रोली से तिलक करें। इसके बाद उन्हें चावल, दूर्वा, फल, फूल और पंचामृत अर्पित करें।

भगवान गणेश को लड्डू या मोदक का भोग लगाएं। इस दौरान "ॐ गं गणपतये नमः" मंत्र का सात बार जाप करें।

अंत में बप्पा की आरती करें और घरवालों के बीच प्रसाद का वितरण करें।

9 जुलाई को अर्घ देने का समय क्या है?

विनायक चतुर्थी के दिन कुछ लोग व्रत भी रखते हैं, जिसमें अन्न का सेवन करने की मनाही होती है। हालांकि विनायक चतुर्थी का व्रत चन्द्रास्त के समय चंद्र देवता को अर्घ्य देने के बाद पूरा माना जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस दिन चन्द्रास्त का समय देर रात 09:58 मिनट है, तो इस समय चंद्र को अर्घ्य देने के बाद ही अपने व्रत को खोले।

रेगिस्तान के इस शहर में भगवान जगन्नाथ ने किया था 'चमत्कार'

फिर राजा रतन सिंह ने बनवाया था मंदिर

बीकानेर में कई ऐतिहासिक मंदिर हैं। ऐसा ही एक मंदिर है जो पूरे बीकानेर में भगवान जगन्नाथ का एकमात्र मंदिर है। यह काफी रियासत कालीन मंदिर है। पहले इस शहर में चारों तरफ सूखा पड़ा हुआ था, फिर भगवान जगन्नाथ के चमत्कार से यहां लगातार तीन दिन तक बारिश हुई। इसके बाद तत्कालीन राजा रतन सिंह जी ने इस मंदिर का भव्य निर्माण करवाया। यह मंदिर बीकानेर के जेल रोड पर जगन्नाथ मंदिर है। पुजारी जगन्नाथ पांडे ने बताया कि यह जगन्नाथ मंदिर करीब 200 साल से अधिक पुराना है। मंदिर को बनने में करीब दो साल का समय लगा है। वे बताते है कि इस जगन्नाथ मंदिर में सुबह तीन आरती होती हैं और तीन आरती शाम को होती हैं। इस मंदिर की खासियत है कि यहां कोई भी भक्त सच्चे मन से कोई मनोकामना लेकर आता है वो भगवान पूरी करते है। रोजाना कई लोग यहां दर्शन करने के लिए आते हैं।

सूखे के बाद 3 दिन लगातार हुई बारिश

मंदिर के पुजारी ने बताया कि उस समय कुछ पुजारी जगदीशपुरी से पैदल चलकर बीकानेर में भगवान जगन्नाथ की मूर्ति लेकर आए थे। लेकिन जगह नहीं होने पर कई बार भगवान की मूर्ति को दूसरे मंदिर और सूरसागर तालाब के पास लेकर पहुंच गए थे। ऐसे में यहां पर अकाल और सूखा पड़ा हुआ था। भगवान ने रेगिस्तान और अकाल पड़ने वाली जगह चमत्कार दिखाकर तीन दिन लगातार बारिश की तो यहां रहने वाले लोगों को काफी परेशानी होने लगी।

राजा रतन सिंह ने दी थी मंदिर बनाने की जगह

राजा रतन सिंह ने भगवान के हाथ जोड़कर प्रार्थना की और उसके बाद भगवान जगन्नाथ ने बारिश को रोका। फिर राजा रतन सिंह ने अपने लोगों को कहा कि जगदीशपुरी से भगवान जगन्नाथ की मूर्ति आई हुई तो पता करो। तब राजा ने पंड़ितों को बुलाकर उन्हें जगन्नाथ भगवान का मंदिर स्थापित करने के लिए यह स्थान दिया। महंत जी ने राजा रतन सिंह जी से कहा की इस मंदिर का निर्माण यहां करवा दो। इसके बाद यहां मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। भामाशाहों ने समय-समय पर मंदिर का जीर्णोद्धार भी कराया गया है।

इस वजह से सब कुछ जला डालती है अग्नि इसके पीछे की कथा

पांच तत्वों में से एक अग्नि को बहुत ही विशेष और खास माना जाता है। चाहे फिर वो बड़ी से बड़ी चीज हो या फिर छोटी से छोटी अग्नि सब कुछ राख करने में बिल्कुल भी देर नहीं लगाती है। अग्नि की एक छोटी सी चिंगारी सब कुछ तहस-नहस करने का साहस रखती है। शास्त्रों के अनुसार ऋग्वेद के प्रथम मंडल के प्रधान देवता अग्नि ही हैं। ऋषि-मुनि कोई भी यज्ञ शुरू करने से पहले अग्नि देव की आराधना कर के उनका आवाहन करते हैं। क्या आपने कभी सोचा है अग्नि देव क्यों और कैसे सब कुछ जलाने का सामर्थ्य रखते हैं। कथाओं के अनुसार ये कोई शक्ति नहीं बल्कि एक ऋषि द्वारा दिया गया श्राप है। तो चलिए ज्यादा देर न करते हुए जानते हैं इसके पीछे की कथा-

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक बार ब्रह्मा जी के पुत्र महर्षि भृगु शाम के समय अपनी कुटिया से निकलकर गंगा तट पर स्नान-ध्यान लगाने के लिए जाने लगे। उसी दौरान पुलोमन नाम के एक राक्षस ने ऋषि को कुटियां से निकलते हुए देख लिया। इसी बात का फायदा उठा कर वो राक्षस अपना रूप बदल कर ऋषि की कुटियां में चला गया। कुटियां के बाहर पहुंचकर उसने आवाज लगाई भिक्षाम देही ! यह सुनकर महाऋषि की पत्नी बाहर आई और साधु भेस वाले राक्षस को प्रणाम किया। इस दौरान ऋषि की पत्नी पुलोमा गर्भ धारण किये हुए थी। इसके बाद उनकी पत्नी ने साधु को अंदर बुलाया और भोजन कराया। राक्षस इस कुटियां में इस वजह से आया था क्योंकि बचपन में उस राक्षस का पुलोमा के साथ वाग्दान संस्कार हुआ था। पुलोमा की सुंदरता को देखकर पुलोमन को बहुत ही ज्यादा दुःख हुआ। भोजन करने के बाद वो वहां से बाहर आ गया। कुटिया के बाहर हवन कुंड में अग्नि जल रही थी। पुलोमन ने अग्नि देव को प्रणाम किया और उनसे पूछने लगा, अग्नि देव आपको मेरे प्रश्नों का सत्य उत्तर देना होगा आपको आपके धर्म की सौगंध।

अग्नि देव ने जवाब दिया, "पूछो"

पुलोमन प्रश्न करते हुए पूछता है कि बचपन में मेरे पिता ने पुलोमा के साथ मेरा विवाह कर दिया था लेकिन युवा होने के पश्चात भृगु ऋषि के साथ इसका विवाह हो गया। अब आप ही इस दुविधा को दूर करें और बताएं ये किनकी पत्नी हैं ?

अग्नि देव ये सवाल सुनकर काफी परेशान हो गए और थोड़े से हिचकिचाए।

ये देखकर पुलोमन तुरंत बोला अगर आपने बोल दिया की ये मेरी पत्नी है तो में तुरंत यहां से पुलोमा को लेकर चला जाऊंगा और यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो में आपको श्राप दे दूंगा।

थोड़ी देर बाद अग्नि देव ने उत्तर दिया, " इस बात को कोई जुठला नहीं सकता कि बचपन में पुलोमा का विवाह तुम्हारे साथ हुआ था लेकिन ये भी सच है कि ये विवाह सिर्फ वाणी के आधार पर था। रही बात महर्षि भृगु की तो उन्होंने विधि-विधान और पूरे रीति-रिवाजों के साथ पुलोमा के साथ विवाह किया है।

इतना सुनने के बाद पुलोमन अपने क्रोध को शांत नहीं कर पाया और पुलोमा को जबरदस्ती वहां से ले जाने लगा लेकिन उसी दौरान पुलोमा ने एक सुन्दर पुत्र को जन्म दिया। उस बच्चे का तेज इतना था कि पुलोमन उसके तेज से जलने लगा। पुलोमा ये देखकर घबरा गई और रोने लगी। महर्षि भृगु आए और उन्होंने सारी घटना सुनी, इतना सुनने के बाद भी उन्होंने हाथ में जल लेकर अग्नि देव को श्राप दे दिया और कहा," अगर तटस्थता ही तुम्हारा व्यक्तित्व है तो में तुम्हें श्राप देता हूं, इसके बाद से तुम सही-गलत देखें बिना हर चीज को जला कर राख कर दोगे।

ब्रह्मा जी के वरदान से प्रसन्न हुए अग्निदेव

इस श्राप के बाद पूरी पृथ्वी पर हाहाकार मच गया। समस्त देवता ब्रह्मा जी के पास इसका समाधान मांगने पहुंचें। ब्रह्मा जी ने तन अग्नि देव को बुलाया और वरदान दिया कि अभी देवी-देवताओं के भोग से पहले आपके लिए हिस्सा निकाला जाएगा और तुम्हारे एक स्पर्श से ही सब कुछ स्वच्छ और शुद्ध हो जाएगा। ये सुनकर अग्नि देव बहुत खुश हो गए ।

घर में ज़रूर लगाएं ये 5 तस्वीरें जाग जाएगी सोई किस्मत

आजकल लोग घर का निर्माण तो वास्तु शास्त्र के अनुसार करते हैं लेकिन सजावट करते समय वो वास्तु शास्त्र का प्रयोग करना भूल जाते हैं। कई तस्वीरों व अन्य उपकरणों से घर की सजावट करते हैं। बता दें, घर में लगी गलत तस्वीरें आपके भाग्य को दुर्भाग्य में बदल सकती हैं। फिर चाहे आपने घर को वास्तु के अनुसार ही क्यों न बनाया हो ? वास्तु के अनुसार घर में किस तरह की तस्वीरें लगानी चाहिए। जिससे आपके घर की सजावट भी अच्छे से हो सके और इसका फायदा भी आपको मिले। वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर की सजावट में अगर आप इन तस्वीरों का चयन करते हैं तो इससे न सिर्फ आपका भाग्य चमकता है बल्कि धन वृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। तो आइए जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में कौन सी तस्वीरें लगानी चाहिए।

सबसे पहले आपको बता दें वास्तु शास्त्र में हंसते हुए बच्चे या सुंदर फूल को जीवन शक्ति का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में ऐसी तस्वीर जिसमें बच्चा हंस रहा हो या फिर सुंदर खिला फूल हो, इसे घर में लगाने से घर में सकारात्मकता आती है। वास्तु के अनुसार इस तरह की तस्वीरों को घर के पूर्वी और उत्तरी दीवारों पर लगाना उत्तम माना जाता है।

अगर आप आर्थिक तंगी से परेशान हैं तो धन लाभ के लिए घर की दीवारों पर कुबेर और लक्ष्मी जी की तस्वीर लगाएं। इससे घर में रुपए-पैसों की चल रही दिक्कत दूर होती है। ध्यान रहें, कुबेर और लक्ष्मी जी की तस्वीर उत्तर दिशा में लगाएं। इससे घर में धन आगमन के योग बनने लगते हैं।

रसोई घर में अन्नापूर्ण की तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। अगर रसोई घर आग्नेय कोण में नहीं है तो ऋषि मुनियों की तस्वीर लगाएं।

घर के दक्षिण और पूर्व दिशा का संबंध धन-संपत्ति से होता है। इस दिशा में हरियाली और जंगल वाले चित्र या फोटो लगाने से धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। इतना ही नहीं, इस दिशा में प्राकृतिक दृश्य जैसे सूरज और पहाड़ों की पेटिंग्स भी लगा सकते हैं। ये तस्वीरें घर में सकारात्मक ऊर्जा लाती हैं।

तो वहीं, घर की उत्तर-पूर्व दिशा का संबंध पारिवारिक रिश्तों से होता है। इस दिशा में परिवार की तस्वीर या एक फुल फैमिली फोटो लगाने से परिवार के बीच रिश्ते मजबूत रहते हैं और प्रेम बना रहता है।

नदियों और झरनों की तस्वीरें घर में पॉजीटिव वाइब्स देती हैं और इन्हें उत्तर-पूर्वी दिशा में लगाना चाहिए। घर की पूर्व दिशा में बच्चों की तस्वीर लगाने से बच्चे पढ़ाई में तेज होते हैं और उनका भविष्य भी उज्जवल होता है। अगर आप परिवार में खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं तो अपनी कुर्सी के पीछे पहाड़ या पर्वत की तस्वीर लगाएं।

नियमों को जानें बिना अधूरी रहेगी शिव जी की आराधना

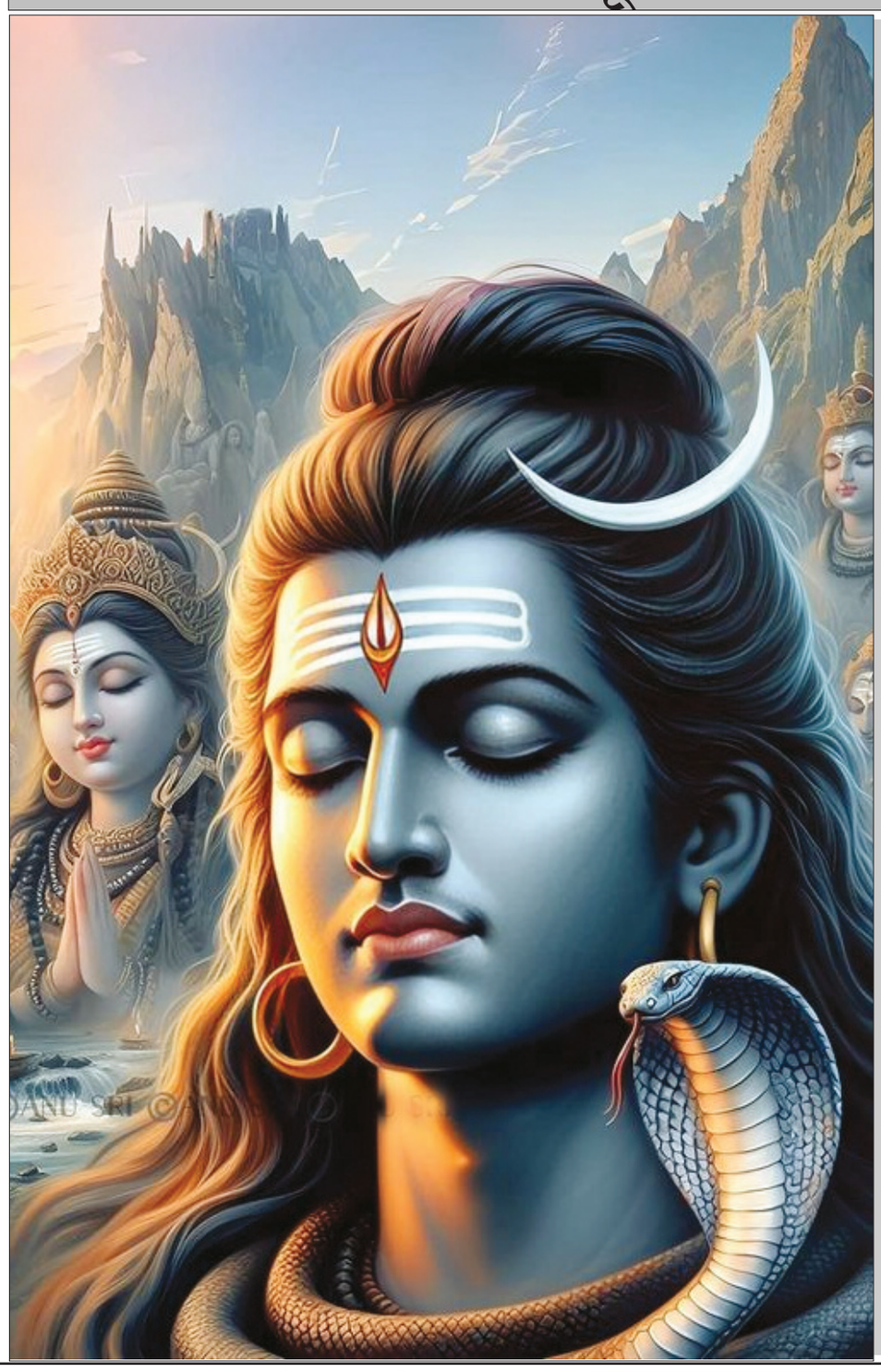

सावन में इन नियमों का पालन करते हुए करें शिव साधना

भगवान शिव की पूजा-आराधना अगर आप सावन के दौरान करने वाले हैं तो आपको गलती से भी मादक पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। मांस-मदिरा से अगर आप दूरी नहीं बनाएंगे तो शिव जी की साधना के बाद भी आपको शुभ फलों की प्राप्ति नहीं होगी।

सावन में भक्तों के द्वारा शिवलिंग पर जल अर्पित किया जाता है, लेकिन इस जल को शंख के जरिये शिवलिंग पर अर्पित करने की गलती आपको नहीं करनी चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

भक्तों को सावन माह के साथ ही कभी भी शिवलिंग पर तुलसी के पत्ते अर्पित नहीं करने चाहिए।

माना जाता है कि, भगवान शिव ने पूर्व जन्म में तुलसी (वृंदा) के पति जालंधर नामक राक्षस का वध किया था, इसलिए शिव पूजन में तुलसी के पत्ते को चढ़ाना उचित नहीं माना जाता।

भगवान शिव को गलती से भी टूटे हुए बेलपत्र नहीं चढ़ाने चाहिए। साथ ही सावन सोमवार के दिन बेलपत्र तोड़ने से भी आपको बचना चाहिए। अगर आप सोमवार को बेलपत्र भगवान शिव को अर्पित करना चाहते हैं तो, एक दिन पहले ही उन्हें तोड़कर रख दें।

अगर आप सावन सोमवार के दिन व्रत रख रहे हैं, या फिर शिव लेंगे पर जल अर्पित कर रहे हैं तो उस दिन आपको दूध पीने से बचना चाहिए। ऐसा करना शुभ माना जाता है।

सावन के सभी सोमवार को अगर आप व्रत रखने वाले हैं तो आपको पूरे सावन माह के दौरान शारीरिक संबंध बनाने से बचना चाहिए। आप अगर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए शिव जी के व्रत रखते हैं तो आपकी सभी मनोकामनाओं को भगवान शिव पूरी कर सकते हैं।

इन सब बातों का ध्यान रखते हुए अगर आप सावन में भगवान शिव की पूजा करते हैं तो आपको शुभ फल प्राप्त होते हैं। भगवान शिव की कृपा से आपकी अध्यात्मिक उन्नति होती है और साथ ही सांसारिक सुख भी आप प्राप्त करते हैं।

तुलसी के साथ लगाएं ये 3 पौधे, दूर होगी नैगेटिव एनर्जी

शमी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। इसका संबंध शनिदेव से है। शनिवार के दिन इसकी पूजा करने से शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। अगर इस पौधे को तुलसी के साथ लगाया जाए तो इससे मिलने वाले फायदे दोगुने हो जाते हैं।

माना जाता है कि काले धतूरे के पौधे में शिव जी का वास होता है। ऐसे में इसे घर पर लगाना काफी शुभ माना जाता है। तुलसी के साथ काले धतूरे का पौधा लगाने से भगवान शिव की खास कृपा मिलती है।

केले का पेड़ लगाना भी शुभ माना जाता है। इससे घर की नैगेटिव एनर्जी दूर होती है।

घर की दक्षिण पूर्व दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से वास्तुदोष दूर होता है। घर के सभी सदस्यों को नियमित रूप से सुबह के समय तुलसी को जल देना चाहिए और शाम को शुद्ध गाय के घी या तिल के तेल का दीप जलाना चाहिए।

'स्क्रिप्ट की डिमांड पर इंटीमेट सीन कर सकती हूं':रकुल प्रीत सिंह

रकुल प्रीत सिंह का नाम बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में गिना जाता है। उन्होंने 2017 में दिए एक इंटरव्यू में इंटीमेट सीन को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें इंटीमेट सीन करने में परहेज नहीं है।

रकुल का कहना था- सीन की डिमांड पर मैं इंटीमेट सीन या लिप-लॉक करने के लिए तैयार हूं। लेकिन इस तरह के सीन को जबरदस्ती पब्लिसिटी के लिए फिल्म में नहीं डालना चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस ने कहा कि ग्लैमर फिल्म इंडस्ट्री का जरूरी हिस्सा है, हर कोई चाहता है कि वो अपनी फेवरेट एक्ट्रेस को ग्लैमरस कपड़ों में देखे।

रकुल प्रीत का वर्कफ्रंट

रकुल बहुत जल्द ही फिल्म 'इंडियन 2' में नजर आएंगी। ये फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कमल हासन लीड रोल में नजर आएंगे। उनके अलावा प्रिया भवानी शंकर, काजल अग्रवाल, बॉबी सिम्हा, सिद्धार्थ, समुथिरकानी और ब्रह्मानंदम भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे।

इस फिल्म का पहला पार्ट साल 1996 में रिलीज हुआ था और अब 28 साल बाद इसका दूसरा पार्ट लाया जा रहा है। इसके अलावा रकुल फिल्म 'दे दे प्यार दे' के सीक्वल में भी नजर आएंगी।

इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन और आर माधवन होंगे। बता दें, रकुल प्रीत ने साल 2009 में कन्नड़ फिल्म 'गिल्ली' से इंडस्ट्री में कदम रखा था। उन्होंने हिंदी, तेलुगु और तमिल सभी फिल्मों में काम किया है।

विक्की कौशल ने शर्टलेस होकर तृप्ति डिमरी के साथ दिखाई फोटो, लोगों ने ले लिए मजे-कटरीना बहन, हम तो ना सहते

विक्की कौशल अब अपनी अगली फिल्म 'बैड न्यूज़' की रिलीज के लिए तैयार हैं, जो करण जौहर की बनाई है और इसमें तृप्ति डिमरी उनके साथ हैं। ट्रेलर फिल्म को हंसी से लोटपोट करने का वादा करता है क्योंकि विक्की और एमी दोनों तृप्ति के बच्चे के पिता हैं।

'तौबा-तौबा' का ट्रेलर और गाना सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। इसके बीच, विक्की ने तृप्ति के साथ एक नया गाना रिलीज करने की घोषणा की है कि 9 जुलाई को एक नया गाना 'जानम' आएगा। इस नए गाने में तृप्ति इलेक्ट्रिक ब्लू बिकिनी में आईशैडो लगाए विक्की के साथ एक इंटिमेट मोमेंट में नजर आ रही हैं।

जैसे ही विक्की कौशल ने यह फोटो डाली, नेटिजन्स ने कटरीना का नाम लेकर उनकी खिंचाई की। एक यूजर ने कहा, 'मैं तो ना सहती कटरीना बहन।' एक यूजर ने कमेंट किया, 'कटरीना का खौफ खाओ भाई।' एक शख्स ने लिखा, 'भाई बीवी मारती नहीं है?' एक फैन ने कहा, 'कैटरीना-जैसे हो तुम घर आओ बताती हूं तुमको।'

विक्की कौशल को ऐसे देख फैंस ने लिए मजे

ये कमेंट्स पढ़कर आपको भी हंसी आ जाएगी। विक्की को 'तौबा-तौबा' में अपने मूव्स से सभी का खूब प्यार मिल रहा है, जिसमें वह माहिर नजर आ रहे हैं। ऋतिक रोशन, सलमान खान जैसे कई सेलेब्स ने भी विक्की की तारीफ की है।

'बैड न्यूज' रिलीज डेट

'बैड न्यूज' 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बीच, विक्की फिलहाल 'छावा' पर काम कर रहे हैं जहां वह छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभा रहे हैं। लक्ष्मण उटेकर के डायरेक्शन में बनी फिल्म में वह रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगे। संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में विक्की को आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करते देखा जाएगा।

रितेश देशमुख-जेनेलिया ने लिया बड़ा फैसला, कहा- 'इससे बड़ा कोई उपहार नहीं'

रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा बी-टाउन के आईडियल और फेमस कपल्स में से एक हैं. दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर कपल गोल्स देते दिखाई देते हैं. शादी के 12 साल बाद भी दोनों न्यू कपल लगते हैं. दोनों एक-दूसरे से बेतहाशा मोहब्बत करने के साथ-साथ एक-दूसरे की काफी इज्जत भी करते हैं. इसी बीच कपल ने अपनी लाइफ में एक बड़ा फैसला किया है. कपल ने बताया कि वे अंग दान करने जा रहे हैं. इस बारे में दोनों लंबे वक्त से सोच रहे हैं, लेकिन अब वक्त आ गया है कि वे इस नेक काम ने आगे बढ़े.

रितेश देशमुख इससे पहले अंग दान के बारे में बताते हुए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने अंग दान करने की

अपने फैसला के बारे में बात की थी, जिसके बारे में वे काफी लंबे समय से सोच रहे थे. उन्होंने कहा कि 'किसी के लिए 'जीवन के उपहार' से बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता है. कपल ने 1 जुलाई अपने इस प्लान के बारे में बताया था.

वीडियो में रितेश देशमुख को ये कहते हुए देखा गया था कि - आज, 1 जुलाई को हम आपको बताना चाहते हैं कि हमने अपने अंग दान करने का फैसला किया है. वहीं वीडियो में जेनेलिया ने कहा, 'हां, हमने अपने अंग दान करने का संकल्प लिया है और यह हमारे लिए जीवन के उपहार से बेहतर कोई उपहार नहीं है.

अब कपल के इस वीडियो को नेशनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन ने अपने आधिकारिक हैंडल पर शेयर किया है. नेशनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन इन दिग्गज अभिनेताओं का आभार व्यक्त किया है. इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'बॉलीवुड के स्टार कपल रितेश देशमुख और जेनेलिया को जुलाई के चल रहे अंगदान महीने के दौरान अपने अंग दान करने का संकल्प लेने के लिए धन्यवाद. उनका यह कदम दूसरों को भी इस नेक काम से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा. #अंगदान #बॉलीवुड #जीवन बचाएं.

आपको याद दिला दें कि अमिताभ बच्चन के 'कौन बनेगा करोड़पति-12' के करमवीर स्पेशल एपिसोड में जब मोहन फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी डॉ. सुनील श्रॉफ आए थे. तब इस उनके साथ एक्टर रितेश देशमुख इस एपिसोड का हिस्सा बने थे.

शो में रितेश ने बताया था कि वे भी अंग दान करना चाहते हैं. उनके इस नेक काम में उनकी वाइफ जेनेलिया डिसूजा भी उनका साथ देने वाली हैं. दोनों लंबे वक्त से इस नेक काम को करना चाहते हैंस लेकिन किसी न किसी वजह से वे फैसला नहीं कर पा रहे थे.

रितेश देशमुख और जेनेलिया की शादी साल 2012 में हुई थी. अब कपल की शादी को 12 साल हो गए हैं और उनके दो मासूम बेटे भी हैं. रितेश और जेनेलिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अक्सर कपल फोटोज पोस्ट करते दिखाई देते हैं.

येलो ड्रेस में अक्षरा सिंह का ये लुक देख क्रेजी हुए फैंस, हार गए दिल

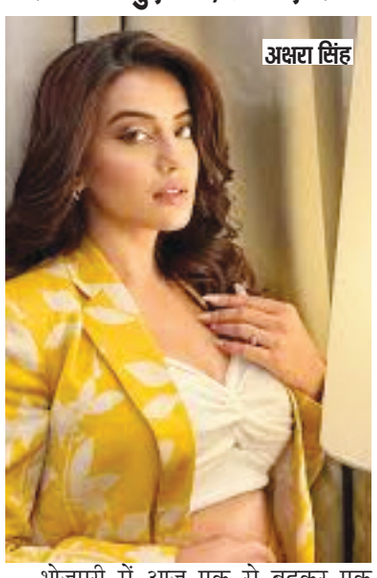

भोजपुरी में आज एक से बढ़कर एक एक्ट्रेस हैं। जहां अक्सर इंडस्ट्री की हीरोइनें अपनी फिटनेस और लुक्स की वजह से ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। ऐसे में पिछले कुछ सालों में भोजपुरी अभिनेत्रियों ने अपनी फिटनेस और ड्रेसिंग सेंस पर खासा काम किया है। उनका स्टाइलिश अवतार फैंस को खूब लुभाते हैं। वहीं, जब इंडस्ट्री की स्टाइलिश और बेहद खूबसूरत अभिनेत्रियों का बात होती है तो इस लिस्ट में अक्षरा सिंह का नाम फर्स्ट पर आता है। 'बिग बॉस ओटीटी' से लौटने के बाद जो बदलाव उन्होंने किए वो कमाल के हैं। ऐसे में अब उन्होंने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है। इसमें उनका लुक देख फैंस क्रेजी हो गए हैं।

भोजपुरी की स्टाइलिश आइकन कही जाने वाली एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें देखने के लिए मिल रहा है कि उन्होंने येलो कलर की ड्रेस पहनी है। उन्होंने अपने लुक को न्यूड मेकअप और खुले बालों के साथ कंप्लीट किया है। फोटोज को शेयर करने के साथ ही भोजपुरी अभिनेत्री ने लिखा है, 'येलो कलर में प्यार की चमक।' इस पर लोगों ने भी खूब रिएक्शन दिए हैं।

मल्लिका शेरावत से हुई अनबन पर बोले इमरान हाशमी

20 साल पहले हम यंग और बेवकूफ थे, सालों बाद उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई

20 साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'मर्डर' में इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत ने पहली बार साथ काम किया था। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। हालांकि, इसके बाद दोनों कलाकारों ने दोबारा कभी किसी फिल्म पर साथ काम नहीं किया। दोनों के बीच अनबन की भी खबरें थीं। हालांकि, इस साल अप्रैल में हुए एक वेडिंग फंक्शन में इमरान और मल्लिका का 20 साल बाद आमना-सामना हुआ। इस मौके पर दोनों ने एक-दूसरे से गर्मजोशी से मुलाकात की।

'उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई थी'

अब एक इंटरव्यू में इमरान ने अपनी और मल्लिका की अनबन और सालों बाद हुई मुलाकात पर बात की है। एक्टर ने कहा, 'उस दिन मैंने उन्हें बहुत सालों बाद देखा था। मर्डर की रिलीज के बाद से शायद ही हमारी कभी कोई मुलाकात हुई थी। तो इस बार जब हम मिले तो एक-दूसरे से मिलकर बहुत खुश हुए।'

अब उन बातों का कोई मतलब नहीं: इमरान

20 साल पुराने झगड़े पर बात करते हुए इमरान ने कहा, 'हम दोनों तब बहुत ही यंग और बेवकूफ थे। सबके जीवन में एक दौर आता है जब उनकी डिसीजन मेकिंग पावर लिमिटिड रहती है। उस दौरान कुछ चीजें उसने कहीं और कुछ मैंने। पर अब उन बातों का कोई मतलब नहीं। उस दिन उनसे मिलकर काफी अच्छा लगा था।'

फिर से मल्लिका संग काम करना चाहते हैं इमरान

इससे पहले एक इंटरव्यू में भी जब इमरान से पूछा गया था कि वो अपनी किस को-एक्ट्रेस के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं तो इमरान ने मल्लिका शेरावत का नाम लिया था।

मल्लिका ने इमरान को बताया था कमाल का को-स्टार

2021 में मंदिरा बेदी के शो पर मल्लिका ने भी इस बारे में बात की थी। एक्ट्रेस ने कहा था, 'मेरे अपने कई एक्टर्स के साथ ईगो-क्लैश हुए हैं और सबसे फनी किस्सा इमरान हाशमी के साथ का है। 'मर्डर' के प्रमोशन के दौरान हमारे बीच मिस-अंडरस्टैंडिंग हो गई थी जिसके बाद मैंने उनसे कई सालों तक बात ही नहीं की। वो बहुत ही कमाल के को-स्टार थे।'

'मर्डर' ने कमाए थे 38.95 करोड़ रुपए

2004 में रिलीज हुई मर्डर ने बॉक्स ऑफिस पर 38.95 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। फिल्म उस साल की 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। अनुराग बसु निर्देशित इस फिल्म में इमरान और मल्लिका के अलावा अश्मित पटेल भी अहम रोल में नजर आए थे।

प्रभास की चाची ने शादी की बात पर तोडी चुप्पी

प्रभास तेलुगु इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। वह फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी की वजह से भी अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। इस बीच हाल ही में उनकी शादी की चर्चा एक बार से तेज हो गई।

लगातार चल रही चर्चाओं के बीच कृष्णम राजू की पत्नी और प्रभास की चाची श्यामला देवी ने अभिनेता की शादी से जुड़ी ताजा अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है। एक इंटरव्यू में बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभास शादी के बंधन में बंधने के बारे में फिलहाल नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, वह अपने करियर में व्यस्त हैं और शादी एक ऐसा चीज है जो सही समय आने पर होती है।

अभिनेता प्रभास उम्र में 40 के पार जा चुके हैं और उनके फैंस हर समय यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि वह कब शादी करेंगे। हालांकि, श्यामला देवी के बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि अभिनेता अभी सात फेरे लेने के मूड में नहीं हैं। फिलहाल, वह कल्कि 2898 एडी की सफलता के बाद यूरोप में छुट्टियां मना रहे हैं।

कल्कि 2898 एडी की बात करें तो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचा रही है। टिकट खिड़की पर फिल्म ने महज 11 दिनों में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। रविवार को फिल्म के कलेक्शन में जबर्दस्त उछाल नजर आया।

फिल्म ने सभी भाषाओं को मिलाकर 41.3 करोड़ रुपये की धांसू कमाई कर डाली। भारत में फिल्म का कुल कारोबार 507 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, वैश्विक स्तर पर भी फिल्म का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है। उत्तरी अमेरिका में फिल्म ने सबसे तेज डेढ़ करोड़ डॉलर की कमाई कर डाली है।

70 के दशक के मशहूर कॉमेडी किंग थे जगदीप रोते हुए को भी हंसाने का हुनर रखते थे

ब्लैक एंड व्हाइट पर्दे के दौर के बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन जगदीप को भला कौन भुला सकता है। उनकी अदाकारी के हुनर से तो पूरी दुनिया वाकिफ है। यहां बात हो रही है दिवंगत अभिनेता और मशहूर कॉमेडियन जगदीप की यानी सैयद इश्तियाक अहमद जाफरी की। जिन्हें ज्यादातर लोग जगदीप के नाम से ही पहचानते हैं। आज जगदीप की पुण्यतिथि है। आज भले ही वह हमारे बीच ना हों, लेकिन उनकी फिल्मों और कॉमेडी के जरिए वह हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे।

जगदीप का जन्म 29 मार्च 1939 को दतिया में हुआ था। वह अपने जमाने के बेहतरीन भारतीय अभिनेता और हास्य अभिनेता थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने 400 से भी अधिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने साल 1975 में आई फ़िल्म 'शोले' में सूरमा भोपाली का किरदार निभाया था, जो दर्शकों को आज भी बेहद पसंद है। जगदीप ने अपने फिल्मी करियर में कई बेहतरीन किरदार किए। जिनमें से सूरमा भोपाली और फिल्म 'पुराना मंदिर' में मच्छर का किरदार लोगों के जहन में आज भी बसा हुआ है।

ए.वी.एम निर्माता कंपनी ने जगदीप को फिल्म 'भाभी', 'बरखा' और 'बिंदिया' जैसी फिल्मों में बतौर मुख्य अभिनेता के रूप में लॉन्च किया था। फिल्म 'ब्रह्मचारी' से उन्होंने खुद को एक हास्य अभिनेता के रूप में स्थापित किया। एक दौर ऐसा भी था, जब उन पर कुछ हिट गाने भी फिल्माए गए थे। जिनमें शामिल फिल्म पुनर्मिलन का दीत 'पास बैठो तबीयत बहल जाएगी' इसी फिल्म का एक और गाना जो "बेहद प्रसिद्ध हुआ था, 'इन प्यार की राहों में'। इसके अलवा सुपरहिट फिल्म 'भाभी' से 'चल उड़ जा रे पंछी' और 'चली चली रे पतंग'।

जगदीप ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत बीआर चोपड़ा की फिल्म 'अफसाना' में बाल कलाकार के रूप में शुरू किया था। इसके अलावा जगदीप ने 'अब दिल्ली दूर नहीं', 'मुन्ना', 'आर-पार', 'दो बीघा जमीन' और 'हम पंछी एक डाल के' जैसी कई फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में काम किया। उन्हें कई हॉरर फिल्मों में भी शानदार अभिनय के लिए भी जाना जाता है, खासकर रामसे ब्रदर्स के प्रोजेक्ट्स में। फिल्म 'पुराना मंदिर' जैसी कई मशहूर हिट फिल्मों में नजर आए । 8 जुलाई 2020 को उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के चलते मुंबई में उनके घर पर उनका निधन हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जगदीप ने तीन बार शादी कीं और छह बच्चों के पिता थे। 1960 में, उन्होंने सुघरा बेगम से शादी की। उनके दो बेटे थे, अभेनिता जावेद जाफरी और टेलीविजन निर्माता-निर्देशक नावेद जाफरी। बाद में जगदीप ने नाजिमा से शादी कर ली थी। उनकी एक बेटी है, मुस्कान जाफरी।

इंडस्ट्री के भेदभाव पर फूटा मनीषा कोइराला का गुस्सा

मनीषा कोइराला, संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी में मल्लिकाजान का रोल निभाकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने करियर के शुरुआती दिनों पर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया है कि उस समय हीरो और हीरोइन्स के लिए अलग-अलग नियम थे।

अगर किसी हीरो के कई लड़कियों से संबंध होते थे, तो उसे माचो कहा जाता था, लेकिन हीरोइन्स से कहा जाता था कि वो अपने रिश्ते सीक्रेट रखें। एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि लोग उनसे कहा करते थे कि उन्हें शराब पीने की बात छिपाकर रखना चाहिए, क्योंकि ये सब एक्ट्रेस पर शोभा नहीं देता है।

मनीषा कोइराला ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बताया है, 'फिल्म सौदागर की शूटिंग के समय मैं कोक में वोदका मिलाकर पी रही थी। इसी बीच मुझे आसपास के कुछ लोगों ने कहा कि मुझे ये किसी को नहीं बताना चाहिए कि मैं शराब पी रही हूं, क्योंकि एक्ट्रेसेस पर ये शोभा नहीं देता है। मुझसे कहा गया था कि मैं सबसे ये कहूं कि मैं सिर्फ कोक पी रही हूं। उस दिन मैंने ये नई बात सीखी थी।'

आगे एक्ट्रेस ने कहा, 'मैंने ये बात अपनी मां को बताई। मैंने उनसे कहा कि मैं कोक पी रही हूं, जबकि वो जानती थीं कि मैं शराब पी रही हूं। इस पर उन्होंने जवाब दिया, सुनो, अगर तुम शराब पी रही हो तो कहो कि शराब पी रही हो, ये मत कहो कि तुम कोक पी रही हो। इतनी छोटी बातों के लिए झूठ मत कहो।'

मनीषा कोइराला ने ये भी बताया है कि लोग उन्हें अपने रिलेशनशिप राज रखने के भी सुझाव देते थे, हालांकि उन्हें कोई रिश्ता छिपाना पसंद नहीं था। उन्होंने कहा है, 'अगर मैं किसी इंसान को डेट कर रही हूं, तो मैं डेट कर रही हूं। अगर आप मुझे इस पर जज करना चाहते हैं तो बेशक आगे बढ़िए और जज करिए। मैं ऐसी ही हूं, मैं अपनी जिंदगी अपनी मर्जी से जीती हूं।'

एक्ट्रेस ने कहा है, 'मुझे उस समय कई आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, क्योंकि उस समय हीरो की कई गर्लफ्रेंड्स हो सकती थीं और उन्हें माचो कहा जाता था, जबकि एक्ट्रेस को ये जाहिर करना होता था कि उन्हें आज तक किसी ने छुआ तक नहीं है।' इस पर गुस्सा जाहिर करते हुए मनीषा ने कहा है, 'सिर्फ इसलिए क्योंकि मेरा बॉयफ्रेंड है इसका मतलब ये नहीं है कि मैं अपनी जिंदगी में अनप्रफोशनल हूं। उस समय एक्ट्रेसेस के लिए बहुत पेचीदा पैमाने थे, जो मेरे साथ सही नहीं बैठते थे।'

हीरामंडी 2 में नजर आएंगी मनीषा कोइराला

बताते चलें कि मनीषा कोइराला ने सुभाष घई के निर्देशन में बनी 1991 की फिल्म सौदागर से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद वो गुप्त, दिल से, अकेले हम अकेले तुम जैसी फिल्मों का हिस्सा रही थीं। ब्रेक के बाद मनीषा कोइराला ने संजू और शहजादा जैसी फिल्मों में सपोर्टिंग रोल निभाया है।

इन दिनों वो सीरीज हीरामंडी में मल्लिकाजान का रोल निभाकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। जल्द ही हीरामंडी का दूसरा सीजन आने वाला है।

स्वास्थ्य/सौंदर्य

दिमाग को अंदर से गला देगा नमक, चली जाएगी याददाश्त

नमक हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। यह न केवल खाने का जायका बढ़ाता है, बल्कि इसके सेवन से शरीर में पानी का स्तर भी नियंत्रित रहता है। इसके अलावा यह ब्लड शुगर लेवल को कम करने के साथ तनाव और अवसाद से भी राहत दिलाता है। शरीर में इसकी मात्रा कम हो, तो हाइपोटेंशन का खतरा रहता है, वहीं इसका ज्यादा सेवन भी नुकसानदायक है।

इससे हाइपरटेंशन, हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा नमक आपके दिमाग के लिए भी हानिकारक है। स्कॉटलैंड में एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी में हुई एक स्टडी के अनुसार, बहुत ज्यादा नमक खाने से स्ट्रेस हार्मोन्स का उत्पादन बढ़ सकता है। आइए जानते हैं खाने में ज्यादा नमक हमारे दिमाग को कैसे प्रभावित करता है।

हाई सॉल्ट डाइट से बढ़ेगा तनाव

आजकल ज्यादातर लोग प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने लगे हैं। इनमें नमक की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। कोई भी हाई सॉल्ट डाइट ब्रेन में स्ट्रेस हार्मोन लेवल को 60 से 75 फीसदी बढ़ा देती है। इससे ब्रेन के कुछ हिस्सों में जीन अपना एक्टिविटी लेवल बढ़ा देता है जिससे प्रोटीन की मात्रा बढ़ती है। यही प्रोटीन ब्रेन आर्टरी में जमा होकर इसे कमजोर कर देता है। यह स्थिति ब्रेन हैमरेज के लिए भी जिम्मेदार है।

ज्यादा नमक खाने के नुकसान

डिमेंशिया की वजह बन सकता है ज्यादा नमक

ज्यादा नमक खाने की आदत आपको डिमेंशिया जैसा खतरनाक रोग भी दे सकती है। नमक के ज्यादा सेवन से बीपी बढ़ता है। बता दें कि हाइपरटेंशन के साथ व्यक्ति चीजों को भूलने लगता है। इस बीमारी में व्यक्ति को थोड़ी देर पहले रखी चीज भी याद नहीं रहती। कुछ मामलों में तो लोग अपने घर का पता भी भूल जाते हैं।

व्यवहार में बदलाव

ब्रेन के कुछ हिस्से बहुत एक्टिव होते हैं, जो हाइपोक्सिया की वजह बनते हैं। इससे ब्रेन में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और हमारा दिमाग अलग तरह से काम करना शुरू कर देता है, जिससे स्वभाव में चिड़चिड़ापन और सुस्ती महसूस होने लगती है।

ज्यादा नमक को कैसे कर सकते हैं कंट्रोल

नमकीन स्नैक्स का सेवन कम से कम करें। - पापड़, चटनी, सॉल्टेड पीनट, सोया सॉस, कैचअप कम से कम खाएं।- फ्राइड फूड का सेवन करने से बचें। - खाने में ऊपर से नमक बिल्कुल ना मिलाएं।

नसों की गंदगी निकाल देंगी ये चीजें, 60 की उम्र तक रहेंगी मजबूत, कोलेस्ट्रॉल-हार्ट अटैक टेंशन खत्म

हृदय रोग दुनियाभर में हो रही मौतों का मुख्य कारण है। जब आपके दिल तक खून पहुंचाने वाली धमनियां सिकुड़ जाएं या फिर ब्लॉक हो जाए, तो कोरोनरी आर्टरी डिजीज का रिस्क बढ़ जाता है। इस स्थिति में सीने में तकलीफ या फिर सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अस्वस्थ आर्टरीज हार्ट अटैक, स्ट्रोक और दिल से जुड़ी कई बीमारियों का कारण बन सकती है।

नट्स

नट्स आर्टरीज को हेल्दी रखने का सबसे अच्छा तरीका है। बादाम, पिस्ता, अखरोट जैसे सूखे मेवों में मोनोअनसेचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैट जैसे हेल्दी फैट होते हैं, तो एलडीएल

कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करते हैं और एलडीएल को बढ़ा देते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन हर सप्ताह नट्स की तीन से पांच सर्विंग्स खाने की सलाह देता है।

बेरीज

बेरीज आपकी धमनियों के लिए बेहतरीन फूड है। ब्लूबेरी हो, स्ट्रॉबेरी हो, रास्पबेरी हो या ब्लैकबेरी इनमें फ्लेवोनॉयड्स अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ये शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मददगार हैं। इससे आर्टरीज की फंक्शनिंग में सुधार होता है और हृदय रोग का जोखिम भी कम हो जाता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल, स्विस चार्ड जैसी हरे पत्तेदार सब्जियां नाइट्रेट, पोटेशियम, विटामिन सी और के जैसे पोषक तत्वों से भरपूर हैं। नाइट्रेट शरीर में नाइट्रेट ऑक्साइड में बदल जाता है, जिससे ब्लड वेसेल्स को रिलैक्स मिलता है और ब्लड फ्लो में सुधार की गुंजाइश बढ़ जाती है।

ओट्स

ओट्स आर्टरीज को हेल्दी रखने का अच्छा तरीका है। ओट्स सॉल्युबल फाइबर से भरपूर होता है। यह फाइबर पाचन तंत्र में कोलेस्ट्रॉल के साथ मिलकर और इसे शरीर से निकालकर एलडीएल कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर देता है। इससे हृदय रोग की संभावना काफी कम हो जाती है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में फ्लेवेनॉइड होते हैं। जो एंडोथेलियल फंक्शन में सुधार करने के अलावा ब्लड क्लॉट के खतरे को भी कम करते हैं। इतना ही नहीं, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मददगार है।

हाई एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर धनिया पत्ती और गुड़ से बने ये ड्रिंक

वेट लॉस से लेकर कई गंभीर बीमारियों से बचने तक के लिए बॉडी को डिटॉक्स करना बहुत जरूरी होता है। बॉडी डिटॉक्स के लिए कई तरीके है एक्सरसाइज, थेरेपी और डाइट। यहां हम बात करेंगे डिटॉक्स ड्रिंक के जरिए, बॉडी डिटॉक्स करने की। इससे शरीर से बैक्टीरिया बाहर निकल जाते हैं। डिटॉक्स ड्रिंक में धनिया पत्ती और गुड़ दोनों ही बहुत फायदेमंद होते हैं।

धनिया पत्ती और गुड़, दोनों में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स के कारण होने वाले डैमेज से बचाते हैं। यह दोनों ही चीजें पेट के लिए अच्छे होते हैं। इससे बनी ड्रिंक शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करती है और लिवर को स्वस्थ रखती है। आइए जानते हैं धनिया पत्ती और गुड़ से बनी ड्रिंक के बारे में।

धनिया और गुड़ की चाय

यह चाय आपके पेट के लिए भी अच्छी है और वेट लॉस में भी मददगार है। इसे बनाने के लिए आप 1 बड़ा चम्मच कटी हुई धनिया पत्ती, 1 छोटा टुकड़ा गुड़, 2 कप पानी और नींबू का रस लें। अब एक पैन में पानी उबालें। फिर उबलते पानी में धनिया पत्ती और गुड़ डालें और 5 मिनट तक बॉयल करें और फिर नींबू का रस मिलाकर पिएं।

धनिया और गुड़ का काढ़ा

यह काढ़ा आपको सुबह पीने से आप कई तरह के इंफेक्शन से भी बचे रहेंगे इस काढ़ा बनाने के लिए आप 1 बड़ा चम्मच धनिया का पेस्ट, 1 बड़ा टुकड़ा गुड़, स्वादानुसार मात्रा में दालचीनी और 3 कप पानी लें। अब पानी में धनिया का पेस्ट, दालचीनी पाउडर और गुड़ डालें। इसे 10 मिनट तक पकाएं और फिर खाली सुबह खाली पेट पिएं।

धनिया, नारियल पानी और गुड़ की स्मूदी

धनिया और गुड़ की स्मूदी भी वेट लॉस वालों के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें फाइबर की भी अधिक मात्रा होती है। इसे बनाने के लिए आप 1 कप धनिया पत्ता, 1 बड़ा टुकड़ा गुड़, 1 कप नारियल पानी और 1/2 चम्मच नींबू का रस लें। अब इसे बनाने के लिए सभी सामग्री को ब्लेंडर में ब्लेंड करें। यह बहुत ही हेल्दी स्मूदी है।

धनिया और पालक का जूस

धनिया और पालक की जूस वेट लॉस के साथ पीसीओडी की प्रॉब्लम को भी दूर करेगा। इसे बनाने के लिए आप 1 कप ताजी धनिया पत्ती का रस, 1 कप पालक का जूस, 1 बड़ा टुकड़ा गुड़, 1 कप ठंडा पानी और चुटकी भर काला नमक लें। सभी को मिक्स कर के ब्लेंड कर लें।

धनिया और गुड़ की डिटॉक्स वाटर

इस डिटॉक्स वाटर को बनाने के लिए आप 1 कप ताजी धनिया पत्ती, 1 बड़ा टुकड़ा गुड़ और 1 लीटर पानी पानी लें। अब पानी में धनिया पत्ती और गुड़ डालें और इसे रात भर भिगो दें। सुबह इसे छानकर पूरा दिन पिएं।

हाई ब्लड शुगर मौत की घंटी, आसमान छू रहे डायबिटीज को पटककर रख देंगी ये जड़ी बूटी

डायबिटीज एक साइलेंट किलर डिजीज है, जो एक बार हो जाए, तो जीवन भर ठीक नहीं होती। जीवनशैली और खानपान में बदलाव करके ही इसे कंट्रोल किया जा सकता है। जब शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाए, तो यह स्थिति हाइपरग्लेसेमिया या हाई ब्लड शुगर कहलाती है। यह तब होता है, जब शरीर पर्याप्त इंसुलिन बनाना बंद कर देता है।

डायबिटीज एक साइलेंट किलर डिजीज है, जो एक बार हो जाए, तो जीवन भर ठीक नहीं होती। जीवनशैली और खानपान में बदलाव करके ही इसे कंट्रोल किया जा सकता है। जब शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाए, तो यह स्थिति हाइपरग्लेसेमिया या हाई ब्लड शुगर कहलाती है। यह तब होता है, जब शरीर पर्याप्त इंसुलिन बनाना बंद कर देता है।

हर्ब और सप्लीमेंट लें

हाई ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के लिए आप हर्ब और सप्लीमेंट का सेवन कर सकते हैं। अपने खाने में दालचीनी, मेथी दाना और क्रोमियम का सेवन बढ़ाने से हाइपरग्लेसेमिया से बचने में मदद मिलेगी।

लो कार्ब डाइट पर ध्यान दें

आपको लो कार्ब डाइट जैसे सब्जी, फल, लीन प्रोटीन और हेल्दी फैट पर अपना फोकस बढ़ाना होगा। जितना हो सके चीनी से बने फूड आइटम्स, प्रोसेस्ड फूड के अलावा रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट से भरपूर खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए।

फिजिकली एक्टिव रहें

फिजिकली एक्टिव रहकर भी हाइपरग्लेसेमिया जैसी स्थिति पर काबू पाया जा सकता है। यह आपके शरीर को इंसुलिन का सही से उपयोग करने में मदद करेगी और ब्लड शुगर लेवल भी लो हो जाएगा। ध्यान रखें, आपके यूरिन में कीटोन की मात्रा ज्यादा है, तो एक्सरसाइज न करें। इससे ब्लड शुगर बढ़ सकता है।

हेल्दी वेट मेंटेन करें

डाइट और एक्सरसाइज की मदद से स्वस्थ वजन बनाए रखने में मदद मिलती है। वजन कम करने से इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार होता है, साथ ही ब्लड शुगर भी कंट्रोल हो सकती है।

भरपूर नींद लें

हर दिन 7-9 घंटे की अच्छी नींद लेने से भी हाइपरग्लेसेमिया से बचा जा सकता है। अपर्याप्त और कम घंटों की नींद से हार्मोन का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे नींद खराब होती है। बता दें कि खराब नींद का इंसुलिन रेजिस्टेंस में भरपूर योगदान होता है।

99% लोग गलत तरीके से खा रहे बादाम, मांसपेशियों-हड्डियों और दिमाग को 100 गुना ताकत देगा ये तरीका

बादाम की तासीर गर्म होती है। गर्मियों में बादाम का सीधे तौर पर सेवन करने से बचना चाहिए। इन दिनों में बादाम को रातभर पानी में भिगोकर रखें और सुबह इसका छिलका उतारकर खाएं। ऐसा करने से बादाम आसानी से पच जाते हैं, गर्मी भी कम हो जाती है और ज्यादा पोषण देते हैं।

आपने अपने बुजुर्गों को कहते सुना होगा कि रोज बादाम खाया करो, याददाश्त तेज हो जाएगी। बादाम खाने से त्वचा भी स्वस्थ रहती है। बादाम एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जिसमें फाइबर, प्रोटीन, आयरन , मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं। रोजाना बादाम खाने से दिमाग और दिमाग तंदरुस्त रहते हैं।

कच्चा या भिगाकर बादाम का कई तरीकों से सेवन किया जाता है। बादाम का इस्तेमाल कई तरीके व्यंजनों में भी किया जाता है। अक्सर लोग बादाम को कच्चा या किसी खाने में डालकर खाते हैं। चफिलहाल गर्मी का मौसम है इसलिए आपको बादाम खाने का सही तरीका पता होना चाहिए।

न्यूट्रिशनिस्ट और डाइटीशियन शिखा अग्रवाल शर्मा के अनुसार, बादाम गर्मियों में भी फायदा पहुंचाता है लेकिन ज्यादातर लोग इसका गलत तरीके से सेवन करते हैं। बादाम से ज्यादा ताकत और पोषण पाने के लिए आपको इसके सही उपयोग और सेवन का सही तरीका पता होना चाहिए।

बादाम खाने के फायदे

बादाम विटामिन, मिनरल्स हेल्दी फैट से भरपूर होते हैं। इनमें विटामिन E, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फाइबर, और मोनोअनसैचुरेटेड फैट (जैसे कि ओमेगा-3) प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

बादाम में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट और फाइबर कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने और दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

बादाम ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं, जो डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

बादाम फाइबर और प्रोटीन से भरपूर होते हैं जो आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं और वजन कम करने में मदद कर सकते हैं।

बादाम विटामिन E और एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत हैं जो दिमाग को तेज करने और याददाश्त और एकाग्रता में सुधार करने में मदद करते हैं।

बादाम में मैग्नीशियम और कैल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाने और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों को रोकने में मदद करता है।

भीगे बादाम खाएं

एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकतर लोग कच्चे बादाम खाते हैं और भर भरकर खाते हैं। बादाम से ज्यादा पोषक तत्व लेने के लिए आपको

इन्हें भिगोकर खाना चाहिए। बादाम को भिगोने से पोषक तत्व और गुण बढ़ जाते हैं और सबसे बड़ी बात इनकी विषाक्ता भी कम हो जाती है।

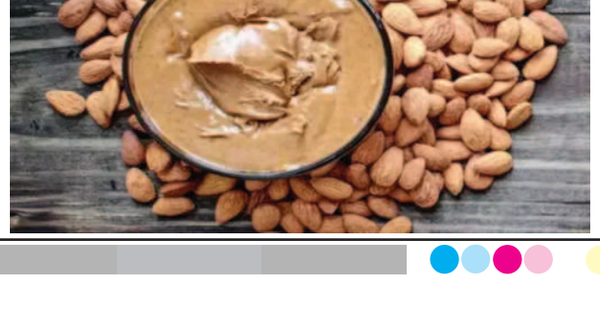

योगर्ट पारफेट बनाएं

बादाम और योगर्ट मिलाकर आप एक परफेक्ट पारफेट बना सकते हैं। यह न केवल एक टेस्टी स्नैक है बल्कि प्रोटीन, प्रोबायोटिक्स और एंटीऑक्सीडेंट का बेहतरीन सोर्स भी है।

कैंडी बार बनाकर खाएं

बादाम एनर्जी का बेहतरीन सोर्स है। यह न केवल आपको एक्टिव रखता है, बल्कि शरीर में ऊर्जा की कमी को भी पूरी करता है। इसलिए आप बादाम का सेवन कैंडी बार के रूप में कर सकते हैं। बादाम को पीसकर, उसमें नारियल, खजूर और शहद मिलाकर कैंडी बार बनाएं।

फ्राइड सब्जी में करें उपयोग

आप अपने भोजन में भी बादाम को शामिल कर सकते हैं। तली भुनी सब्जियों में बादाम को फ्राई करके डालें। इससे खाने में कुरकुरा बना रहेगा और सब्जी भी स्वादिष्ट बनेगी।

बादाम के मक्खन का विकल्प चुनें

अगर आप कच्चे बादाम नहीं खा सकते, तो आल्मंड बटर का ऑप्शन चुनें। सुबह होल ग्रेन टोस्ट पर इसे लगाकर खा सकते हैं। बादाम के मक्खन में प्रोटीन और हेल्दी फैट का कॉम्बिनेशन आपको भरा हुआ और संतुष्ट महसूस करता है।

क्या आपको भी अक्सर भोजन से अरुचि होती है

प्रश्न : अक्सर भोजन से अरुचि हो जाती है। ऐसे में क्या खाएं क्या ना खाएं कृपा कर बताएं।

- श्रीमन्नारायण शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : भोजन में अरुचि हो जाने पर कुछ घरेलू नुस्खे दे रहा हूं, जिनका प्रयोग करने से आपको दोबारा भोजन में रूचि हो सकती है।

*अदरक को बहुत बारीक काटकर नींबू के रस में डालकर रखें, दो-तीन घंटे के बाद उसमें सेंधा नमक मिलाकर खाने से अरुचि दूर होती है।

* खजूर को नींबू के रस के साथ चटनी बना कर खाएं ।

* संतरे के रस में सेंधा नमक व कालीमिर्च का चूर्ण मिलाकर पिएं।

* टमाटर का सूप बनाकर पिएं।

* मूली को बीच से चीर कर उस पर सेंधा नमक और नींबू का रस डालकर खाएं।

* गाजर के रस में काली मिर्च का चूर्ण और हल्का सा सेंधा नमक मिलाकर पिएं।

* कब्ज के कारण अरुचि हो तो पपीता काट कर सेंधा नमक, काली मिर्च, नींबू का रस मिलाकर खाएं।

* आंवले और मुनक्के को 10-10 ग्राम मात्रा में लेकर पीसकर मुंह में रखें। इसका रस चूसने से अरूचि दूर हो जाती है।

* जामुन व फालसे में सेंधा नमक मिलाकर खाएं।

* प्याज, मूली, खीरा, चुकंदर का सलाद बनाकर उसमें नींबू का रस, सेंधा नमक और काली मिर्च का चूर्ण मिलाकर खाएं।

* नींबू की शिकंजी बनाकर उसमें एक लौंग और पांच कालीमिर्च का चूर्ण मिलाकर दिन में दो बार पिएं।

शास्त्रीय योग में लवण भास्कर चूर्ण को ताजी छाछ में मिलाकर पीने से अरुचि दूर होती है। ऊंझा हिंग्वाष्टक चूर्ण को भी छाछ के साथ मिलाकर लेने से लाभ होता है। भोजन के पहले ऊंझा चित्रकादि वटी चूसने से अरुचि दूर होती है। मानसिक व्यग्रताजन्य अरुचि में ऊंझा प्रवाल पंचामृत रस एवं ऊंझा ताप्यादि लोह लेने से लाभ होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। कमर दर्द की समस्या से परेशान हूं। कृपया इसके उपचार के सरल उपाय बताएं।

- प्रसाद राजू, विजयवाड़ा

उत्तर : कमर दर्द का मुख्य कारण वात का कुपित होना एवं शरीर का दुर्बल होना है। कमर दर्द के कारण सीधा खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में यह दर्द अधिक बढ़ जाता है। कुछ महत्वपूर्ण घरेलू उपचारः

*अदरक और घी : अदरक का रस चार चम्मच तथा शुद्ध गाय का घी दो चम्मच मिलाकर एक खुराक प्रतिदिन लेते रहने पर कुछ ही दिनों में कमर का दर्द ठीक हो जाता है।

*आलू की पुल्टिस : कमर दर्द का बचाव करने के लिए कच्चे आलू की पुल्टिस तैयार करें। इसे कमर पर लगाकर साफ पट्टी बांध दें। कुछ देर उल्टे लेटे रहे। काफी आराम मिलेगा।

* अश्वगंधा की जड़ का चूर्णः कमर दर्द के स्थाई आराम के लिए 5 ग्राम अश्वगंधा का पाउडर तथा एक चम्मच पीसी खांड या शक्कर लेवें। ऐसी दो खुराक सुबह और शाम रोगी को दें ,अवश्य आराम होगा।

* अरंडी के तेल से कमर पर मालिश करने से कमर दर्द में आराम मिलता है।

शास्त्रीय योगों में ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वात गजांकुश रस, औरा अश्वगंधा घनवटी-इन तीनों की एक एक गोली सुबह, दोपहर, शाम भोजन के बाद देने से कमर का दर्द स्थाई रूप से कम होता है । औरा रुमाटाईज टिकिया एवं ऊंझा रूमूव कैप्सूल सुबह - शाम भोजन के बाद महारास्नादि काढ़ा के संग लेने से काफी आराम मिलता है। कमर दर्द पर उंझा महानारायण तेल या औरा रुमाटाइज ऑयल की मालिश करने से दर्द जल्दी ही ठीक होता है।

चिकित्सा काल में वातकारक आहार-विहार से बचें । बासी भोजन, खटाई, गुड व तेल में तले पदार्थ से परहेज करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। लगता है मैं नपुंसकता का रोगी हूं। शिश्न में उत्थान नहीं होता और ना ही सेक्स की इच्छा होती है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- क ख ग, हैदराबाद

उत्तर : जीवन में चिंता, संभोग के समय एकांत की कमी, मधुमेह रोग, हस्तमैथुन, संभोग के समय डर, वीर्य में स्पर्म का अभाव नपुंसकता को उत्पन्न करते हैं।

आयुर्वेद में इसका इलाज है। घरेलू चिकित्सा में : उड़द की दाल के लड्डू प्रतिदिन खाकर अनुपान में दूध पीने से वीर्य बढ़ता है। नागौरी असगंध व विधारा दोनों 250 ग्राम लेकर चूर्ण बना ले, इसे सुबह शाम दो-दो चम्मच देसी घी में मिलाकर खाएं एवं अनुपान में गाय का दूध पिएं । अवश्य लाभ होगा।

ऊंझा एक्टिविट कैप्सूल, ऊंझा मन्मथाभ्र रस टिकियां एवं औरा अश्वगंधा घनवटी को सुबह- शाम गाय के दूध के साथ लेने पर नपुंसकता दूर होती है।

ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस, ऊंझा पूर्ण चंद्र रस को वाजीटोन के संग लेने से नपुंसकता दूर होती है। भोजन के बाद ग्रेप्सविन, ऊंझा अश्वगंधारिष्ट एवं ऊंझा सारस्वतारिष्ट लेने से पाचन सुचारू होकर चिंता, उद्वेग, व्यग्रता दूर होकर शरीर पुष्ट होता है और नपुंसकता दूर होती है।

प्रश्न : मेरी उम्र 52 वर्ष है पिछले 3 महीने से मैं दाद से परेशान हूं। अंग्रेजी दवा लगाने पर आराम मिलता है पर छोड़ते ही वापस से खाज आनी शुरू हो जाती है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती माधुरी कांबले, उदगीर

उत्तर : हिंदी में दाद, मराठी में गजकर्ण और अंग्रेजी में इसे रिंगवर्म कहते हैं। त्वचा पर तांबे के रंग की गोलाकार पीडिकाओं का उत्पन्न होना और उसमें खाज आने की अवस्था को दाद कहते हैं।

एकौषधि में हल्दी के 1 ग्राम चूर्ण को 100 मिलीलीटर गोमूत्र में मिलाकर दिन में तीन बार सेवन करने से दाद- खाज कम होता है। ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी एवं ऊंझा गंधक रसायन टिकिया को दिन में तीन बार, भोजन के बाद देने से आराम मिलता है। ऊंझा महामरिच्यादि तैल लगाने से आराम मिलता है। खदिरारिष्ट एवं महामंजिष्ठाद्यारिष्ट 15-15 मिलीलीटर दवा दोगुने पानी में मिलाकर भोजन के बाद देने से आराम मिलता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

'आम' नहीं होगा इस बार का बजट

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 23 जुलाई को फाइनेंसियल ईयर 2024-25 के लिए आम बजट पेश करेंगी। यह इस लिहाज से तो खास है ही कि वह लगातार सातवीं बार बजट पेश करने वाली पहली फाइनेंस मिनिस्टर बनेंगी। साथ ही उनके सामने ऐसा बजट पेश करने की चुनौती भी है, जो महंगाई को हवा न दे, अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाए।

आपको पता ही होगा कि इस बार भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं हुआ है। संसद में बहुमत का आंकड़ा हासिल करने के लिए वह सहयोगियों के भरोसे हैं। ऐसे में बीजेपी के लिए आगामी विधानसभा चुनावों की राह भी बजट प्रस्तावों के जरिए ही आसान करनी है। उल्लेखनीय है कि इसी साल हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होना है।

नई सरकारों पर आमतौर पर लोक-लुभावन उपायों का दबाव नहीं होता। निर्मला सीतारमण के पिछले बजट को देखें तो उनका एक भी बजट आम आदमी के लिए लोक-लुभावन रहा भी नही है। लेकिन, माना जा रहा है कि पिछले लोकसभा चुनाव में मिले झटके के बाद इस बार वह मध्यम वर्ग के फ्रेंडली बजट पेश करे। वैसे भी इस साल हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में असेंबली इलेक्शन को देखते हुए राजकोषीय घाटे की चिंता

करने के साथ सरकार आम लोगों को राहत देने पर फोकस कर सकती है।

रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की चीफ इकनॉमिस्ट अदिति नायर ने कहा, 'सरकार ने अंतरिम बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपये के कैपिटल एक्सपेंडिचर का टारगेट दिया था। उसमें कोई कमी किए बगैर वह FY25 में 4.9-5.0% फिस्कल डेफिसिट का टारगेट रख सकती है क्योंकि राजस्व प्राप्तियां बढ़ सकती हैं।' वित्त मंत्री राजकोषीय घाटे को कम करने में सफल रही हैं। वित्त वर्ष 2022 में जीडीपी के 6.7% के लेवल से वह उसे वित्त वर्ष 2024 में 5.6% तक ले आई हैं। सक्षम वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर समीर रस्तोगी ने कहा, 'आमतौर पर नई सरकारों पर पॉपुलिस्ट कदमों का दबाव नहीं होता है। यह सरकार पिछले 10 वर्षों से जिस राह पर चल रही है, उसी दिशा में बढ़ेगी क्योंकि ग्रोथ मोमेंटम को बनाए रखना है। मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के उपाय हो सकते हैं। हालांकि कंजम्पशन बढ़ाने की चुनौती भी है। न्यू टैक्स रिजीम में कुछ बदलाव करके या इनडायरेक्ट तरीके से सरकार ऐसे उपाय कर सकती है, जिससे लोगों के हाथ में खर्च करने लायक रकम बढ़े।'

सूत्रों के मुताबिक, 45 लाख के बजाय 65 लाख रुपये तक के मकानों को अफोर्डेबल हाउसिंग से जुड़े बेनेफिट देने और आयुष्मान भारत योजना में कवरेज बढ़ाने के अलावा सरकार ग्रामीण इलाकों में आवास योजना, मनरेगा और सड़क निर्माण योजनाओं के लिए ज्यादा आवंटन कर सकती है। करीब 46% लोगों को रोजगार देने वाले एग्रीकल्चर सेक्टर की चुनावी अहमियत भी है क्योंकि लोकसभा चुनाव में बीजेपी को ग्रामीण इलाकों में झटका लगा है। दमदार टैक्स रेवेन्यू और आरबीआई से मिले 2.11 लाख करोड़ रुपये के डिविडेंड के चलते सरकार के पास पर्याप्त पैसा भी है। ICRA की अदिति नायर ने कहा, 'बजट में रेवेन्यू एक्सपेंडिचर लगभग 37 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जो अंतरिम बजट से करीब 600 अरब रुपये तक ज्यादा होगा। इस अतिरिक्त खर्च का फोकस मुख्य रूप से रूरल इकॉनमी पर होगा क्योंकि रूरल डिमांड कमजोर है। मौजूदा योजनाओं में आवंटन बढ़ाया जा सकता है और नई स्कीम्स भी लाई जा सकती हैं।'

इस बार के बजट के खास होने का संकेत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दे चुकी हैं। उन्होंने पिछले महीने संसद में अपने अभिभाषण में कहा था कि यह बजट 'दूरगामी नीतियों का दस्तावेज होगा और इसमें बड़े सामाजिक और आर्थिक फैसले होंगे।' वहीं, लगातार दूसरी बार वित्त मंत्री बनने के बाद सीतारमण ने कहा था कि 2014 में आर्थिक सुधारों की जिस राह पर देश बढ़ा था, एनडीए 3.0 सरकार में भी वही दिशा बनाए रखी जाएगी और 'ईज ऑफ लिविंग' सुनिश्चित करने की दिशा में और काम किया जाएगा।

नौ अरब डालर का निवेश और 10,000 लोगों को नौकरी

क्या है गौतम अडानी का प्लान?

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)।भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर गौतम अडानी ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। अडानी ग्रुप ने ग्रीन हाइड्रोजन बिजनस के पहले चरण के लिए नौ अरब डॉलर के निवेश की योजना बनाई है। इसमें से चार अरब डॉलर का निवेश मशीनरी, मैन्युफैक्चरिंग प्लांट आदि पर किया जाएगा जबकि पांच अरब डॉलर 5 गीगावॉट इलेक्ट्रोलाइजर मेकिंग कैपिसिटी के विकास पर खर्च किए जाएंगे। माना जा रहा है कि इससे करीब 10,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। अडानी ग्रुप ने तीन मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन कैपेसिटी का टारगेट रखा है। इसमें से एक मिलियन टन कैपेसिटी 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य है।

अडानी कई बार यह दावा कर चुके हैं कि उनकी दुनिया की सबसे सस्ती ग्रीन हाइड्रोजन बनाएगी। सूत्रों के मुताबिक ग्रीन हाइड्रोजन का प्रॉडक्शन शुरू होने के बाद अडानी ग्रुप इसे जहाजों के जरिए यूरोप और कुछ एशियाई देशों को एक्सपोर्ट करेगा। इस सेक्टर में अडानी ग्रुप का मुकाबला लार्सन एंड टुब्रो, इंडियन ऑयल और ऑयल इंडिया से हो सकता है। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में ग्रीन हाइड्रोजन की भूमिका को अहम माना जा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन पानी और क्लीन इलेक्ट्रिसिटी से बनती है और इसे भविष्य का ईंधन कहा जा रहा है। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी ग्रीन एनर्जी में में 75 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है।

इलेक्ट्रोलाइजर सूत्रों का कहना है कि अडानी ग्रुप के ग्रीन हाइड्रोजन बिजनस का पहले चरण एल्केलाइन इलेक्ट्रोलाइजर पर आधारित होगा। इसमें एक किलो हाइड्रोजन बनाने के लिए कम से कम नौ किलो पानी की जरूरत होती है। बाद में एनियन एक्सचेंज मेंबरेन पर आधारित इलेक्ट्रोलाइजर बनाएगा। ग्रीन बिजनस के लिए अडानी ग्रुप ने अडानी न्यू इंडस्ट्रीज नाम से एक कंपनी बनाई है। पिछले फाइनेंशियल ईयर में अडानी ग्रुप की टोटल इनकम में इसकी हिस्सेदारी नौ फीसदी थी। अडानी ग्रुप की बिजनस कई सेक्टर्स में फैला है और यह मार्केट कैप के हिसाब से टाटा ग्रुप और रिलायंस के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है।

कैसे बनेगी अपनी छत

मकानों के दाम तो 49 फीसदी तक चढ़े

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अभी तक आपने अपना आशियाना नहीं बनवाया है या खरीदा है तो अब यह महंगा पड़ेगा। जी हां, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में पिछले 5 वर्षों के दौरान मकानों के दाम औसतन 49% बढ़े हैं। दरअसल, कोरोना काल खत्म होने के बाद बाजार में मकानों की ज्यादा डिमांड है। इसी के चलते 'रेकॉर्डतोड़' बिक्री हो रही है। इससे मकानों की अनसोल्ड इनवेंटरी घटी है और इसका ऐवरेज प्राइस बढ़ा है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट एनारॉक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

एनारॉक ग्रुप के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, 'एनसीआर में साल 2019 की पहली छमाही और 2024 की पहली छमाही के बीच मकानों के औसत दाम 4565 रुपये प्रति स्क्वेयर फुट से 49% बढ़कर 6800 रुपये प्रति स्क्वेयर फुट हो गए हैं। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में औसत भाव 48% बढ़ा है। वहां ऐवरेज प्राइस 10610 रुपये से बढ़कर 15650 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई है।'

रिपोर्ट के मुताबिक, जोरदार बिक्री से एनसीआर में अनसोल्ड इनवेंटरी 5 साल में 52% घट गई। वहीं मुंबई में यह 13% घटी है। एनसीआर में इस दौरान करीब 2 लाख 72 हजार मकान बिके। इस दौरान मुंबई में 5 लाख 50 हजार मकानों की बिक्री हुई। इस दौरान एनसीआर में जहां लगभग एक लाख 72 हजार नए मकान बने, वहीं मुंबई में करीब 5 लाख 24 हजार यूनिट्स की सप्लाई रही।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीते कुछ वर्षों के दौरान मकानों की जोरदार डिमांड तो रही ही है। इसके अलावा कंस्ट्रक्शन कॉस्ट बढ़ने से भी मकानों के दाम चढ़ गए। हालांकि साल 2016 के आखिरी दिनों से 2019 तक दिल्ली-एनसीआर और मुंबई, दोनों इलाकों में भाव लगभग जस के तस रहे। हुआ यह है कि दोनों जगहों पर रिवाइवल शुरू होने के वक्त ही कोविड महामारी आ गई।

3,400 एकड़ जमीन और 14 कंपनियां

बंटवारे के बाद क्या है गोदरेज एंयरप्राइजेज का प्लान

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। 127 साल पुराने गोदरेज ग्रुप का बंटवारा हो गया है। इसे दो हिस्सों गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप और गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप में बांटा गया है। बंटवारे के बाद जीईजी ने नई रणनीति पर काम शुरू कर दी है। इस ग्रुप में नॉन-लिस्टेड गोदरेज एंड बॉयस और कई दूसरी कंपनियां शामिल हैं। ग्रुप की लीडरशिप इंटिग्रेटेड और स्केलेबल कंज्यूमर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस बिजनस बनाने के लिए एक रणनीतिक योजना पर काम कर रही है। इसके लिए टीम बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के साथ मिलकर काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में आंतरिक चर्चा अभी भी चल रही है और ग्रुप भविष्य में ग्रोथ को गति देने के लिए अलग-अलग स्केलेबल बिजनस यूनिट बनाने पर विचार कर सकता है।

ग्रुप के पास मुंबई में लगभग 3,400 एकड़ जमीन है। इसमें 3,000 एकड़ का एक भूखंड भी शामिल है। एक सूत्र ने कहा कि गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के पास कई लिस्टेड कंपनियां हैं जबकि जीईजी के पास नॉन-लिस्टेड यूनिट हैं। इस मामले में ग्रुप कंजरवेटिव रहा है लेकिन बंटवारे के बाद अब वह ग्रोथ को गति तेज करने के लिए आक्रामक योजना बना सकता है। ग्रुप की नजर मुंबई में जमीन का अधिक से अधिक फायदा उठाने पर भी है। जीईजी का कंट्रोल चेयरमैन और एमडी जमशेद गोदरेज, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नायरिका होलकर, जमशेद की भांजी (उनकी बहन स्मिता कृष्णा की बेटी) और उनके करीब रिश्तेदारों के पास है।

16,000 करोड़ का रेवेन्यू

अभी ग्रुप का रेवेन्यू करीब 16,000 करोड़ रुपये है और उसके पास 14 वर्टिकल हैं। इनमें उपकरण, रक्षा, इंजन और मोटर, ऊर्जा, सुरक्षा, निर्माण सामग्री, निर्माण, स्वास्थ्य सेवा उपकरण, टिकाऊ वस्तुएं, फर्नीचर और इंटीरियर आदि शामिल हैं। GEG के रेवेन्यू का सबसे बड़ा स्रोत अप्लायंसेज और इंटीरियर बिजनस है। मार्च 2024 में समाप्त वर्ष में गोदरेज एंड बॉयस की बिक्री 16,182 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2023 के 14,796 करोड़ रुपये के राजस्व से 9% अधिक है।

बिगड़ा किचन का बजट, हरी सब्जी के बाद चना दाल और मसालों का बढ़ा भाव!

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बारिश का मौसम आते ही पहले हरी सब्जी महंगी हुई। अब चने की दाल, जीरा और हल्दी के भी भाव बढ़ने लगे हैं। ऐसे में लोगों के किचन का बजट बिगड़ने लगा है। कारोबारी बताते हैं कि जैसे ही सब्जियों के दाम बढ़ते हैं, लोग दाल, छोले, राजमा आदि पर शिफ्ट कर जाते हैं। स्थिति यह है कि सबसे सस्ती मिलने वाली चने की दाल भी 120 रुपये किलो तक पहुंच गई है।

कारोबारियों का कहना है कि हर साल जुलाई और अगस्त में चने के रेट बढ़ते

हैं। दरअसल, चने की फसल हर साल मार्च और अप्रैल में कटती है। उस समय नई फसल आने से शुरुआत में इसका भाव कम होता है। लेकिन बाद में धीरे-धीरे यह चढ़ने लगता है। गौरतलब है कि चने की पैदावार मध्य प्रदेश, हरियाणा समेत कई राज्यों में होती है।

किराना शॉप चलाने वाले एक रिटेल दुकानदार प्रवीण बताते हैं कि इन दिनों अरहर की दाल की कीमत लगभग 200 रुपये प्रति किलो है। अच्छे किस्म की अरहर दाल सवा दो सौ रुपये किलो बिक रही है। हालांकि, इसके रेट कई दिनों से स्थिर हैं। लेकिन चने की दाल के भाव बढ़ रहे हैं। पिछले महीने तक 100 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकने वाली चने की दाल की कीमत अब 115 से 120 रुपये हो गई है।

सेंसेक्स 36 अंक गिरकर 79,960 पर बंद

निफ्टी 24,320 के स्तर पर बंद हुआ, बैंकिंग और मेटल शेयर फिसले

मुंबई , 8 जुलाई (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी आज, 8 जुलाई को शेयर बाजार में फ्लैट कारोबार देखने को मिला है। सेंसेक्स 36 अंक की गिरावट के साथ 79,960 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 3 अंक की गिरावट रही। ये 24,320 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में गिरावट और 15 में ही तेजी देखने को मिली है। आज बैंकिंग और मेटल शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। वहीं IT, FMCG और पावर शेयर्स में बढ़त रही।

एशियाई बाजारों में गिरावट देखने को मिली है। जापान के निक्केई में 0.32% की गिरावट रही। हांगकांग के हैंगसेंग 1.55% नीचे बंद हुआ। वहीं शंघाई कंपोजिट में 1.55% की गिरावट रही।

HDFC बैंक, टाइटन, M&M, TCS, टाटा स्टील और अडाणी पोर्ट्स ने बाजार को नीचे खींचा। वहीं टाटा मोटर्स, ITC, रिलायंस, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एयरटेल ने बाजार को ऊपर खींचा। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार में बढ़त देखने को मिली। डाओ जोंस 67.87 (0.17%) अंक चढ़कर 39,375 पर बंद हुआ। वहीं NASDAQ 164.46 (0.90%) अंक बढ़कर 18,352 पर बंद हुआ।

जिंका लॉजिस्टिक्स ने IPO लाने के लिए DRHP दाखिल किया

बेंगलुरु स्थित 'जिंका लॉजिस्टिक्स सोल्यूशन्स लिमिटेड' ने IPO लाने के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। जिंका लॉजिस्टिक्स ट्रक ऑपरेटर्स का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म है। कंपनी में एक्सेल और फ्लिपकार्ट का भी निवेश है।

1 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के फेस वैल्यू वाला यह IPO 2.16 करोड़ शेयरों का इश्यू होगा। इसमें नए शेयर्स के साथ ही कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। इस IPO के जरिए 550 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 5 जुलाई को शेयर बाजार में फ्लैट कारोबार देखने को मिला था। सेंसेक्स 53 अंक की गिरावट के साथ 79,996 के स्तर पर बंद हुआ था।

वहीं, निफ्टी में 21 अंक की तेजी रही, ये 24,323 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयर में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट देखने को मिली थी।

737 मैक्स हादसे से जुड़े आपराधिक आरोप में बोइंग को दोषी ठहराया जाएगा

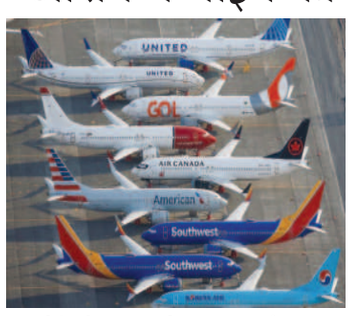

अमेरिकी सरकार ने अदालत को बताया

नई दिल्ली , 8 जुलाई (एजेंसियां)। बोइंग को 737 मैक्स जेटलाइनर्स के हादसे से उपजे आपराधिक धोखाधड़ी के आरोप में दोषी ठहराया जाएगा। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार कंपनी ने एक समझौते का उल्लंघन किया है जिसके तहत तीन साल से अधिक समय तक कंपनी को अभियोजन से बचाया गया था। सरकार ने रविवार देर रात अदालत में यह बात कही। संघीय अभियोजकों ने बोइंग को इस सप्ताह दोषी ठहराने और सजा के हिस्से के रूप में जुर्माना भरने या अमेरिका को धोखा देने की साजिश के आपराधिक आरोप पर मुकदमे का सामना करने का विकल्प दिया। टेक्सास में संघीय अदालत में दायर एक न्याय विभाग (डीओजे) दस्तावेज के अनुसार, याचिका सौदा, जिसे अब भी प्रभावी होने के लिए एक संघीय न्यायाधीश की मंजूरी प्राप्त करनी होगी के तहत बोइंग को अतिरिक्त 243.6 मिलियन डॉलर का जुर्माना देने के कहा जाएगा। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा है कि बोइंग ने अपनी सुरक्षा और अनुपालन कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए अगले तीन वर्षों में कम से कम 455 मिलियन डॉलर का निवेश करने पर भी सहमति व्यक्त की है। विभाग फर्म के अनुपालन की देखरेख के लिए एक तृतीय-पक्ष मॉनिटर नियुक्त करेगा। मॉनिटर को कंपनी की प्रगति पर वार्षिक रिपोर्ट अदातल में सार्वजनिक रूप से फाइल करनी होगी। दोषी ठहराए जाने की याचिका से अमेरिकी रक्षा विभाग और नासा जैसी कंपनियों के साथ आकर्षक सरकारी अनुबंधों को हासिल करने में कंपनी की साख को बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा।

आज सोने–चांदी के दाम में तेजी

73 हजार रुपए पर पहुंचा सोना, चांदी 591 रुपए चढ़कर 91,300 रुपए में बिक रही

मुंबई , 8 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 8 जुलाई को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 270 रुपए बढ़कर 72,910 रुपए पर पहुंच गया है। कल इसके दाम 72,640 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

वहीं एक किलो चांदी 591 रुपए चढ़कर 91,300 रुपए में बिक रही है। इससे पहले चांदी 90,709 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी। रुपए है। इस साल अब तक 9 हजार से ज्यादा बढ़े चुके हैं सोने के दाम

इस साल अब तक सोने के दाम 9,040 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,870 रुपए पर था। जो अब 72,910 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन..	04-10 बजे
चंद्र-	कर्क में	कर्क...	06-23 बजे
मंगल	मेष में	सिंह...	08-34 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या..	10-41 बजे
गुरु-	वृष में	तुला.....	12-48 बजे
शुक्र-	कर्क में	वृश्चिक..	14-58 बजे
शनि-	कुंभ में	धनु.....	17-10 बजे
राहु-	मीन में	मकर..	19-16 बजे
केतु-	कन्या में	कुंभ....	21-08 बजे
		मीन...	22-45 बजे
		मेष.....	00-21 बजे
		वृष.....	02-06 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-51 सूर्यास्त. - 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल .. उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 06-08 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - आषाढ़ शुक्ल , मंगलवार 09 July
नक्षत्र - आश्लेषा 07-52 तक उपरान्त मघा
योग - सिद्ध 02-26 तक उप व्यतिपात
करण- गर 06-08 तक उप वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - भद्रा काल - 18-57 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:37 से 17:15 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	05:51 - 07:27 अशुभ	काल.	18:50 - 20:16 अशुभ
उत्पात	07:27 - 09:05 अशुभ	लाभ	20:16 - 21:38 शुभ
चंचल	09:05 - 10:43 शुभ	उत्पात	21:38 - 22:59 अशुभ
लाभ	10:43 - 12:21 शुभ	शुभ	22:59 - 00:22 शुभ
अमृत	12:21 - 13:59 शुभ	अमृत	00:22 - 01:44 शुभ
काल	13:59 - 15:37 अशुभ	चंचल	01:44 - 03:06 शुभ
शुभ	15:37 - 17:15 शुभ	रोग	03:06 - 04:28 अशुभ
रोग	17:15 - 18:50 अशुभ	काल	04:28 - 05:51 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा बाद में आप अच्छा और आत्मविश्वास से भरा अनुभव करेंगे

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें तर्कशक्ति से काम लें अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें निवेश के लिए अच्छा दिन है अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज फैसला लेने का दिन है आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा मछली खाते हुए सावधान रहें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे आपके लिए रोमांचक समय है आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आलमगीर आलम की जगह इरफान अंसारी बनेंगे मंत्री

बयानबाजी में माहिर हैं जमाताड़ा विधायक मुस्लिम वोटबैंक साधने की सरकार की कवायद

रांची, 8 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में विश्वासमत के साथ आज कैबिनेट विस्तार की भी चर्चा तेज है। 11 बजे सदन में विश्वासमत पेश होगा जिसके बाद कैबिनेट विस्तार का फैसला लिया जाना है। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के इस्तीफे के बाद से उनकी जगह खाली है।

लंबे वक्त से कैबिनेट विस्तार की चर्चा है, लेकिन कांग्रेस को फैसला लेने में काफी समय लगा। अब चर्चा है कि आलमगीर आलम की जगह इरफान अंसारी की दावेदारी तय हो गई है। इस फैसले से कांग्रेस मुस्लिम वोट बैंक साधने की कोशिश करेगी। कांग्रेस विधायक दल का नेता कौन होगा, इसे लेकर भी आज फैसला हो सकता है।

एक महीने पहले आलमगीर आलम ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने मंत्री पद के साथ कांग्रेस विधायक दल का पद भी छोड़ दिया है। उनकी गिरफ्तारी और जेल जाने के बाद से ग्रामीण विकास विभाग का काम ठप पड़ गया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने इस्तीफा देने से तीन दिन पहले अपने पास ले लिया था।

बता दें कि ईडी ने 6 मई को मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर रेड मारी थी। इसमें 32 करोड़ 20 लाख रुपए कैश की बरामदगी हुई थी। पूछताछ के दौरान इस मामले में मंत्री को पीएस संजीव कुमार लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम को 6 मई की देर रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

मंत्रालय में बचे ये केवल 10 मंत्री

आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद से अब सोरेन कैबिनेट में 10 मंत्री ही बचे हैं। सरकार के अब तक कांग्रेस कोटे से चार, राजद से एक और जेएमएम से पांच मंत्री थे। जिसमें से कांग्रेस कोटे से आलमगीर आलम ने इस्तीफा दे दिया है। सरकार में नियमानुसार 12 मंत्री हो सकते हैं, लेकिन अब तक 12वें मंत्री का पद किसी को नहीं दिया गया है। इस तरह से राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री के दो पद रिक्त हैं। इस मामले में 15 मई की शाम मंत्री आलमगीर आलम को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इसके पहले उनसे 14 और 15 मई को कुल मिलाकर करीब 14 घंटे पूछताछ की गई थी। बाद में उन्हें ईडी ने कोर्ट में पेश किया। जहां ईडी ने कोर्ट को बताया कि ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर कमीशन घोटाले में इंजीनियर, अधिकारी और मंत्री का एक संगठित गिरोह सक्रिय था। ईडी ने नमूने के तौर पर जनवरी महीने में पारित 92 करोड़ के 25 टेंडर के ब्यौरे से संबंधित एक पेपर भी कोर्ट में जमा किया है, जिसमें यह स्पष्ट लिखा हुआ है कि मंत्री आलमगीर आलम ने सभी 25 टेंडर में कमीशन के रूप में 1.23 करोड़ रुपए लिए थे।

अपने बयान को लेकर इरफान अंसारी हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को असली राम और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन को मां सीता और मां दुर्गा का अवतार बता दिया था। इस बयान को लेकर विपक्ष ने इरफान पर जमकर निशाना साधा था।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आपत्ति जताते हुए एक्स पर लिखा, 'इरफान अंसारी जी, भगवान राम आपको नकली नजर आते हैं और चोर-उचक्कों में राम नजर आते हैं। आपके पैसे के लालच में, आपके ही राजनीतिक सहयोगी के माध्यम से भैया-भाभी ने दो कांग्रेस विधायकों के साथ आपको बंगाल में पकड़वाया।

'दीदी' के जरिए उल्टा लटकवा कर पिटवाया, जेल भिजवाया और राज्य में कांग्रेस की लुटिया डुबो कर नाक कटवा दी। तब इनके प्रति आपका जो नजरिया था, अब भी वही है या कुर्सी की लालच में बदल गया?' उन्होंने आगे लिखा, 'शर्म करिए। आपने तो मंत्री पद के चक्कर और लालच में आत्मसम्मान को भी गिरवी रख दिया। अपनी लालसा पूरी करने के लिए झारखंड में धार्मिक उन्माद फैलाने के आपके नापाक मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे।

छत्तीसगढ़ में पंचायत सचिवों का होगा शासकीयकरण

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के पंचायत सचिवों के सरकारीकरण करने के लिए कमेटी बनाने की घोषणा की है। रायपुर के इनडोर स्टेडियम में रविवार को पंचायत सचिव संघ के सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीएम साय ने कहा कि, सचिवों का शासकीय-करण मोदी की गारंटी में है। इसे हम पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि, सरकार पंचायत सचिवों के हितों का पूरा ध्यान रखती है। सरकार बनते ही पंचायत सचिवों की अपेक्षाओं को पूरा किया गया। प्रदेश पंचायत सचिव संघ की शासकीय-करण की मांग को पूरा किया जाएगा। इस पर संघ के पदाधिकारियों ने सीएम को गजमाला पहनाकर आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, मैंने 5 साल पंच और निर्विरोध सरपंच रहकर जनता की सेवा की है। देश का विकास पंचायतों के विकास से ही संभव है।

केंद्र या राज्य सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायतों के माध्यम से ही होता है। सरपंच और सचिव के हाथों में ग्राम के विकास की चाबी होती है। मुख्यमंत्री ने पंचायत सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि, सभी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सचिवों के माध्यम से ही होता है।

हेमंत कैबिनेट में चंपाई-रामेश्वर समेत 11 ने ली शपथ

झारखंड विधानसभा में सीएम ने फ्लोर टेस्ट पास किया, पक्ष में 45, विपक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा

रांची, 8 जुलाई (एजेंसियां)। हेमंत सोरेन की सरकार ने सदन में विश्वासमत हासिल कर लिया है। सरकार के पक्ष में 45 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में 0 वोट डाले गए। सदन में बहुमत साबित करने के बाद हेमंत कैबिनेट का विस्तार किया गया। नये मंत्री के रूप में सबसे पहले चंपाई सोरेन ने शपथ ली। इसके बाद रामेश्वर उरांव, दीपिका पांडेय सिंह, बैजनाथ राम और इरफान अंसारी मंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही दीपक बरुआ, बन्ना गुप्ता, सत्यानंद भोक्ता, मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल हसन और बेबी देवी ने भी मंत्री पद की शपथ ली। हांलाकि, हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन को कैबिनेट में जगह नहीं मिली है। इससे पहले, सदन में विश्वास मत पर चर्चा के दौरान जैसे ही सीएम हेमंत सोरेन बोलने के लिए उठे, वैसे ही बीजेपी विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। सीएम ने कहा कि मुझे सदन में फिर से देखकर विपक्ष को कैसा लग रहा होगा, मैं समझ सकता हूं। साथ ही कहा कि सदन में विपक्ष के जितने भी विधायक दिख रहे हैं, उनमें से आधे भी अगली बार दिख गए तो बड़ी बात होगी। सीएम ने चंपाई सोरेन को 5 महीने सरकार चलाने के लिए बधाई दी। बता दें कि 28 जून को हेमंत सोरेन जेल से रिहा हुए थे। 3 जुलाई को चंपाई सोरेन ने इस्तीफा दिया था और हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। 5 जुलाई को हेमंत सोरेन ने तीसरी बार सीएम पद की शपथ ली थी। सदन में विश्वासमत पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने बेरोजगारी और अपराध के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि पहले कैबिनेट का विस्तार होना चाहिए था, फिर विश्वास मत का प्रस्ताव आना चाहिए। आगे कहा कि सरकार जिस रोजगार के दावे को लेकर सत्ता में आई, उसे पूरा नहीं किया गया। वहीं पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने विधानसभा में कहा कि लोकतंत्र में पार्टी और गठबंधन के निर्णय को मानना पड़ता है। मैंने 5 महीने तक सरकार चलाई। मुझे लगता है कि प्रदेश के विकास के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। इधर सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले बीजेपी विधायकों प्रदर्शन किया। सदन के बाहर भाजपा के विधायक विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी करते नजर आए। इससे पहले मुख्यमंत्री खुद ड्राइव कर विधानसभा पहुंचे, उनके साथ उनकी पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी सदन पहुंचीं।

छत्तीसगढ़ को जल्द मिलेंगे दो नए मंत्री

कैबिनेट विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कही ये बात

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। विष्णुदेव साय कैबिनेट में अब तक दो पद खाली है। इसे लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि जल्द ही मंत्रिमंडल में विस्तार होगा। इस संबंध में थोडा इंतजार करने को कहा है। मध्यप्रदेश के कैबिनेट विस्तार को लेकर सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी होगा, इंतजार करिए। उन्होंने विधानसभा मानसून सत्र को लेकर कहा कि सब तैयारी है। सीएम साय ने यह बात रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा में शामिल होने के दौरान कही है। भगवान जगन्नात रथयात्रा में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत कई नेता शामिल हुए। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात की। बघेल ने इस दौरान मंत्रिमंडल के खाली पदों चर्चा की। साथ ही संसदीय कार्य मंत्री की तुरंत नियुक्ति की बात कही है। इस मुलाकात के दौरान पूर्व सीएम ने कई विषयों पर चर्चा की है। रथयात्रा में शामिल होने राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री राम विचार नेताम और विधायक पुरंदर मिश्रा समेत कई नेता मौजूद रहे। मीडिया से चर्चा के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि आज हम लोगों का सौभाग्य है कि रायपुर में जगन्नाथ मंदिर में महा प्रभु जगन्नाथ जी, बलभद्र स्वामी और माता सुभद्रा का विधिवाद पूजा अर्चना किए हैं। ऐसे अवसर में यहां भारी उत्साह है। सब ने मिलकर पूजा अर्चना की छत्तीसगढ़ की खुशहाली की कामना किए हैं।

छत्तीसगढ़ के 16 जिलों में हैवी रेन का यलो अलर्ट

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के 16 जिलों में मौसम विभाग ने हैवी रेन का यलो अलर्ट जारी किया है। रायपुर में सुबह से बारिश हो रही है। दुर्ग, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, बेमेतरा, कबीरधाम, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी,बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर में मध्यम से भारी बारिश के आसार हैं। वहीं 11 जुलाई तक कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में 1 जून से 7 जुलाई तक 202.7 मिलीमीटर बारिश हुई है। जो औसत से 25% कम है। अब तक 271.9 मिली मीटर बारिश हो जानी चाहिए थी। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पेंड्रा, सोनहत और कोंटा में रिकॉर्ड की गई। गीदम, दोरनापाल, जगरगुंडा में 20 मिलीमीटर हुई। रायगढ़, मनेंद्रगढ़, मरवाही, बरमकेला में 10 मिलीमीटर बारिश हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक 9 जुलाई को बस्तर दंतेवाड़ा सुकमा, दुर्ग, बेमेतरा कबीरधाम, पेंड्रा बिलासपुर मुंगेली और कोरिया जिले में भी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

रानू साहू को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, पर नई एफआईआर

आय से अधिक संपत्ति में ईओडब्ल्यू ने सौम्या चौरसिया, विश्नाई पर भी दर्ज किया मामला

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कोल स्कैम मामले में निलंबित आईएएस रानू साहू और कारोबारी दीपेश टांक को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को जमानत मिल गई है। रानू साहू एक साल और दीपेश करीब डेढ़ साल से जेल में बंद थे। ईडी ने दोनों को मनी लॉन्ड्रिंग और कोयला घोटाला केस में गिरफ्तार किया था।

वहीं दूसरी ओर ईओडब्ल्यू ने रानू साहू सहित जेल में बंद निलंबित आईएएस सौम्या चौरसिया और समीर बिश्नोई के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज कर ली है। तीनों पर आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि नई एफआईआर 2 जुलाई को दर्ज की गई थी। सौम्या चौरसिया के परिवार के नाम पर 9.20 करोड़ की 29 अचल संपत्ति होने की पुष्टि ईओडब्ल्यू ने की है। इन संपत्ति को साल 2021 से 2022 के बीच खरीदा गया। वहीं रानू साहू पर साल 2015 से 2022 तक करीब 4 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति खुद के व पारिवारिक के सदस्यों के नाम और आईएएस समीर बिश्नोई ने अपनी पत्नी प्रीति गोधरा के नाम 5 करोड़ रुपए की कई अचल संपत्ति खरीदने का आरोप है। ईओडब्ल्यू ने अपनी एफआईआर में बताया है कि रानू साहू जुलाई 2021 से जुलाई 2022 तक कलेक्टर कोरबा के रूप में पदस्थ रहीं। उन्होंने लोकसेवक के रूप में कार्य करते हुये काफी अधिक मात्रा में स्वयं और परिवार के सदस्य के नाम से करोड़ों रुपयों की अचल संपत्तियां अर्जित की। रानू साहू के सूर्यकांत तिवारी और उसके सिंडीकेट के सदस्यों के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र करते हुए कोयला ट्रांसपोर्टरों से डीओ और टीपी परमिट जारी किए जाने के लिए 25 रुपए प्रति टन की अवैध वसूली में सक्रिय सहयोग प्रदान करने, उससे लाखों रुपए का लाभ प्राप्त करने का आरोप है। रानू साहू के जहां भी पदस्थ रहीं हैं, वहां पर किसी न किसी माध्यम से भ्रष्टाचार कर स्वयं को आर्थिक रूप से समृद्ध करती रहीं है। अपने एवं परिवार के सदस्यों के नाम पर वर्ष 2015 से अक्टूबर 2022 तक लगातार अचल संपत्ति क्रय किये जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। साहू और उनके परिवार के नाम पर 24 प्रॉपर्टी मिली है। रानू साहू को अपनी सर्विस ज्वाईन करने के बाद से 31.10.2022 तक की स्थिति में वेतन के रूप में लगभग 92 लाख रुपए प्राप्त होने की जानकारी है। जबकि अब तक उनके द्वारा लगभग 3,93,91,949 रुपए निवेश अचल संपत्ति में करने की जानकारी मिली है। इसके अलावा रानू साहू ने अचल संपत्ति, बीमा, शेयर, एस.आई.पी., में निवेश किया है। रानू साहू को ईडी ने 22 जुलाई 2023 को गिरफ्तार किया था। कोयला मामले को लेकर साल 2022 में आयकर विभाग ने सबसे पहले रानू साहू के शासकीय निवास और दफ्तर में छापा मारा था। इसके बाद ईडी ने रानू साहू के घर छापा मारा था। ईडी लंबे समय से रानू साहू को पूछताछ के लिए बुला रही थी। उन पर कोरबा कलेक्टर रहते हुए कोल लेवी मामले और आय से ज्यादा संपत्ति के आरोप हैं।

सौम्या चौरसिया की 29 अचल संपत्ति

पूर्व मुख्यमंत्री की उप सचिव रही सौम्या चौरसिया साल 2008 बैच की राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। वे नगर निगम बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन और अन्य शासकीय पदों पर कार्यरत रही है। दिसम्बर 2019 से नवम्बर 2022 तक मुख्यमंत्री कार्यालय नवा रायपुर अटल नगर में उप सचिव के पद पर कार्यरत थी।

सौम्या चौरसिया ने राज्य प्रशासनिक सेवा में चयनित होने के बाद से दिनांक 31.10.2022 तक के कार्यकाल में करीब 85 लाख 50 हजार रुपए वेतन और अन्य भत्तों के रूप में प्राप्त किया गया है। जबकि उनके और रिश्तेदारों के नाम पर नाम पर 29 अचल संपत्तियां है, जिनका मूल्य लगभग 9 करोड़ 21 लाख 89 हजार 500 रुपए है।

वनकर्मियों के आवासों का हाल बेहाल

बीजापुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बीजापुर में जिला मुख्यालय में वनविभाग के कर्मचारी जिन शासकीय भवनों में रहते हैं उनकी हालत बेहद ख़राब व जर्जर है। किसी के आवास का दरवाजा टूटा है तो किसी की खिड़की। वहीं कई वर्षों से आवासों में रंगाई पोताई तक नहीं कराई गई है। ऐसे में वनविभाग के इन आवासों की मरम्मत न होने से इनमें परिवार के साथ साथ वनकर्मियों को भी काफ़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवासों में रहने वाले लोगों ने बताया की कई बार हम अपने आवासो की मरम्मत के लिए लिखके दे चुके है। वहीं बीच-बीच में विभाग के लोग भी समस्या जानने के लिए आते हैं और समस्याएं लिखकर ले जाते हैं लेकिन कई साल हो गए विभाग की ओर से हमारे आवासो में किसी भी प्रकार का मरम्मत और न ही रंगाई पोताई का काम किया गया है। जिससे आवासों की हालत सही नहीं है।

पूर्व पार्षद को मारी गोली, गर्दन में अटकी

भागने के दौरान बदमाश की गिरी पिस्तौल, जगन्नाथपुर मेला के टेंडर को लेकर था विवाद

रांची, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी रांची के धुर्वा बस स्टैंड में वार्ड 39 के पूर्व पार्षद वेद प्रकाश को रविवार की देर शाम 7 बजे अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी। गोली उनके गर्दन में फंसी हुई है। उन्हें गंभीर हालत में धुर्वा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वेद प्रकाश धुर्वा बस स्टैंड के पास एक चाय दुकान में शाम में बैठे थे। शाम करीब 7 बजे तीन अपराधी वहां पहुंचे। दो ने उनपर गोली चलाई। एक ने उनके गर्दन में सटाकर गोली मार दी। उन्हें तीन गोलियां लगी है।

गोली मारने के बाद तीनों अपराधी बाइक से भाग निकले। इसी दौरान एक कट्टा वहां गिर गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जगन्नाथपुर मेला के टेंडर को लेकर भी वेद प्रकाश सिंह का कुछ लोगों से विवाद हुआ था। इससे पहले धुर्वा में लगने वाले साप्ताहिक हाट को लेकर वे विवादों में थे।

जिसे टेंडर मिला था उसे मासूल वसूली नहीं करने दे रहे थे। इसे लेकर साप्ताहिक बाजार के ठेकेदार ने प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। इधर, घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में लोग अस्पताल में जुट गए। उन्होंने नारेबाजी भी की।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और अपराधी की पिस्तौल को जब्त कर लिया। रांची पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस को अंदेशा है कि आपसी रंजिश में इस घटना को अंजाम दिया गया है। इधर, एसएसपी ने एसआईटी का भी गठन कर दिया है। पुलिस ने लोगों को जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। अपराधियों की धर पकड़ के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के साथ-साथ एफएसएल टीम की मदद भी ली जा रही है।वेद प्रकाश सिंह रांची नगर निगम के वार्ड नंबर-39 के निवर्तमान पार्षद हैं। वे भारतीय जनता पार्टी में काफी सक्रिय भी हैं। घटना की सूचना मिलते ही भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और सदन में विपक्ष के नेता अमर बाउरी भी पहुंचे। बाबूलाल ने कहा- पहले भी उन्होंने यह बात पुलिस को बताई थी कि उन्हें जान का खतरा है। अगर पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई की होती तो उनकी यह हालत नहीं होती। पुलिस ने जानते हुए अपराधी को संरक्षण दिया।

थानेदार को हटाने की भी स्थानीय लोग लंबे समय से मांग कर रहे थे, लेकिन उन्हें हटाया नहीं गया। अगर पुलिस प्रशासन में भ्रष्टाचार रहेगा तो अपराध बढ़ेगा। सारे भ्रष्ट अधिकारी ऊंचे पदों पर बैठे हैं। परिवार में अब भी भय है। बिना विलंब के थाना प्रभारी को बर्खास्त किया जाना चाहिए। यह एक सुनियोजित तरीके से हमला करना, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को साफ करने का प्रयास है।

बता दें कि वेद सिंह हर रोज शाम में समय मे बस स्टैंड स्थित चाय दुकान पर आकर बैठा करते थे। अपराधी जानते थे की वेद सिंह हर दिन चाय दुकान पर आते हैं। घटना के बाद समर्थकों ने विरोध में नारेबाजी की। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने आम लोगों को समझाया कि अपराधी जल्द पकड़े जाएंगे।

रथयात्रा को लेकर जगन्नाथपुर और धुर्वा इलाके में हाई अलर्ट था। 1000 जवानों की अतिरिक्त तैनाती की गई थी। वहां मुख्यमंत्री, रक्षा राज्य मंत्री सहित कई गणमान्य लोग भी गए थे। दिनभर एसएसपी, सिटी एसपी, डीसी रांची सहित पूरा पुलिस महकमा उपस्थित था। एंटी क्राइम चेकिंग भी चलाई गई। इसके बाद भी देर शाम धुर्वा में बस स्टैंड के पास आकर अपराधियों ने पूर्व पार्षद को गोली मार दी और आराम से निकल गए। इससे पूरी तरह रांची पुलिस की विफलता बताई जा रही है।

फैक्ट्री में मजदूर की मौत परिजनों पर लाठीचार्ज

भिलाई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित हथखोज इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री के अंदर मजदूर की मौत मामले में देर रात जमकर बवाल हुआ। मृतक के परिजन शव रखकर फैक्ट्री के बाहर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने शव को ले जाने की कोशिश की तो परिजनों ने विरोध किया। इस पर पुलिस ने उनपर जमकर लाठियां भांज दी। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कंपनी संचालक से मिलीभगत का आरोप लगाया है। रविंद्र वर्मा नाम का युवक हथखोज के भिलाई आयरन स्टील प्रोसेसिंग कंपनी में मजदूर था। फैक्ट्री में रविवार दोपहर उसके ऊपर लोहे की भारी चीज गिरी। सिर फटने से उसकी मौके पर मौत हो गई।

महंगे शौक पूरा करने के लिए चोरी

सीसीटीवी में बार-बार दिखी एक स्कूटी, 2 चोर और 3 खरीदार बिलासपुर से गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा जिले में सूने मकान से चोरी करने वाले 2 चोर और सामानों को खरीदने वाले 3 खरीदार सहित 5 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपियों ने बताया कि वे अपने मंहगे शौक को पूरा करने के लिए चोरी करते थे। 3 लाख कैश, सोने-चांदी के जेवर, वारदात में इस्तेमाल एक स्कूटी और लोहे के रॉड बरामद किए गए हैं। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, प्रार्थी संजीव साहू, एकनाथ कर्ष, बिंदुलता यादव के सूने घरों के ताले तोड़ कर घर के कमरे में रखे अलमारी से सोने-चांदी के जेवर और रुपयों की चोरी के संबंध में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया गया था। एसपी विवेक शुक्ला ने जिले में हो रही चोरी के मामले को गंभीरता से लेकर आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके तहत आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया, जिसमें एक स्कूटी बार-बार नजर आ रही थी। इस पर साइबर सेल की टीम ने तकनीकी सहायता की मदद से स्कूटी तलाश की और आरोपियों की जानकारी मिली।

इस मामले में पुलिस ने बिलासपुर से हर्ष कुकरेजा और ओम सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। इस पर आरोपियों ने रात में हसदेव विहार, रमन नगर और शंकर नगर में चोरी करने की बात स्वीकार की। वहीं चोरी के समान सोने-चांदी को बेचे देने की बात कही। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी ने बताया कि आरोपियों के निशानदेही पर चोरी के समान खरीदने वाले हसन मलिक (35), शेख दिलबर (27), समीर जगदाले (38) के पास से 2 तोला सोना 1.50 हजार, 2 किलो 300 ग्राम चांदी 1.50 हजार रुपए, 4 हजार रुपए कैश बरामद किया गया है।

झारखंड में मानसून हुआ कमजोर, पारा 4 डिग्री तक चढ़ा

रांची, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में मानसून कमजोर पड़ने लगा है। मौसम विभाग ने भी माना कि मानसून कमजोर होने से रविवार को राज्य के लगभग सभी जिलों का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया। रांची में गर्मी और उमस बढ़ी है। रांची में अब तक 138.5 मिमी बारिश हुई है जबकि सामान्य बारिश का आंकड़ा 263 मिमी का है। इसमें 47 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आज से अगले तीन दिन 12 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। हालांकि, किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। मौसम विभाग ने 13 जुलाई तक राज्य के मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना जाहिर नहीं की है। बीते 24 घंटे के दौरान कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई है। राज्य में सबसे अधिक बारिश 112.0 मिमी दुमका के कुशियारी में दर्ज की गई है। राज्य में सबसे अधिक तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस सरायकेला का दर्ज किया गया है जबकि सबसे कम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज किया गया है। आज राज्य में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश के आसार हैं। कल भी मौसम का यही हाल रहेगा। रांची और रामगढ़ में भी हल्की बारिश की संभावना है।

पेट्रोल पंप में लगी भीषण आग

कोरबा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा में मुस्कान पेट्रोल पंप में खड़ी 4 गाड़ियों में भीषण आग लग गई। पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने अपने स्तर पर अग्नि शामक यंत्र, रेत और पानी से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तेज हवा के कारण आग और फैल गई। मिली जानकारी के मुताबिक आग कार से स्कूटी, मालवाहक ऑटो और क्रेन तक जा पहुंची। गाड़ियां जलकर राख हो गई हैं।

क्या चीन की तरफ जा रहा बांग्लादेश ?

शेख हसीना के चीन दौरे पर भारत की नजर

ढाका, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना सोमवार को चार दिन के चीन दौरे पर जा रही हैं। शेख हसीना का ये चीन दौरा उनकी भारत यात्रा के दो सप्ताह बाद हो रहा है। हसीना की इस विजिट के दौरान बांग्लादेश और चीन के बीच कई अहम समझौते होने की उम्मीद है। इस यात्रा से पहले ढाका से आए बयान बांग्लादेश के चीन की तरफ झुकाव का संकेत भी माने जा रहे हैं। ऐसे में क्षेत्र की एक और अहम ताकत भारत की भी इस दौरे पर निगाह है। शेख हसीना की यह चीन की पांचवीं यात्रा है और लगातार चौथी बार पीएम पद संभालने के बाद उनका पहला दौरा है। भारत इस पर बारीकी से नजर रखेगा कि बांग्लादेश-चीन द्विपक्षीय संबंधों का उसके अपने रणनीतिक हितों पर क्या असर होगा।

फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट कहती है कि पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय यात्राएं आम बात हैं लेकिन किसी भी नेता की चीन यात्रा अक्सर अटकलों और चिंताओं को जन्म देती है। शेख हसीना की यात्रा के साथ भी ऐसा ही है, खासतौर से भारत की इस दौरे के नतीजों में महत्वपूर्ण रुचि है। हसीने के चार दिवसीय दौरे के घटनाक्रम संभावित रूप से चीन और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंधों को भी नया आकार दे सकते हैं। हसीना की बीजिंग विजिट के दौरान कम से कम 20 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इनमें आर्थिक और बैंकिंग, व्यापार और निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे का विकास, आपदा प्रबंधन, बांग्लादेश-चीन मैत्री सेतु निर्माण, कृषि निर्यात और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा है कि चीन बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास में एक प्रमुख भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हसीना की यह यात्रा रणनीतिक संबंधों को बढ़ाएगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा है कि चीन आपसी विश्वास को गहरा करने, बेल्ट एंड रोड सहयोग को बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर करने लिए बांग्लादेश के साथ काम कर रहा है। हसीने के दौरे पर दोनों देशों के बीच ऋण समझौते पर भी बातचीत हो सकती है। अटकलें हैं कि बांग्लादेश अपने घटते विदेशी भंडार को बढ़ाने के लिए नया कर्ज मांग सकता है लेकिन शर्तों और नियमों पर अभी सहमति नहीं बनी है। तीस्ता नदी परियोजना के बारे में विदेश मंत्री महमूद ने आश्वासन दिया कि यदि चीन इस मुद्दे को उठाता है तो भारत की चिंताओं पर विचार किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने संयुक्त नदी प्रबंधन का प्रस्ताव रखा है और बांग्लादेश की टीम के साथ सहयोग करने के लिए एक तकनीकी टीम भेजने की योजना बनाई है। चीन ने भी भागीदारी का प्रस्ताव दिया है लेकिन चर्चा में भारत के साथ बांग्लादेश के साझा हितों पर विचार किया जाएगा। चीनी राजदूत याओ वेन ने भी कहा है कि बीजिंग इस मामले में बांग्लादेश के फैसले का सम्मान करेगा, इससे भारत की चिंताएं कम हो सकती हैं। इस समय बांग्लादेश के चीन के ग्लोबल डेवलपमेंट इनिशिएटिव वैश्विक विकास पहल में शामिल होने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश-चीन संबंधों के भविष्य की दिशा का आकलन प्रधानमंत्री हसीना की राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठकों के नतीजों और संयुक्त बयानों से होगा। चीन और बांग्लादेश दोनों ही ये जानते हैं कि भारत की प्रधानमंत्री हसीना की चीन यात्रा पर बारीकी से नजर है। चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने भारतीय राजनेताओं और मीडिया पर चीन की मंशा पर सवाल उठाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के साथ चीन के बीआरआई सहयोग के ठोस लाभ स्वयं ही स्पष्ट हैं। बांग्लादेश का भारत से बेहद करीबी रिश्ता रहा है।

वहीं चीन से बांग्लादेश के रिश्ते शुरुआती दौर में बहुत अच्छे नहीं थे। चीन ने 1971 में बांग्लादेश के निर्माण का विरोध किया था और कई मौकों पर इसकी सदस्यता को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वीटो का इस्तेमाल किया। चीन ने शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या के बाद 31 अगस्त 1975 को बांग्लादेश को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी थी लेकिन हालिया सालों में दोनों देशों के रिश्ते बेहतर हो रहे हैं।

सुलावेसी द्वीप में बारिश से आई आपदा

सोने की खदान में भूस्खलन से कई लोग मिट्टी में दबे, 12 की मौत

जकार्ता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर कई दिनों से हो रही भारी बारिश की वजह से बड़ा हादसा सामने आया है। यहां सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश की वजह से एक अवैध सोने की खदान में भूस्खलन हो गया। भूस्खलन की वजह से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 18 लोगों का फिलहाल कुछ पता नहीं लगा। स्थानीय बचाव एजेंसी बसरनास के प्रमुख हेरियांतो ने बताया कि गोरोनटालो प्रांत के सुमावा जिले में रविवार सुबह हुए भूस्खलन में खनिकों और अवैध खदान के पास रहने वाले निवासियों की मौत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि हादसे में मिट्टी के नीचे दबे पांच लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि, बचाव दल सोमवार को 18 लापता लोगों की तलाश कर रहा है। हेरियांतो ने बताया, 'हमने लापता लोगों की तलाश के लिए राष्ट्रीय बचाव दल, पुलिस और सैन्यकर्मियों समेत 164 कर्मचारियों को तैनात किया है। बचाव कर्मचारियों को भूस्खलन स्थल तक पहुंचने के लिए करीब 20 किलोमीटर यानी 12.43 मील का रास्ता तय करना पड़ रहा है।

काबुल युद्ध में फंस सकता था भारतीय सैन्य दल

सिखों को निकालने पर कनाडा के खालिस्तान प्रेमी मंत्री ने किया था खेल

काबुल, 8 जुलाई (एजेंसियां)। साल 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद भारत ने वहां रह रहे हिंदुओं और सिखों को निकालने के लिए अपना बचाव दल और मालवाहक विमान भेजा था। इस दौरान भारतीय बचाव दल को देरी का सामना करना पड़ा था। वह भी तब जब काबुल एयरपोर्ट के बाहर जंग जैसे हालात थे और गोलीबारी हो रही थी। अब खुलासा हुआ है कि खालिस्तान प्रेमी कनाडा के तत्कालीन सिख रक्षा मंत्री हरजीत सज्जन ने अफगान सिखों को अपनी सेना को पहले निकालने का आदेश दे दिया। ये अफगान सिख एक सिख एनजीओ के कहने पर काबुल एयरपोर्ट की बजाय कनाडा के दूतावास पहुंच गए। इससे भारतीय वायुसेना के बचाव दल के विमान को काफी देर तक जंग के माहौल में काबुल एयरपोर्ट पर रुकना पड़ा।

हरजीत सज्जन ने यहां तक कह दिया था कि कनाडा के नागरिकों से पहले इन सिखों को निकाला जाए। इस खुलासे के बाद हरजीत सिंह की कनाडा में काफी आलोचना हो रही है। हरजीत ने कनाडा की स्पेशल फोर्सेस को कहा था कि उन सिखों को भी पहले निकाला जाए जिन्होंने कनाडा की सेना को अफगानिस्तान में कब्जे के दौरान मदद की थी। सज्जन की चाल के बाद भारतीय बचाव दल को आखिरी समय में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अफगान हिंदू दल एयरपोर्ट आ गया था लेकिन सिख कनाडा के दूतावास चले गए। सज्जन ने वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन के माध्यम से यह निर्देश सिखों को दिया था। सज्जन के पिता इस संगठन के बोर्ड में सदस्य हैं। इसकी वजह से भारतीय विमान की उड़ान में देरी हुई। वह भी तब जब वहां पर अफरा तफरी मची हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक अफगान सिख कहीं से भी कनाडा की सेना के रेडार पर नहीं थे लेकिन सज्जन के आदेश के बाद वे फंस गए। सज्जन अभी कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार में आपात तैयारी मामलों के मंत्री हैं। उन्होंने इन आरोपों को खारिज किया है। भारतीय सूत्रों का कहना है कि अफगान सिखों की संख्या 22 से 40 के बीच थी। ये लोग काबुल में कर्ते परवान गुरुद्वारा से 20-21 अगस्त 2021 की रात को निकाले जाने थे। इस बचाव अभियान को देवी शक्ति नाम दिया गया था। यह बहुत ही जटिल मिशन था और इस दौरान हिंदुओं और सिखों को भारी सुरक्षा दल के साथ बस से एयरपोर्ट लाना था। इस दौरान रास्ते पर तालिबानी आतंकियों का कब्जा हो गया था, वहीं एयरपोर्ट पर अमेरिकी सेना का कब्जा था।

चीनी सेना ने लद्दाख के पास हथियार इकट्ठा किए

सैटेलाइट तस्वीर से खुलासा, बंकर बनाए, इलाके में बख्तरबंद गाड़ियां भी मौजूद

बीजिंग, 8 जुलाई (एजेंसियां)। चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास बड़े पैमाने पर हथियार इकट्ठा कर रही है। यूएस फर्म ब्लैकस्काई ने इसकी सैटेलाइट तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में यहां हथियार और ईंधन के भंडारण के लिए चीनी सैनिकों के बनाए बंकर दिखाई दे रहे हैं।

पैंगोंग झील के पास सिरजैप में चीनी सैनिकों का बेस है। यहां चीनी सैनिकों का मुख्यालय भी है। इस जगह पर भारत अपना दावा करता आया है। ये एलएसी से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है।

2020 में भारतीय सैनिकों से झड़प के बाद चीन ने बनाए बंकर

5 मई 2020 को चीनी सैनिक और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी। उस वक्त ये पूरा इलाका खाली था। यहां न कोई गाड़ी थी, न ही कोई चौकी। चीनी सेना ने इसके बाद इलाके में धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ाईं।

ब्लैकस्काई ने जो तस्वीर ली है वह 30 मई की है। इसमें एक भूमिगत बंकर साफ दिख रहा है। इस बंकर में 5 दरवाजे हैं। बंकर को इस तरह डिजाइन किया गया की इसे हवाई हमले से कोई नुकसान न हो।

ब्लैकस्काई के एक विशेषज्ञ ने नाम न बताने की शर्त बताया कि इस बेस में कई बख्तरबंद गाड़ियों को छिपाया जा सकता है, परीक्षण रेंज, ईंधन और गोला-बारूद को इकट्ठा करने के लिए जगह भी है। चीनी सेना ने इस बंकर तक पहुंचने के लिए सड़कों और खाइयों का नेटवर्क बनाया है।

सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया

ये बेस गलवान घाटी से 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है, जहां जून 2020 को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान 20 भारतीय सैनिकों की जान चली गई थी। अब तक भारत सरकार की तरफ से कोई भी जवाब नहीं आया है।

एक पूर्व भारतीय सेना के अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि आज के समय में उपग्रहों या हवाई निगरानी प्लेटफार्मों का उपयोग करके सब कुछ सटीक रूप से पता लगाया जा सकता है। बेहतर सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए सुरंग बनाना ही एकमात्र उपाय है।

इससे पहले तिब्बत के पास तैनात किए थे लड़ाकू विमान

इस साल मई में चीन ने उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम के समीप तिब्बत में शिगात्से एयरबेस पर अत्याधुनिक जे20 स्टेल्थ लड़ाकू विमानों को तैनात किया था। 27 मई को जारी सैटेलाइट तस्वीरों इसका खुलासा हुआ था। ये इलाका भारत के पूर्वी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से केवल 150 किलोमीटर दूर है। तब जियोस्पेशल इंटेलिजेंस सोर्सेज पर नजर रखने वाली ऑलसोर्स एनालिसिस ने इन लड़ाकू विमानों के तैनाती के बारे में खुलासा किया था। इसमें एयरबेस पर 6 चीनी जे-20 स्टेल्थ लड़ाकू विमानों एक लाइन से खड़े देखा जा सकता है।

फ्रांस में फिर गठबंधन सरकार के आसार

वामपंथी गठबंधन को सबसे ज्यादा 182 सीटें नतीजों के बाद हिंसा भड़की, पीएम पद छोड़ेंगे मैक्रों

पेरिस, 8 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस में रविवार को हुए संसदीय चुनाव के नतीजों में राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की रेनेसां पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। गृह मंत्रालय ने सोमवार को आंकड़े जारी करते हुए बताया कि कुल 577 सीटों में से वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन को 182 सीटें मिलीं। दूसरे नंबर पर रेनेसां पार्टी रही। इसे 163 सीटें मिलीं। वहीं, दक्षिणपंथी नेशनल रैली (एनआर) गठबंधन को 143 सीट हासिल करने में कामयाब रही। नेशनल असेंबली में बहुमत के लिए किसी भी पार्टी को 289 सीटें जीतना जरूरी है। ऐसे में अब किसी भी पार्टी के पास बहुमत नहीं है। विशेषज्ञों ने अनुमान जताया है कि अब पार्टियां गठबंधन के सहारे बहुमत पाने कि कोशिश करेगी।

हार की जिम्मेदारी लेते हुए रविवार को प्रधानमंत्री गैब्रियल अट्टल ने कहा कि वे सोमवार को राष्ट्रपति मैक्रों को इस्तीफा सौंप देंगे। इसके अलावा जब तक कोई नया प्रधानमंत्री नहीं बन जाता तब तक वे प्रधानमंत्री बने रहेंगे।

संसदीय चुनाव में शुरुआती नतीजों के बाद हिंसा भड़क गई। दक्षिणपंथी नेशनल रैली (एनआर) के लोग सड़क पर आ गए और प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान पुलिस ने सेंट्रल पेरिस में लोगों पर आंसू गैस के गोले दागे, जिसमें कई लोग घायल हो गए।

दरअसल इससे पहले 30 जून को हुए चुनाव हुआ था। इसमें दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली (एनआर) को सबसे ज्यादा 35.15% वोट मिले, जिसके बाद अनुमान था कि पार्टी को 230-280 सीटें मिल सकती हैं, लेकिन आज आए नतीजों में इसका उल्टा हुआ। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में बड़ी हार के कारण राष्ट्रपति मैक्रों ने समय से पहले इसी महीने संसद भंग कर दी थी। दरअसल, मैक्रों सरकार गठबंधन के सहारे चल रही थी। उनके गठबंधन के पास सिर्फ 250 सीटें थीं और हर बार कानून पारित करने के लिए उन्हें अन्य दलों से समर्थन जुटाना पड़ता था। नेशनल असेंबली के चुनाव में मैक्रों की रेनेसां पार्टी हार चुकी है, लेकिन मैक्रों पद पर बने रहेंगे। मैक्रों ने पहले ही कह दिया है कि चाहे कोई भी जीत जाए वे राष्ट्रपति पद से इस्तीफा नहीं देंगे। दरअसल, यूरोपीय संघ के चुनाव में हार के बाद अगर मैक्रों की पार्टी संसद में भी हार जाती है तो उन पर राष्ट्रपति पद छोड़ने का दबाव बन सकता है। इसलिए मैक्रों ने पहले ही साफ कर दिया है कि वे अपना पद नहीं छोड़ेंगे।

लाहौर की कोट लखपत जेल में लाए गए पूर्व विदेश मंत्री और पीटीआई नेता कुरैशी

एटीसी के समक्ष होंगे पेश

इस्लामाबाद, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को सोमवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल से लाहौर की कोट लखपत जेल में स्थानांतरित किया गया। 9 मई के दंगों के मामले में आतंकवाद विरोधी अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। उन पर 9 मई की हिंसा के कई मामले दर्ज हैं। शाह महमूद कुरैशी जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोग भी हैं। 9 मई को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के परिसर से अर्धसैनिक रेंजर्स ने इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

क्या राष्ट्रपति पद की दौड़ में डोनाल्ड ट्रंप के सामने चुनौती बनेंगी कमला हैरिस ?

बाइडन पर लटकी तलवार

वॉशिंगटन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में पांच नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। हाल ही में दोनों के बीच प्राथमिक बहस हुई थी, जिसमें बाइडन का प्रदर्शन काफी खराब रहा। इसके बाद डेमोक्रेटिक पार्टी में चिंताएं बढ़ गईं। पार्टी के शीर्ष नेताओं का कहना है कि अगर बाइडन चुनाव की रेस से बाहर होने का फैसला करते हैं तो उनकी जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ले सकती हैं।

डेमोक्रेट्स के शीर्ष नेताओं ने कहा कि अगर हैरिस बढ़ते दबाव के आगे झुक जाती हैं और इस साल के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति जो बाइडन अपना पद छोड़ देते हैं तो वह चुनाव की दौड़ में खुद ब खुद शामिल हो जाएंगी। इन सब अटकलों के बीच पार्टी के दाता, कार्यकर्ता और अधिकारी पूछ रहे हैं कि क्या कमला हैरिस के पास डोनाल्ड ट्रंप को हराने का बाइडन से बेहतर मौका है? हालांकि, बाइडन कई बार कह चुके हैं कि वह फिलहाल दौड़ में बने हुए हैं। पूर्व अमेरिकी सीनेटर और कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल 59 वर्षीय हैरिस अगर पार्टी की उम्मीदवार बनती हैं तो वह चुनाव में जीत हासिल कर सकती हैं। इसी के साथ वह अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बन जाएंगी। वह उपराष्ट्रपति के रूप में सेवा करने वाली पहली अफ्रीकी अमेरिकी और एशियाई शख्स हैं। व्हाइट हाउस में उनके साढ़े तीन साल के कार्यकाल की विशेषता एक कमजोर शुरुआत, स्टाफ में बदलाव तथा मध्य अमेरिका से प्रवास सहित प्रारंभिक नीतिगत कार्यभार रही, जिससे उन्हें कोई बड़ी सफलता नहीं मिली।

हैरिस अभियान के लिए बोझ बन गईं?

पिछले साल तक व्हाइट हाउस और बाइडन अभियान टीम के अंदर कई लोग निजी तौर पर चिंतित थे कि हैरिस अभियान के लिए बोझ बन गई हैं। तब से स्थिति काफी बदल गई है। डेमोक्रेटिक अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने गर्भपात के अधिकारों पर अच्छे से बात रखी और युवा मतदाताओं को आकर्षित किया। हाल के सर्वेक्षणों से पता चलता है कि रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बाइडन से बेहतर हैरिस हो सकती हैं, हालांकि उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। दो जुलाई को जारी किए गए एक पोल में पाया गया कि मतदाता छह प्रतिशत अंकों से बाइडन के मुकाबले ट्रंप को पसंद करते हैं। हैरिस भी ट्रंप से पीछे हैं। पिछले हफ्ते ट्रंप और लड़खड़ाते बाइडन के बीच टेलीविजन पर हुई बहस के बाद रॉयटर्स/इप्सोस पोल में पाया गया कि हैरिस और ट्रंप लगभग बराबरी पर हैं।

पैसों की कमी के कारण नहीं करा पाया बेटी का इलाज

इस्लामाबाद, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आर्थिक संकट का दौर बना हुआ है। इस बीच थारूशाह से एक बेहद ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, पैसों की कमी के कारण पिता अपनी बेटी का इलाज नहीं करा पा रहा था, जिसके कारण उसने अपनी 15 दिन की बेटी को जिंदा ही दफना दिया। पुलिस ने आरोपी पिता की पहचान तैयब के तौर पर की है। आरोपी पिता ने वित्तीय तंगी का हवाला देते हुए आरोप को स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि वह नवजात को दफनाने से पहले उसे एक बोरे में रखा था। तैयब के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि अदालत के निर्देश के अनुसार, बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम प्रक्रियाओं के माध्यम से फॉरेंसिक जांच के लिए खोला जाएगा। एक अन्य घटना में लाहौर के डिफेंस बी इलाके में एक पति और पत्नी ने 13 वर्षीय घरेलू नौकरानी के साथ दुर्व्यवहार किया।

देर से राष्ट्रपति चुनाव कराने की याचिका खारिज

श्रीलंका की सुप्रीम कोर्ट का फैसला

कोलंबो, 8 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव को लेकर चुनाव आयोग के अध्यक्ष आर.एम.ए.एल. रत्नायके ने बताया कि देश में 17 जुलाई के बाद कभी भी चुनाव की घोषणा की जा सकती है। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति चुनाव देर से कराने की मांग को लेकर एक याचिका दायर की गई है जिसे पांच सदस्यों की पीठ ने अटॉर्नी जनरल की दलीलों के आधार पर आगे बढ़ने की अनुमति दिए याचिका खारिज कर दी है। दरअसल पिछले हफ्ते, एक व्यक्ति ने मौलिक अधिकारों के लिए एक याचिका दायर की, जिसमें न्यायालय से संविधान में अनुच्छेद 30(2) और 82 से संबंधित राष्ट्रपति के कार्यकाल में अस्पष्टता पर स्पष्टीकरण दिए जाने तक चुनाव को रोकने का आग्रह किया था। बता दें कि अनुच्छेद 30(2) ने 2015 में अपनाए गए 19वें संशोधन के अनुसार राष्ट्रपति के कार्यकाल को छह से पांच साल तक सीमित कर दिया गया था। वहीं संविधान के अनुच्छेद 82 को बदलने के लिए कोई जनमत संग्रह नहीं किया गया था, जिसमें कहा गया है कि जनमत संग्रह के माध्यम से राष्ट्रपति के कार्यकाल को छह साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसलिए याचिकाकर्ता ने राष्ट्रपति के कार्यकाल पर स्पष्टता मांगी। इस मामले में अटॉर्नी जनरल ने तर्क दिया कि राष्ट्रपति के कार्यकाल को लेकर कोई अस्पष्टता नहीं है, जो कि पांच साल का होता है। इससे पहले देश के चुनाव आयोग ने संकेत दिया है कि राष्ट्रपचि चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच के समय पर होंगे। वहीं रविवार को श्रीलंका के चुनाव आयोग ने कहा है कि वह इस महीने के अंत से पहले अगले राष्ट्रपति चुनाव के तारीख की घोषणा करेगा। जबकि चुनाव आयोग के अध्यक्ष आर.एम.ए.एल. रत्नायके ने कहा कि चुनाव आयोग को 17 जुलाई के बाद चुनाव की तारीख घोषित करने का कानूनी अधिकार होगा। चुनाव आयोग के अध्यक्ष रत्नायके ने आगे कहा कि चुनाव आयोग वर्तमान में 2024 के चुनावी रजिस्टर को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जो चुनाव का आधार होगा। अधिकारियों ने कहा कि संशोधित सूची के अनुसार 17 करोड़ से अधिक लोग चुनाव में मतदान करने के पात्र होंगे। वहीं देश में विपक्ष ने मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे पर चुनाव को स्थगित करने और हारने के डर से अपना राष्ट्रपति पद जारी रखने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

ब्लॉक पार्टी में हमलावर ने बरसाईं गोलियां

वाशिंगटन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर गोलीबारी की घटना सामने आई है। डेट्रोइट में एक ब्लॉक पार्टी में हमलावर ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। जबकि, 19 अन्य लोग घायल हो गए। मिशिगन स्टेट पुलिस के अधिकारियों ने सोमवार को घटना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीवित बचे पीड़ितों को विभिन्न चोटें आई हैं। चोटों की प्रकृति, जिसमें गोली लगने के घावों की संख्या और अन्य प्रकार की चोटें शामिल हैं, के बारे में विशिष्ट विवरण अभी भी अस्पष्ट हैं। अभी तक पुलिस ने गोलीबारी के संबंध में कोई गिरफ्तारी नहीं की है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, यह घटना रविवार सुबह 2:30 बजे हुई। जिसके बाद डेट्रॉइट पुलिस ने अमेरिकी मीडिया को एक ई-मेल भेजा, जिसमें कहा कि इस समय जांचकर्ता और फोरेंसिक कर्मी सभी उपलब्ध साक्ष्यों का विश्लेषण कर रहे हैं और सप्ताहांत तक अपना काम जारी रखेंगे।

इंडोनेशिया जाने वालों के लिए खुशखबरी

भारतीयों को दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश ने दिया बड़ा ऑफर

जकार्ता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। चाहे हनीमून कपल हों या फिर घुमक्कड़ी के शौकीन ट्रैवलर, सभी के लिए दक्षिण पूर्व एशिया में समुद्र के बीच स्थित इंडोनेशिया खूब पसंद की जाने वाली ट्रैवल डेस्टिनेशन है। इंडोनेशिया का बाली द्वीप तो भारतीयों के लिए टॉप टूरिस्ट डेस्टिनेशन में से एक है। अब इंडोनेशिया ने इन घुमक्कड़ प्रेमियों की घुमक्कड़ी को और आसान बनाने वाला है। इंडोनेशियाई सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए भारत के साथ 19 अन्य देशों के यात्रियों को वीजा फ्री प्रवेश देने की योजना की घोषणा की है। इंडोनेशिया के पर्यटन मंत्री सैंडियागा ऊनो की अगुवाई में शुरू हुई इस पहल के तहत अक्टूबर 2024 से पहले फ्री योजना को अंतिम रूप देना है। इंडोनेशिया को उम्मीद है कि यात्रियों की वीजा संबंधी परेशानियों की दूर करने से देश में पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा। इसके परिणामस्वरूप, घरेलू खर्च को बढ़ावा मिलने, विदेशी निवेश को आकर्षित करने और डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास में तेज़ी आने की उम्मीद है। इंडोनेशिया भारत सहित 20 देशों के पर्यटकों को निःशुल्क प्रवेश वीज़ा देने की तैयारी कर रहा है। भारतीय यात्रियों के पास भी अपनी विशिष्ट यात्रा आवश्यकताओं के अनुरूप कई वीजा विकल्प भी मौजूद हैं। ट्रांजिट वीजाः यह उन यात्रियों के लिए है जो किसी अन्य गंतव्य पर जाते समय इंडोनेशिया में रुकते हैं।

भू माफियाओं पर कसेगी नकेल

भजनलाल सरकार करने जा रही बड़ा काम

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। औद्योगिक क्षेत्रों को रियल एस्टेट बाजार बनाने से रोकने के लिए राज्य सरकार रीको लैंड डिस्पोजल रूल्स में संशोधन करने जा रही है। इसमें उत्पादन शुरू करने से लेकर पेनल्टी लगाने तक की समय सीमा को कम किया जा सकता है। बाजार से सस्ती दर पर जमीन लेकर उसे बेचकर मुनाफा कमाने वालों पर भी सती होगी। उद्योग मंत्री के निर्देश पर रीको इस पर होमवर्क कर रहा है। रीको अधिकारियों के मुताबिक पिछले दो साल में भूखंड आवंटन शर्तों की पालना नहीं कराने वाले करीब 48 आवंटन निरस्त किए हैं।

राजस्थान को इंडस्ट्री हब बनाने के लिए सरकार अब उन्हीं लोगों को जमीन आवंटन करना सुनिश्चित करेगी, जो वास्तव में इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं। ऐसे लोगों के औद्योगिक अनुभव से लेकर भविष्य की प्लानिंग पर भी बात होगी।

अभी यह है प्रावधान

भूखंड आवंटन के तीन साल तक वहां औद्योगिक इकाई स्थापना से लेकर उत्पादन शुरू करना होता है। यदि इस समय सीमा में इंडस्ट्री शुरू नहीं होती तो आवंटी को 7 साल का और समय दिया जाता है। इसके लिए पेनल्टी लगाकर मौका देने का प्रावधान है। यानी दस साल तक उत्पादन शुरू नहीं कर पाए तो उसके बाद आवंटन निरस्त किया जा सकता है। अधिकतर मामलों में ऐसा ही हो रहा है।

विधायक भी मुखर

विधायकों ने विधानसभा में भी रीको के औद्योगिक क्षेत्रों में कई आवंटियों की ओर से इंडस्ट्री नहीं लगाने, जमीन को दूसरों को बेचने या लीज पर देने जैसे मामले उठाए। अनिता भदेल, यूनुस खान, सुभाष गर्ग, प्रियंका चौधरी सहित अन्य विधायकों ने इन मामलों से अवगत कराया।

बजट से पहले वसुंधरा राजे से मिले सीएम भजनलाल

एक घंटे तक चली मंत्रणा के क्या मायने?

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की वसुंधरा राजे से मुलाकात हुई। इस मुलाक़ात को लेकर कोई भी जानकारी दोनों पक्षों की ओर से नहीं दी गई, लेकिन सूत्रों के अनुसार मुलाकात में आगामी बजट सत्र को लेकर चर्चा हुई। बता दें कि छह महीने में ये दूसरी बार है, जब सीएम भजनलाल ने राजे के आवास पर पहुंचकर मुलाकात की है। इससे पहले सीएम भजनलाल शर्मा ने 26 जनवरी को राजे से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की थी।

सीएम भजनलाल वसुंधरा राजे के 13, सिविल लाइंस आवास पर पहुंचे। जहां पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वसुंधरा राजे के बीच एक घंटे तक मंत्रणा चली।

बजट से पहले भजनलाल और राजे की मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे है। उपचुनाव और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक भी केंद्र में रहे। इस मुलाकात को संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल से भी जोड़ कर देखा का रहा है।

भजनलाल सरकार अपना पहला पूर्ण बजट 10 जुलाई को पेश करने जा रही है। लेकिन, इससे पहले भजनलाल ने राजे के घर पर जाकर मुलाकात की। वसुंधरा राजे राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री रही हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि भजनलाल शर्मा ने राजे से बजट पर चर्चा की होगी। सियासी गलियारों में चर्चा है कि लोकसभा चुनाव में वसुंधरा राजे की अलग राह से बीजेपी को काफी नुकसान हुआ। अब राजस्थान में 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। ऐसे में भजनलाल शर्मा इस बार सबको साथ लेने की कवायद में जुटे हैं। उपचुनाव में जीत हासिल करना भजनलाल शर्मा के लिए अग्नि परीक्षा से कम नहीं है। सीएम भजनलाल शर्मा उपचुनाव में किसी तरह की चूक नहीं चाहते हैं। माना जा रहा है कि उपचुनाव को लेकर भी दोनों नेताओं की बीच मुलाकात हुई होगी।

सियासी गलियारों में यह भी चर्चा है कि वसुंधरा राजे काफी समय से सत्ता और संगठन से दूरी बनाए हुए है। ऐसे में सीएम भजनलाल बजट और उपचुनाव से पहले दूरियां मिटाने की कवायत में जुटे हुए है। यही वजह है कि सीएम भजनलाल 6 महीने में दूसरी बार मुलाकात के लिए वसुंधरा राजे के आवास पर पहुंचे। बता दें कि भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 13 जुलाई को होनी है। जिसमें सभी जिलाध्यक्षों और प्रदेश पदाधिकारी शामिल होंगे। इस मीटिंग से पहले खुद सीएम सत्ता और संगठन से दूर रहने वाले नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

शिक्षा विभाग ने चुनाव ड्यूटी में लगे इन शिक्षकों पर अब बड़ा एक्शन

बीकानेर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव भी सम्पन्न हो गए। परंतु शिक्षा विभाग से चुनाव कार्य के लिए ड्यूटी पर भेजे गए शिक्षकों में से कुछ शिक्षक अभी भी स्कूलों में नहीं लौटे है। ऐसे में प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग ने प्रतिनियुक्तियां समाप्त होने के आदेश जारी किए हैं।

नए शिक्षा सत्र में ग्रीष्मवकाश के बाद सरकारी स्कूल खुल गए हैं। शिक्षा विभाग प्रवेशोत्सव, पुस्तकों का वितरण और पाठ्यक्रम शुरू करवा चुका है। नामांकन बढ़ाने के लिए घर-घर सर्वे कराया जा रहा है।

प्रवेशोत्सव का पहला चरण तो 15 जुलाई को पूरा भी हो रहा है। लेकिन प्रदेश में कई शिक्षकों के अभी तक चुनावी ड्यूटी से रिलीव होकर अपने मूल पदस्थापन पर ड्यूटी नहीं संभाली होने से स्कूलों में नामांकन के लिए सर्वे आदि कार्य प्रभावित हो रहे है।

जिला शिक्षा अधिकारियों को यह मालूम नहीं है कि कितने शिक्षक चुनावी ड्यूटी में अभी भी कार्यरत है। हालांकि शिक्षा निदेशक ने स्कूलों में पाठ्यक्रम शुरू कराने के लिए शिक्षकों को स्कूल जाने और स्वतः ही प्रतिनियुक्तियां निरस्त की जा चुकी होने निर्देश भी दिए हैं।

जो शिक्षक अभी भी चुनावी ड्यूटी से वापस नहीं लौटे है उनकी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों से सूची मांगी जा रही है। ऐसे शिक्षकों को स्कूल में ड्यूटी ज्वाइन कर लेनी चाहिए थी। नहीं की है उन्हें कार्य मुक्त कराया जाएगा।

मेट्रो को लेकर भजनलाल सरकार ने कर दिया बड़ा बदलाव

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में बढ़ते ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए मेट्रो रफ्तार पकड़ेगी। 61 किमी से लंबे रूट पर मेट्रो को चलाने की तैयारी की जा रही है। जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण को क्रियान्वित करने और नए रूट पर मेट्रो चलाने की दिशा में बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण को शीघ्र क्रियान्वित करने और नए रूट पर मेट्रो चलाने को लेकर निविदा जारी कर दी है।

ये भी है प्लान का हिस्सा

मानसरोवर और सांगानेर हवाई अड्डे को सीधा जोड़ने की भी योजना पर सरकार सोच रही है। मानसरोवर से न्यू सांगानेर रोड, सांगा सेतु और सांगानेर पुलिस स्टेशन होते हुए हवाई अड्डे तक का प्लान बनाने रो सरकार ने मेट्रो अधिकारियों से कहा है।

फेज 02: सीतापुरा से आगे आरयूएचएस तक मेट्रो ले जाने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है।

बीजेपी की पूर्व विधायक के साथ मारपीट का मामला आया सामने, मचा बवाल

जालोर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में बीजेपी की पूर्व महिला विधायक के साथ मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मारपीट की घटना जालोर से विधायक रह चुकी अमृता मेघवाल के साथ हुई है। इस मामले में जालोर की पूर्व विधायक अमृता मेघवाल ने ससुराल पक्ष पर मारपीट और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। पूर्व विधायक जालोर के राजकीय अस्पताल के आईसीयू में एडमिट है।

पुलिस के मुताबिक जालोर की पूर्व विधायक अमृता मेघवाल ने अपनी शिकायत लेकर कोतवाली पहुंची। इसके बाद कोतवाली

पुलिस पूर्व विधायक राजकीय अस्पताल लेकर आई। जहां पर उनका मेडिकल करवाया गया है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

बीजेपी की पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि मैं चार पांच माह में एक बार जालोर आती हूं। जालोर घर पहुंची तो जेठ और काकई ससुर का बेटा पहुंचा और धक्का मारकर बाहर निकालने का प्रयास किया। मामले में पुलिस उप अधीक्षक गौतम जैन ने बताया कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सीसीटीवी फुटेज भी आया सामने

इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें पूर्व विधायक अमृता मेघवाल और उसके ससुरालवालों के बीच हो रहा विवाद साफ दिख रहा है। वहीं, ससुर शिवलाल ने पूर्व विधायक अमृता मेघवाल पर मारपीट का आरोप लगाया है। दरअसल, बंद घर का ताला तोड़कर प्रवेश के दौरान मना करने पर मारपीट की गई।

जज साहब फंस गए साइबर क्रिमिनल के चक्कर में, गवां बैठे 2 लाख रुपए

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व जज के साथ ठगी का मामला सामने आया है। साइबर क्रिमिनल ने दो लाख रुपए की ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी ने जज से दूरसंचार अधिकारी राहुल तिवारी बनकर बात की। जज से कहा कि उनके नाम पर एक सिम चल रही है। इस सिम के जरिए गलत ट्रांजेक्शन हुए हैं। इसके बाद बदमाश ने जज और उनकी पत्नी को धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद जज ने बदमाशों द्वारा बताए गए खाते में 2 लाख रुपए जमा करवा दिए। इसके बाद उन्हें धोखाधड़ी का अहसास हुआ। वैशाली नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज

करवाई।

वैशाली नगर सीआई रविन्द्र सिंह ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एस चौधरी (76) की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में जज ने बताया कि 5 जुलाई को दोपहर 1 बजे उनके पास फोन आया। इसमें फोन करने वाले ने खुद को राहुल तिवारी बताया। आरोपी ने कहा कि वह दूरसंचार अधिकारी हैं। उनके नाम से एक मोबाइल सिम मुंबई में चल रही है। इससे गलत ट्रांजेक्शन हुए हैं।

पीड़ित ने आरोपी को बताया कि वह कभी मुंबई नहीं गया। ऐसे में आरोपी ने उन्हें धमकाना शुरू किया। कहा कि अगर आप सही बोल रहे हैं तो इस खाते में 2 लाख रुपए भेज दीजिए। अगर आप की बात सही निकली तो पैसा वापस आपके खाते में आ जाएगा। इस पर पीड़ित अपने पास के बैंक में गए। आरोपी द्वारा बताए गए खाते में पैसा डाल दिया। बदमाश ने आश्वासन दिया कि वह पैसा दोबारा उनके खाते में डाल दिया जाएगा। लेकिन पैसा नहीं आने पर पीड़ित केएस चौधरी ने वैशाली नगर थाने को खुद के साथ हुई घटना की जानकारी दी। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। पुलिस मामले की जांच कर रहीं है।

बजट से पूर्व कांग्रेस विधायक दल की बैठक

भजनलाल सरकार को घेरने की बनेगी जबरदस्त रणनीति

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र जारी है। राजस्थान सरकार का पहला पूर्ण बजट 10 जुलाई को सदन में पेश होगा। कांग्रेस ने इसके लिए अपनी कमर कस ली है।

9 जुलाई को कांग्रेस विधायक दल की बैठक होगी। जिसमें भजनलाल सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी। 9 जुलाई को ही कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा।

ऐसी चर्चा है कि इस बैठक में पांच सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियों को लेकर मंथन होगा। इस बैठक के बाद कांग्रेस इंडिया अलायंस के सांसदों और बीएपी सांसद को सम्मानित भी किया जाएगा।

नवनिर्वाचित विधायकों का होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक 9 जुलाई को शाम 4 बजे होटल मेरियट जयपुर में होगी।

इसमें बजट सत्र को लेकर चर्चा की जाएगी। साथ जनहित के मुद्दों को सरकार के सामने उठाने के लिए रणनीति बनाई जाएगी। बैठक के बाद शाम 5-6 बजे नवनिर्वाचित विधायकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा।

स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के गुरदासपुर (पंजाब) से सांसद चुने जाने पर उनका सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन व बीएपी के नव निर्वाचित सांसदों का भी सम्मान होगा।

यह कार्यक्रम शाम 7 बजे राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में आयोजित होगा।

जंगल से निकलकर टाइगर ने किया भैंस का शिकार

ग्रामीणों में दहशत, ट्रैकिंग में जुटे वनकर्मी

सवाई माधोपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर नेशनल पार्क की फलौदी रेंज से सटे हिंदवाड़ गांव के नजदीक रविवार को एक टाइगर जंगल से निकलकर आ गया। गांव के नजदीक टाइगर के मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गांव के नजदीक ही टाइगर ने एक भैंस का भी शिकार कर लिया। गांव के नजदीक टाइगर मूवमेंट को लेकर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और टाइगर की मॉनीटरिंग एवं ट्रैकिंग शुरू की। रणथंभौर की फलोदी रेंज के रेंजर विष्णु गुप्ता ने बताया कि हिंदवाद गांव के ग्रामीणों ने वन विभाग को गांव के पास खेतों में टाइगर आने की सूचना दी थी। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर मिले पगमार्क आधार पर संभवतः टाइगर टी 58 हो सकता है। उसकी मॉनीटरिंग और ट्रैकिंग के लिए वनकर्मियों की एक टीम गठित कर दी गई है।

भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के शाहपुरा में सोमवार तड़के हुए भीषण हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति, पत्नी और 16 साल का बेटा शामिल है। वहीं, 20 लोग घायल हो गए। जिनमें से 10 की हालात गंभीर बनी हुई है। सूचना पर डीएसपी उमेश निठारवाल व थानाधिकारी रामलाल मीणा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने गंभीर घायलों को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल और निम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, 10 घायलों को शाहपुरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 4 बजे शाहपुरा में अलवर तिराहा पुलिया पर हुआ। रोडवेज बस दिल्ली से जयपुर की ओर आ रही थी। तभी अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर में घुस गई। हादसे में एक महिला और उसके बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, महिला के पति ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ओवरटेक के चक्कर में यह हादसा हुआ। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

हादसे में मरने वालों की पहचान हो गई है। मृतकों में पति-पत्नी और उनका बेटा शामिल है। पुलिस के मुताबिक हादसे में टीना अग्रवाल पत्नी विजय अग्रवाल, विजय अग्रवाल पुत्र महेंद्र अग्रवाल और प्रीतम अग्रवाल पुत्र विजय अग्रवाल निवासी वैशाली दिल्ली की मौत हो गई। वहीं, बस कंडेक्टर दीपक जैमन सहित 20 लोग घायल हो गए। जिनमें से 10 की हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसे के वक्त बस में करीब 40 सवारियां थी, जिनमें से अधिकतर गहरी नींद में सो रहे थे। तभी बेकाबू बस के ट्रेलर में घुसते ही तेज धमाका हुआ। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला और एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया।

हादसे के बाद लगा जाम

हादसे के बाद जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। करीब एक किमी तक वाहनों की कतार लग जाने से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को बीच सड़क से हटवाया। इस दौरान करीब एक घंटे तक जाम के हालात रहे। पुलिस ने जाम खुलवाकर यातायात सुचारू करवाया।

फिरौती के लिए एक साथ तीन युवकों पर हमला

पिस्टल दिखाकर किया अपहरण

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर. रामनगरिया थाना पुलिस ने 5-5 लाख की फिरौती के लिए अपहृत तीन युवकों को मुक्त करवा दो अपहर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों के कब्जे से पिस्टल बरामद की है। डीसीपी (पूर्व) कावेन्द्र सागर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विक्रम सिंह (21) लसवारिया केकड़ी और रिषभ चौधरी चाकसू का रहने वाला है। शनिवार रात 11 बजे पाली निवासी यशपाल सिंह ने फोन पर सूचना दी। उसने बताया कि 11 बजे दोस्त तरुण मेवाड़ा, हर्ष जांगिड, हिमांशु पटवा के साथ कार से उनके विला की तरफ जा रहे थे। तभी दो कारों में 5 से 7 लड़के आए और उनके आगे-पीछे गाड़ी लगाकर रोक लिया। मौका पाकर वह भाग गया। लेकिन उनके तीनों दोस्तों पर डंडे व सरियों से हमला कर दिया। हथियार दिखाकर कार सवार बदमाश अपहरण कर ले गए। मारपीट नही करने और छोड़ने के लिए वे पांच पांच लाख रुपए मांग रहे थे।

जानकारी मिलने पर पुलिस चाकसू के गांव नेड़वा पहुंची। जहां कच्चे रास्ते पर दो कार दिखाई दी। शक होने पर वाहनों का पीछा कर दो जनों को दबोच लिया। अन्य बदमाश तारों की बाड़ लांघकर भाग गए। पुलिस ने बताया कि दो आरोपी विक्रम सिंह और रिषभ चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से तरुण मेवाड़ा, हर्ष जांगिड और हिमांशु पटवा को मुक्त करवा लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी पैसे वाले लोगों की तलाश करते थे। घटना को अंजाम देने के लिए व्यक्ति का पीछा कर किसी बहाने से रुकवाकर हमला कर देते।

शिक्षक हीराराम ने अभ्यर्थियों तक पहुंचाया था पेपर

पुलिस के पहुंचने से पहले गोवा से फरार

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर. बांसवाड़ा. वन रक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में पुलिस उदयपुर के सरकारी अध्यापक हीराराम सारण को तलाश रही है। सारण ने ही परीक्षा से पहले पेपर उपलब्ध कराया था। अभी तक पुलिस उस स्थान पर नहीं पहुंच पाई जहां से पेपर चुराया गया था। हीरा के गोवा में छिपे होने की सूचना मिली थी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह भाग निकला। उधर, एसओजी गिरफ्तार ग्यारह आरोपियों से पूछताछ कर पेपर लेने वाले अन्य अभ्यर्थियों की पहचान में जुटी है। लीक पेपर पढने वाले सभी अभ्यर्थी गिरफ्तार होंगे।

गुड़ामलानी के अटरवाव गांव निवासी हीरालाल पुत्र रतनाराम सारण ने उदयपुर से बीएसटीसी की थी।

वह वर्ष 2022 में ही तृतीय श्रेणी शिक्षक बना था। अभी उस का परिवीक्षा काल चल रहा है। उसने लव मैरिज की है तथा उसकी पत्नी भी तृतीय श्रेणी शिक्षिका है। ऐसे में उसके पकड़े जाने के बाद उनकी परीक्षा की भी जांच की जाएगी।

पुलिस हीरा को 17 दिन से तलाश रही है। हीरालाल वागड़ में करीब 20 वर्ष से सक्रिय है। उसका नेटवर्क बड़ा होने के साथ ही पुलिस को आशंका है कि कई पेपर लीक करने वाले सुरेश ढाका की गैंग से भी हरीश के तार जुड़े हो सकते हैं। आशंका यह भी है कि लीक पेपर बांसवाड़ा के साथ ही प्रदेश के अन्य जिलों और कई गैंग तक पहुंचा है।

बेहद शातिर, नंबर और ठिकाने बदल रहा

हीराराम उर्फ हरीश गांव से फरार हुआ है उस दिन से कई मोबाइल नंबर बदल चुका है। एक स्थान पर एक दिन से ज्यादा टिक भी नहीं रहा है। इस कारण अब तक पुलिस से बचने में कामयाब हो रहा है।

युवक ने रील बनाकर सुसाइड नोट किया वायरल

बारां, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बारां जिले के अन्ता थाना क्षेत्र के हापाहैड़ी गांव में एक युवक की फंदा लगा लेने से संदिग्ध अवस्था में मृत्यु हो गई। शव का पोस्टमार्टम सोमवार सुबह जिला अस्पताल में होगा। मामले में मृतक की आईडी से फेसबुक पर रील बनाकर सुसाइड नोट भी वायरल किया गया है। इसमें मृतक ने पत्नी पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए फंदा लगाकर आत्महत्या करने की बात कही गई है। फिलहाल पुलिस की ओर से सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। फंदा लगाने से पहले युवक गांव में गया था तथा महादेव बाबा का प्रसाद लेकर आया था। पुलिस ने बताया कि हापाहैड़ी गांव निवासी महावीर प्रसाद बैरवा (31) ने अज्ञात कारणों से घर पर फंदा लगा लिया था। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां आपातकालीन वार्ड में जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की आईडी से फेसबुक पर वायरल की गई सुसाइड नोट की रील में कहा कि मुझे मेरी पत्नी टॉर्चर करती है। लेनदेन व बैंक में जमा रुपए पैसों का हवाला देते हुए रकम पिता बलराम बैरवा को देने की बात कही गई है। पुलिस का कहना है कि परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पूरे मामले की जांच की जाएगी।

धन्वंतरि फाउंडेशन इंटरनेशनल ट्रस्ट के खिलाफ मामला दर्ज

514 करोड़ रुपये एकत्र करने और लगभग 4 हजार पीड़ितों को धोखा देने का आरोप

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एस. नरसिम्हा मूर्ति की शिकायत पर सीसीएस, हैदराबाद में धन्वंतरि फाउंडेशन इंटरनेशनल ट्रस्ट के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जिसका प्रतिनिधित्व इसके निदेशक डॉ.पी. कमलाकर शर्मा और अन्य कर रहे हैं। इन लोगों पर ब्राह्मण समुदाय के नाम पर निर्दोष वरिष्ठ नागरिकों/पीड़ितों को लुभाने और एक निश्चित अवधि के भीतर उनकी जमा/निवेश पर अच्छा मुनाफा देने का आश्वासन देने का आरोप है।

लगभग 514 करोड़ रुपये एकत्र करने और लगभग 4000 पीड़ितों को धोखा देने का आरोप है। पुलिस उपायुक्त डीडी, हैदराबाद व प्रभारी अतिरिक्त अपराध एवं एसआईटी, हैदराबाद एन. श्वेता ने बताया कि इस अपराध में लगभग 200 पीड़ितों से बातचीत की गई। जांच अधिकारी एल. आदिनारायण, एसीपी ईओडब्ल्यू टीम-VI, सीसीएस, हैदराबाद के अनुसार, अब तक डीएफआई और उसकी कंपनियों द्वारा अंबरपेट में डीएफआई अस्पताल परिसर, अंकापल्ली, वैजाग, गन्नावरम, विजयवाड़ा, सिद्दीपेट और मिडजिल में लगभग 450 एकड़ जमीन और हैदराबाद शहर के केंद्र में लगभग 3000 वर्ग गज का वाणिज्यिक स्थान अर्जित किया गया है और चार संपत्तियों में जीओ प्राप्त करने में सफल रहे और पूर्ण आदेश के लिए एमएसजे कोर्ट के समक्ष हलफनामा दायर किया। शेष दो संपत्तियों के लिए सरकार के साथ प्रक्रिया प्रगति पर है।

अब तक डीएफआई और फ्लोट की गई कंपनियों के लगभग 30 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है। फोरेंसिक ऑडिट भी किया गया है। डीसीपी, डीडी ने पीड़ितों को आश्वासन दिया है जांच पूरी करने और जमाकर्ताओं के संरक्षण अधिनियम के अनुसार सभी पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

बेटे ने कर दी मां की हत्या

निर्मल, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक मां की उसके छोटे बेटे द्वारा बेरहमी से हत्या करने की घटना सोमवार को निर्मल जिले के लोकेश्वरम मंडल में हुई। लोकेश्वरम पुलिस के मुताबिक, मंडल के लक्ष्मी नगर टांडा में मां इंदिरा बाई (60) की उनके छोटे बेटे रायबाबू ने चाकू से वार कर हत्या कर दी।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से परिवार में झगड़ा हो रहा था, सोमवार सुबह दोनों मां-बेटों में झगड़ा हो गया और देखते ही देखते मां का पेट काट दिया, जिससे इंदिरा बाई की मौके पर ही मौत हो गई। भैंसा एएसपी अविनाश कुमार, मुधोल सीआई मल्लेश और एएसआई दिगंबर ने घटना स्थल का दौरा किया और विवरण एकत्र कर शव का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मौसमी बीमारियों और डेंगू बुखार से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठाने का निर्देश

नगरपालिका विभाग के मुख्य सचिव दानकिशोर ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, राज्य नगरपालिका विभाग के मुख्य सचिव दानकिशोर ने अधिकारियों को लोगों को मौसमी बीमारियों और डेंगू बुखार से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने डॉ. बी.आर.अंबेडकर सचिवालय ने सोमवार को जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली, अतिरिक्त आयुक्तों, क्षेत्रीय आयुक्तों, उपायुक्तों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को पूरे जीएचएमसी में मच्छर जनित बीमारियों को पूरी तरह से रोकने, मच्छरों की रोकथाम के लिए एंटी-लार्वा अभियान चलाने, स्थानीय तालाबों, पोखरों और नहरों में स्प्रे अभियान चलाने और डेंगू बुखार पर जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि बरसात के मौसम को देखते हुए मच्छरों का प्रकोप अधिक होने की संभावना को देखते हुए मच्छरों की वृद्धि को रोकने के लिए सभी उपाय किए जाने चाहिए।

अधिकारियों को स्वच्छता के लिए प्रत्येक कॉलोनी में स्वयंसेवकों की एक प्रणाली स्थापित करके लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया गया, उपायुक्तों और सहायक चिकित्सा अधिकारियों को प्रतिदिन दर्ज किए जा रहे डेंगू बुखार का विवरण इकट्ठा करने के लिए जीएचएमसी के तहत 268 बस्ती अस्पतालों का दौरा करने और उनकी गंभीरता को बढ़ने से रोकने के लिए उचित उपाय करें। उन्होंने सुझाव दिया कि जीएचएमसी के अधिकार क्षेत्र के तहत सार्वजनिक और निजी शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए और ये कार्यक्रम स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों की मदद से किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि फील्ड लेवल मॉनिटरिंग को मजबूत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस जून के अंत तक डेंगू के केवल 148 मामले दर्ज किए गए हैं जो पिछले साल की तुलना में बहुत कम है और ऐसा इसलिए है क्योंकि नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों और चिकित्सा टीमों ने कड़े कदम उठाए हैं और मामले कम हैं। उन्होंने कहा कि इस साल भी अधिक फोकस की जरूरत है।

प्रजावाणी आवेदनों के निस्तारण में तेजी लाई जाए : अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती ने अधिकारियों को प्रजावाणी में विभिन्न मुद्दों पर प्राप्त अपीलों को तेजी से हल करने का निर्देश दिया है। अतिरिक्त आयुक्त श्रीवास्तव के साथ नलिनी पद्मावती सत्यनारायण को सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित एक सार्वजनिक संबोधन में शहर के विभिन्न हिस्सों से लोगों से अपील मिली। फ़ोन-इन कार्यक्रम के माध्यम से 9 अनुरोध प्राप्त हुए और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजे गए। इसमें टाउन प्लानिंग, नाली समेत अन्य मुद्दों को लेकर शिकायतें आयीं। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में 30 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से टाउन प्लानिंग 15, परिवहन 1, राजस्व 5, सीई रखरखाव 2, एफए 2, चुनाव 2, प्रशासन 2 और झील विभाग को 1 अनुरोध प्राप्त हुआ जीएचएमसी के तहत छह क्षेत्रों में कुल 147 आवेदन प्राप्त हुए। चारमीनार जोन में 4, सिकंदराबाद जोन में 18, कुकटपल्ली जोन में 61, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 51, खैरताबाद जोन में 1 और एलबीनगर जोन में 12 अपीलें प्राप्त हुईं। अतिरिक्त आयुक्त चंद्रकांत रेड्डी, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नाइक, एसएनडीपीसी सीई कोटेश्वर राव, सीएम एवं एचओ डॉ. पद्मजा, प्रमुख कीट विज्ञान डॉ. रामबाबू, मुख्य पशुचिकित्सक डॉ. अब्दुल वकील, कर मूल्यांकन अधिकारी महेश कुलकर्णी, डिप्टी सीई केएस रेड्डी, संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी व अन्य शामिल हुए।

38वें हैदराबाद नौकायन सप्ताह का समापन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के नौकायन कैलेंडर में एक ऐतिहासिक आयोजन, 38वां हैदराबाद नौकायन सप्ताह सोमवार को एक भव्य समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय, वीएसएम, कमांडेंट एमसीईएमई, कर्नल कमांडेंट कोर ऑफ ईएमई, कमोडोर ईएमई सेलिंग एसोसिएशन और लेजर क्लास एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति रही और सिकंदराबाद क्लब के अध्यक्ष श्री गौतम भूपाल भी मौजूद रहे।

भारतीय नौकायन संघ द्वारा मान्यता प्राप्त यह कार्यक्रम 01 जुलाई से 07 जुलाई 2024 तक आयोजित किया गया था और इसका आयोजन ईएमई सेलिंग एसोसिएशन, लेजर क्लास एसोसिएशन ऑफ इंडिया और सिकंदराबाद सेलिंग क्लब द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेना और पूरे देश में नौकायन के खेल को बढ़ावा देना और एशियाई खेलों और ओलंपिक के लिए भावी पदक विजेताओं की प्रतिभा की पहचान करना था। पदक विजेताओं में आईएलसीए 4 (महिला) स्वर्ण: शगुन झा (मध्य प्रदेश), रजत: सौम्या सिंह पटेल (मध्य प्रदेश), कांस्य: मान्या रेड्डी (तेलंगाना), आईएलसीए 6 (महिला) स्वर्ण: रितिका डांगी (मध्य प्रदेश/ नौसेना), रजत: नेहा ठाकुर (मध्य प्रदेश), कांस्य: लवती धरणी (तेलंगाना), 470 (मिश्रित) स्वर्ण: श्रद्धा वर्मा और आर के शर्मा (महाराष्ट्र/ नौसेना), रजत: उमा चौहान और सुधांशु शेखर (महाराष्ट्र/ नौसेना), कांस्य: नैन्सी राय और मनीष शर्मा (मध्य प्रदेश), आईएलसीए 4 (पुरुष) स्वर्ण: शशांक बाथम (मध्य प्रदेश) रजत: अक्षत कुमार डोगरा (मध्य प्रदेश), कांस्य: एकलव्य बाथम (मध्य प्रदेश), आईएलसीए 6 (पुरुष), स्वर्ण: बिक्रम महापात्रा (उड़ीसा/ सेना), रजत: राम मिलन यादव (मध्य प्रदेश), कांस्य: दिलीप कुमार (बिहार/ सेना), आईएलसीए 7 स्वर्ण: मोहित सैनी (राजस्थान/सेना), रजत: महाप्रभु (तमिलनाडु/सेना), कांस्य: दीपक के सैनी (महाराष्ट्र/सेना) शामिल हैं। जनरल वार्ष्णेय ने अपने संबोधन में नाविकों की समर्पण और कौशल की सराहना की, तथा नौकायन में खेल भावना और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने खेल को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने में ईएमई सेलिंग एसोसिएशन और लेजर क्लास एसोसिएशन ऑफ इंडिया की भूमिका पर जोर दिया।

पीरजादीगुडा में तोड़फोड़ को लेकर ईटेला ने सरकार पर निशाना साधा

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र ने आज कहा कि कांग्रेस सरकार अब निरंकुश रवैये से गरीब लोगों को परेशानी में डालने के उसी रास्ते पर चल पड़ी है। इटेला ने आरोप लगाया, सत्ता में आने से पहले गरीबों पर मगरमच्छ के आंसू बहाने वाली कांग्रेस पार्टी अब गरीबों के घरों को ध्वस्त कर रही है। पीरजादीगुड़ा सीमा के प्रिया एन्क्लेव में सरकार द्वारा घरों को ध्वस्त करने पर सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, इटेला ने कहा, यह अपमानजनक है कि सबसे गरीब लोगों ने दूसरों से खरीद की है और उनके घरों को ध्वस्त होते देखा है जो सभी अनुमतियों के साथ बनाए गए थे। उन्होंने कहा, यहां घर बनाने वाले सभी लोग छोटे कर्मचारी और गरीब लोग हैं, लेकिन अगर ये वास्तव में अवैध जमीनें हैं, तो उन्हें घर बनाने के लिए जीएचएमसी से अनुमति कैसे मिली, साथ ही होम लोन भी?

इन घरों को गिराने के पीछे एक राजनीतिक साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि सभी पीड़ितों ने रामदास गौड़ से घर खरीदे थे, जो कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पोचय्या नामक एक पार्षद यह सब गुस्से में कर रहा है क्योंकि उसे कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया, अगर वह लोगों को जेल भेजकर डराना चाहता है, तो उसने ऐसा किया है। आप यह जानते हुए भी वही काम कर रहे हैं कि क्या हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्या को हल करने के लिए व्यवस्था होनी चाहिए और कहा कि ऐसी स्थिति नहीं होनी चाहिए जहां सरकार खुद लोगों को प्रताड़ित करे।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछली केसीआर सरकार के दौरान भी यही स्थिति देखी गई थी लेकिन अब रेवंत रेड्डी के शासन में भी यही देखने को मिल रहा है। 30 से 40 साल पहले खरीदी गई जमीन में हस्तक्षेप करना सही नहीं है।

ईसीआईएल की भारतीय ज्ञान प्रणाली राष्ट्रीय सेमिनार में सहभागिता

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बाम्बे में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के प्रबंधक एवं प्रभारी, कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास डॉ. राजनारायण अवस्थी को मानव संसाधन प्रशिक्षण एवं शाश्वत विकास में मानव-मूल्यों का समावेश विषय पर शोधपत्र प्रस्तुति

के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मानव संसाधन प्रशिक्षण के विभिन्न पक्षों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के प्रभाव पर शोधपत्र प्रस्तुति के माध्यम से प्रकाश डाला। आईआईटी, बाम्बे तथा आईआईएम, अहमदाबाद सहित राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थानों ने प्रस्तुति की प्रशंसा की। इस सेमिनार में राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास के क्षेत्र में दो सौ से अधिक विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था।

किसानों को वन अधिकारी परेशान कर रहे

चेन्नूर, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोटापल्ली मंडल के लगभग 16 गांवों के पोडु किसानों ने आरोप लगाया है की उन्हें वन अधिकारीयों द्वारा परेशान किया जा रहा है। उत्पीड़न को तुरंत रोकने और किसानों को खेती करने में मदद करने के लिए भाजपा कोटापल्ली मंडल पार्टी के नेतृत्व में सोमवार चेन्नूर के वन कार्यालय में डीएफओ को याचिका सौंपी गई।

इस कार्यक्रम में भाजपा पेद्दापल्ली संसद संयोजक वेंकटेश्वर गौड़, भाजपा कोटापल्ली मंडल पार्टी अध्यक्ष मंत्री रमैया, कोटापल्ली मंडल पूर्व एमपीपी सुरेखा, चेन्नूर नगर भाजपा अध्यक्ष जाडी तिरूपति, गैरपल्ली वेंकट नारसिया, कोटापल्ली मंडल भाजपा नेताओं एवं किसानों ने भाग लिया है।

साहित्य सेवा समिति की 113 वीं गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साहित्य सेवा समिति की 113 वीं गोष्ठी सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता कवि जी परमेश्वर ने की। गोष्ठी के प्रथम सत्र में वाट्स एप का हिन्दी साहित्य को योगदान विषय पर चर्चा की गई।

अध्यक्ष जी परमेश्वर ने बताया कि किस प्रकार वाट्स एप के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। लोगों की रचनाएँ सुरक्षित नहीं रहतीं, एकाधिकार नहीं रह पाता और सर्वाधिकार भी सुरक्षित नहीं रह पाते।

लोग अपने आवश्यक कार्यों से विमुख होते जा रहे हैं। वाट्स एप में लिप्त रहने के कारण शारीरिक सक्रियता कम होती जा रही है। चद्र प्रकाश दायमा ने वाट्स एप के अन्य दुष्प्रभावों पर चर्चा की। सुनीता लुल्ला ने एक कविता से पुस्तक तक पहुचने की यात्रा में निश्चित रूप से वाट्स एप का योगदान अभिनंदनीय है। द्वितीय सत्र का संचालन पूजा महेश ने किया और उर्मिला पुरोहित, डॉ अर्चना पांडेय, चंद्र प्रकाश दायमा, मंजू भारद्वाज, कंचन श्रीवास्तव, पूजा महेश, सुनीता लुल्ला और जी. परमेश्वर ने काव्य पाठ किया।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा सिद्धार्थ गणेश समिति बेगम बाजार के सहयोग से 130 वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर बेगम बाजार स्थित एलएमजीस स्मार्ट किड्स हाई स्कूल में संपन्न हुआ। शिविर का 331 रोगियों ने लाभ लिया और 163 लोगों को चश्मे वितरित किए गए और 31 लोगों के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई।

शिविर भगवान महावीर विकलांग समिति हैदराबाद, मेडिकवर अस्पताल बेगमपेट, एलसीएस डंडू आई इंस्टीट्यूट वेस्ट मारेडपल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसमें ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, नेत्र, दंत, अर्थोपेडिक, कार्डियालॉजी, गायनेकोलॉजी, स्त्री रोग आदि सेवाएं दी गई।

अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा 1 दिव्यांग को सेवा प्रदान की गई।

शिविर में संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, अजीत गुप्ता, निखिल रानासारिया, उर्मिला अग्रवाल, सुनील व्यास, राजेंद्र जाधव, रोहित भगत, गोपाल दास रामावत, परमेश यादव, बबीता गर्ग, रितु गर्ग, अजय तुलस्यान, राधेश्याम बियानी, मनोज सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, शरद यादव, हरि बंसल, नवल बंसल, पित्ती लेमिनेशन के सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

घटकेसर कोन्डापुर स्थित पँवार परिवार द्वारा आयोजित जागरण पूजा-अर्चना व हवन कार्यक्रम मे अतिथियों का सम्मानकर उपस्थित आयोजक दलाराम, डवराराम पँवार, कोरेमुला सीरवी समाज सरंक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, सहसचिव राजाराम गहलोत व समाज बन्धु।

श्री सिखवाल ब्राम्हण सजाम भाग्यनगर द्वारा रविवार को भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा की पालकी में शोभा यात्रा निकाली गई। जो शहर के विभिन्न मार्गों से भजन किर्तन गाते हुए श्री राम दरबार पंचायती वाडा पहुंची। यात्रा में हैदराबाद, सिकंदराबाद के साथ राज्यभर से भक्त सम्मिलित हुए।

मदनूर से बड़ा शक्करगा एक्स रोड का हाल बेहाल

मदनूर, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त निजामाबाद जिले में कपास खरीद-बिक्री के लिए अवल्ल व्यापार केंद्र के रुप में जाने जाने वाले मदनूर से बडा शक्करगा एक्स रोड के हाल बेहाल है। इस रोड पर इस जिनिंग और दो ऑयल मिल है जिससे आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड रहा है।

स्थानिक कपास व्यापारियों ने बताया कि, जिले में मदनूर बाजार पेठ कपास खरीदी विक्री में अव्वल है। कपास के मौसम में हर रोज हजारों किंटल कपास का व्यापार होता है। जिनिंग व ऑयल मिल के और से हर वर्ष स्थानिक कृषि बाजार समिति के नाम पर लाखों रुपया कृषि बाजार समिति में फीस जमा किया जाती है। लेकिन मदनूर मुख्य बजार स्थल रहते हुए भी तेलंगाना सरकार की ओर से मदनूर से लेकर बड़ा शक्करगा एक्स रोड तक पक्की सड़क निर्माण नही किया गया। बरसात के दिनों में वाहन चालक, राहगिरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे होने से छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होना आम बात हो गई है। स्थानिक व्यापारी व जनता ने राजकीय नेता व आधिकारियों से पक्की सड़क निर्माण करने की मांग की है।

प्रजावाणी आवेदनों का निराकरण शीघ्रता से किया जाए : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में आवेदकों द्वारा किए गए आवेदनों की गहन जांच की जाएगी और विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे।

सोमवार को कलक्ट्रेट भवन परिसर में जिला अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी, दसारी वेणु, आसिफाबाद, कागजनगर राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव और कसाबोइना सुरेश ने आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम के माध्यम से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय कर लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जायेगा और उन्होंने कहा कि प्रजावाणी में प्राप्त आवेदनों के समाधान के लिये कदम उठाये जाएंगे। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, कलक्ट्रेट कर्मचारी एवं आवेदक शामिल हुए।

आवारा कुत्तों के हमले में तीन घायल

निर्मल, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भैंसा मंडल सुंकली गांव में आवारा कुत्तों ने तीन लोगों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार की रात घर के बाहर सो रहे नरसैया, मुत्यम और सागरा पर गांव के कुत्तों ने हमला कर दिया और गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन उन्हें लेकर भैंसा सरकारी अस्पताल पहुंचे जहां उनका इलाज कर रहे हैं।

मंदिर में चोरी के प्रयास में एक गिरफ्तार

भैंसा, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को निर्मल जिले के भैंसा शहर में पद्मावती कॉलोनी में श्री वेंकटेश्वर मंदिर में चोर ने हुंडी तोड़कर चोरी करने की कोशिश की। गोरखा और स्थानीय लोगों ने मंदिर से आ रही आवाज को देखा तो पुलिस को सूचित किया। पुलिस तुरंत घटना स्थल पर पहुंची और चालाकी से एक चोर को पकड़कर थाने ले गई। चोरी के प्रयास के वीडियो मोबाइल व्हाट्सएप पर भी वायरल हो रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बिना मैच खेले खिलाड़ी हो गए मालामाल

बीसीसीआई के 125 करोड़ रुपये का हुआ बंटवारा

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ची20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम पर खूब धनवर्षा हुई है। टीम को आईसीसी और बीसीसीआई ने मालामाल कर दिया है। आईसीसी ने जहां टीम को विजेता राशि के रूप में 37 करोड़ रूपये की धनराशि दी है। वहीं, बीसीसीआई ने भी टीम इंडिया पर पैसों की बौछार कर दी है। बीसीसीआई ने टीम इंडिया को 125 करोड़ रुपये का इनाम दिया है। इससे हर खिलाड़ी के हिस्से में करोड़ों रुपये आए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इसकी जानकारी भी सामने आ गई है कि किन खिलाड़ियों को कितना-कितना पैसा मिलेगा। आइए जानते हैं कप्तान, खिलाड़ी और कोच को इनमें से कितनी धनराशि मिलेगी।

125 करोड़ रुपये का कैसे होगा बंटवारा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से विजेता टीम को दी गई 125 करोड़ रुपये की धनराशि को खिलाड़ी और सपोर्टिंग स्टॉफ दोनों में बांटी जाएगी। एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 125 करोड़ रुपये में से सबसे ज्यादा 5-5 करोड़ रुपये 15 सदस्यीय टीम और टीम के मुख्य कोच को दी जाएगी। इसके बाद बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग कोच को सर्वाधिक 2.50-2.50 करोड़ रुपये की धनराशि बांटी जाएगी।

चयनकर्ता और रिजर्व खिलाड़ियों को भी मिलेगी धनराशि

टीम का चयन करने वाले पांच सदस्यीय चयनकर्ता को भी इस राशि में से 1-1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। वहीं, टीम में बतौर रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर चुने गए 4 खिलाड़ियों को भी 1-1 करोड़ रुपये की धनराशि दी जाएगी। इसमें रिंकू सिंह, शुभमन गिल, आवेश खान और खलील अहमद शामिल हैं।

भारतीय टीम के साथ जुड़े 3 फीजियोथेरेपिस्ट, 3 थ्रोडाउन विशेषज्ञ, दो मालिन करने वाले और स्ट्रेंथ व कंडीशनिंग कोच को इस धनराशि में से 2-2 करोड़ रुपये मिलेंगे। भारतीय टीम के साथ कुल 42 लोग टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। इसमें टीम की सोशल मीडिया टीम, बीसीसीआई स्टाफ सदस्य, मीडिया अधिकारी और टीम के लॉजिस्टिक्स मैनेजर भी शामिल हैं। इन सबको भी इस धनराशि में से पैसा मिलेगा।

बिना मैच खेले पाएंगे 5-5 करोड़ रुपये

भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल रहे यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन और युजवेंद्र चहल ने वर्ल्ड कप में कोई भी मैच नहीं खेला है। लेकिन उन्हें 15 सदस्यीय टीम में शामिल रहने के कारण 5-5 करोड़ रुपये मिलेंगे।

किसे कितना मिलेगा पैसा

प्रत्येक को 5-5 करोड़ रुपये - 15 सदस्यीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज

5 करोड़ रुपये - टीम के मुख्य कोच : राहुल द्रविड़

प्रत्येक को 2.50-2.50 करोड़ रुपये - बल्लेबाजी, गेंदबाजी व फील्डिंग कोच : विक्रम राठौर, पारस महाम्ब्रे और टी दिलीप

प्रत्येक को 2-2 करोड़ रुपये - 2 फीजियोथेरिपिस्ट, 3 थ्रोडाउन विशेषज्ञ, 2 मालिश करने वाले और 1 शक्ति एवं कंडीशनिंग कोच : कमलेश जैन, योगेश परमार, तुलसी राम युवराज, राघवेंद्र दवगी, नुवान उदेनेके, दयानंद गरानी, राजीव कुमार, अरुण कनाडे और सोहम देसाई

प्रत्येक को 1-1 करोड़ रुपये - 5 सदस्यीय चयनकर्ता : अजीत अगरकर, शिव सुंदर दास, सुब्रतो बनर्जी, सलिल अंकोला और श्रीधरन शरथ

प्रत्येक को 1-1 करोड़ रुपये - 4 रिजर्व खिलाड़ी : शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान

ईशान किशन का करियर अब सिर्फ हार्दिक पंड्या ही बचा सकते हैं?

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ईशान किशन ने ये तो कह दिया है कि वो फिर से घरेलू क्रिकेट की ओर लौटेंगे. वहां खेलेंगे और फिर उसके जरिए टीम इंडिया में वापसी का रास्ता तलाशेंगे. लेकिन, क्या ये सब इतना आसान रहने वाला है. शायद नहीं. ईशान किशन अगर घरेलू क्रिकेट में खेलकर परफॉर्म भी कर दें, फिर भी ये कहना की उनकी टीम इंडिया में वापसी हो जाएगी, जरा मुश्किल है. ऐसा इसलिए क्योंकि टीम में जगह बनाने या बनाए रखने को लेकर खिलाड़ियों के बीच प्रतिद्न्दिता बढ़ चुकी है. ऐसे में ये कयास लगाना गलत नहीं होगा कि ईशान किशन के करियर को अब सिर्फ हार्दिक पंड्या ही बचा सकते हैं.

टीम इंडिया के साथ ईशान किशन का करियर वनडे वर्ल्ड कप 2023 तक एकदम शानदार चल रहा था. वो टीम के साथ लगातार बने थे. लेकिन, फिर उसके बाद साउथ अफ्रीका दौरे पर लिए एक फैसले के बाद सबकुछ अचानक से बदल गया. टीम इंडिया में जगह के अलावा बीसीसीआई ने ईशान किशन से सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट भी छीन लिया. ना तो टी20 वर्ल्ड कप 2024 की टीम में उनका सेलेक्शन हुआ और ना ही जिम्बाब्वे दौरे पर. आलम ये है कि अब बहुत जल्दी उन्हें टीम इंडिया के लिए कोई मैच खेले एक साल भी होने वाला है.

ईशान किशन अब घरेलू क्रिकेट खेलने को तैयार

हालांकि, जिस वजह से ईशान को ये सबकुछ झेलना पड़ा आखिर में उन्हें वही करने को मजबूर होना पड़ा है. साउथ अफ्रीका दौरे से मानसिक थकान का हवाला देकर ब्रेक लेने वाले ईशान अगर बीसीसीआई के निर्देशों को फॉलो कर घरेलू क्रिकेट खेलते तो शायद अब तक वो टीम इंडिया में वापसी कर भी चुके होते. उन्होंने तब तो बीसीसीआई के निर्देश नहीं माने लेकिन अब घरेलू क्रिकेट खेलने को तैयार हैं. लेकिन, क्या घरेलू क्रिकेट खेलकर ईशान किशन की टीम इंडिया में फिर से वापसी हो सकती है? ये सवाल इसलिए क्योंकि बात सिर्फ परफॉर्म करने की नहीं है, उन खिलाड़ियों से भी तगड़े कॉम्पिटिशन की है, जो पहले से ही टीम के अंदर हैं. इंजरी से ऋषभ पंत की वापसी के बाद ईशान किशन के लिए बतौर विकेटकीपर खेल पाना मुश्किल दिखता है. वहीं अगर टीम के दूसरे विकेटकीपर के तौर पर देखें तो संजू सैमसन और ध्रुव जुरैल से उन्हें तगड़ा कॉम्पिटिशन है. इसके अलावा बतौर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और उभरकर आए अभिषेक शर्मा से उन्हें कड़ी टक्कर मिल सकती है.

अब तो हार्दिक पंड्या ही बचा सकते हैं करियर!

ईशान किशन की टीम इंडिया में वापसी की कोशिशों को कामयाबी कितनी मिलेगी, ये उनके खुद के दम पर कहना मुश्किल है. ऐसे में माना जा रहा है कि हार्दिक पंड्या ही हैं जो उनके करियर को बचा सकते हैं. अब सवाल है कि हार्दिक पंड्या ये काम कैसे करेंगे? कैसे वो ईशान किशन के डूबते करियर के लिए तिनके का सहारा बन सकते हैं? तो इसका जवाब है इन दो खिलाड़ियों की बॉन्डिंग. इनके बीच का प्यार और अपनापन. ईशान किशन, हार्दिक पंड्या के करीबी माने जाते हैं. अक्सर ईशान को हार्दिक के साथ प्रैक्टिस करते या समय बिताते देखा जा सकता है.

डायमंड लीग में अविनाश साबले ने दिखाया दम

तोड़ा अपना ही राष्ट्रीय स्टीपलचेज रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके अविनाश साबले ने डायमंड लीग में 8 मिनट और 9.91 सेकंड का समय लेकर छठा स्थान हासिल करते हुए 3000 मीटर स्टीपलचेज का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 2022 में बनाए गए अपने पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 8:11.20 से करीब 1.5 सेकंड बेहतर प्रदर्शन किया।

इथियोपिया के अब्राहम सिमे 8:02.36 के समय से कीनिया के अमोस सेरेम ((8:02.36) से 'फोटो फिनिश' में पहले स्थान रहे। कीनिया के अब्राहम किबिवोट 8:06.70 के समय से तीसरे स्थान पर रहे।

साबले ने दो साल पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और वह इसे तोड़ने में सफल रहे। यह उनका 10वां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन रहा।

वहीं पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में ओलंपिक दल के सदस्य किशोर जेना का संघर्ष जारी रहा और वह 78.10 मीटर के प्रयास से आठवें स्थान पर रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.54 मीटर है और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 80.84 मीटर है। पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले जेना का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर का थ्रो लगाया था।

एलड्रिन, अंकिता ने इस आधार पर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया

भारतीय एथलीटों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने चार जुलाई को 28 सदस्यीय टीम की घोषणा के बाद कहा था कि राष्ट्रीय महासंघ की चयन समिति ने फैसला किया है कि जो भी बाद में पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करेगा, उसे टीम में शामिल किया जाएगा।

पेरिस ओलंपिक को शुरू होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और सभी एथलीट इसमे अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। इस बीच लंबी कूद के भारतीय एथलीट जेस्विन एलड्रिन और 5000 मीटर की धाविका अंकिता ध्यानी ने भी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। इन दो एथलीटों ने विश्व रैंकिंग कोटे के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया जिससे भारतीय एथलेटिक्स टीम में सदस्यों की संख्या बढ़कर 30 हो गई। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी।

लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एलड्रिन और अंकिता का नाम विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) द्वारा प्रकाशित नवीनतम सूची में शामिल है। राष्ट्रीय महासंघों ने अंतरराष्ट्रीय संस्था को अपने उन एथलीटों के बारे में सूचित किया जो कट बनाने के बावजूद विभिन्न कारणों से पेरिस में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। इसी तरह का उदाहरण भारत के शीर्ष लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर का है, जिन्हें 8.27 मीटर के क्वालिफिकेशन मानक से सीधे प्रवेश करने के बावजूद चोट के कारण खेलों से बाहर होना पड़ा।

एलड्रिन सूची में 31वें स्थान पर हैं, जबकि 32 खिलाड़ी ओलंपिक में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में भाग लेंगे। अंकिता को 42वें स्थान पर रखा गया जो अंतिम रैंकिंग स्थान है। दो जुलाई को दोनों ही क्वालीफिकेशन ब्रैकेट से बाहर थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि दोनों को भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, हां, ये दोनों विश्व रैंकिंग के जरिए सूची में शामिल हुए हैं और उन्हें ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा।

भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने चार जुलाई को 28 सदस्यीय टीम की घोषणा के बाद कहा था कि राष्ट्रीय महासंघ की चयन समिति ने फैसला किया है कि जो भी बाद में पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करेगा, उसे टीम में शामिल किया जाएगा।

आंद्रे रसेल ने 351 फीट ऊपर पहुंचाई गेंद

हारिस रऊफ को पड़ा ऐसा छक्का, जिंदगी भर ना भूल पाएंगे

टेक्सास, 8 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट के खेल में छक्के लगते रहते हैं. जब से T20 फॉर्मेट आया है तब से बल्लेबाजों के छक्के लगाने का सिलसिला और भी बढ़ गया है. वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्र रसेल तो लंबे-लंबे छक्के लगाने के लिए ही जाने जाते हैं. लेकिन, अमेरिका में शुरू हुई मेजर लीग क्रिकेट में पाकिस्तानी गेंदबाज हारिस रऊफ के खिलाफ उन्होंने जो छक्का लगाया है, उसकी बात ही अलग है. इसमें गेंद ने सिर्फ लंबी दूरी तय नहीं की बल्कि उस ऊंचाई को भी छुआ जैसा पहले कभी शायद ही किसी लेवल के क्रिकेट पर देखने को मिला हो. हारिस रऊफ को पड़ा ये वो छक्का है, जो उन्हें ताउम्र याद रहेगा.

मेजर लीग क्रिकेट में 7 जुलाई को लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स और सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न के बीच मुकाबला हुआ. इस मैच में नाइट राइडर्स ने पहले बैटिंग की. नाइट राइडर्स की ओर से आंद्रे रसेल ही सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 160 की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 25 गेंदों में 40 रन की नाबाद पारी खेली. रसेल की इस विस्फोटक इनिंग में 3 छक्के शामिल रहे, जिसमें एक छक्का वो भी रहा जो उन्होंने हारिस रऊफ के खिलाफ ऐसा मारा कि गेंद 351 फीट ऊपर चली गई.

आंद्रे रसेल ने हारिस रऊफ के खिलाफ छक्का तब लगाया जब वो 30 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे. हारिस के खिलाफ रसेल ने 117 मीटर लंबा छक्का लगाया. लेकिन, देखने वालों को हैरानी उसकी लंबाई से नहीं बल्कि ऊंचाई से ज्यादा हुई, जो कि 351 फीट थी.

हारिस रऊफ को ताउम्र याद रहेगा ये सिक्स

अब ऐसा छक्का पड़ेगा तो गेंदबाज के तो होश उड़ेंगे ही. वही हाल हारिस रऊफ का भी था. वैसे तो जनाब की गिनती पाकिस्तान के सबसे तेज गेंदबाज में होती है, लेकिन, यहां आंद्रे रसेल के एक शॉट के बाद उनके चेहरे की रंगत उड़ी थी. ये वो छक्का है, जैसा हारिस रऊफ फिर कभी खाना नहीं चाहेंगे और जिसे वो जिंदगी भर भूल भी नहीं पाएंगे.

हालांकि, आंद्रे रसेल का ये गगनचुंबी छक्का टीम को जिताने के काम नहीं आ सका. क्योंकि मुकाबले का नतीजा सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न के फेवर में गया, जिससे हारिस रऊफ खेल रहे थे.

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में नहीं चला बल्ला

अब आरसीबी के फिन एलन ने लगातार 5 छक्के जड़कर मचा दिया तहलका

टेक्सास, 8 जुलाई (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के समापन के बाद अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट 2024 का रोमांच शुरू हो गया है। लीग में हर दिन एक से बढ़कर एक धमाकेदार मुकाबले खेले जा रहे हैं। सोमवार को एमएलसी में न्यूजीलैंड के धमाकेदार बल्लेबाज फिन एलन ने बल्ले से तूफान मचाते हुए छक्कों की बारिश कर दी। फिन एलन ने लॉस एंजलिस नाइट राइडर्स के खिलाफ बल्ले से धमाका करते हुए लगातार 5 छक्के जड़े।

फिन ने बल्ले से मचाया तूफान

फिन एलन ने छक्कों की शुरुआत आंदे रसेल के खिलाफ मैच के पांचवें ओवर में शुरू की। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की पारी की 5वें ओवर में आंद्रे रसेल की आखिरी दो गेंद पर शानदार छक्के लगाए। उन्होंने रसेल की पांचवीं गेंद पर मिड विकेट के ऊपर से छक्का लगाया। इसके बाद उन्होंने रसेल की आखिरी गेंद पर बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का लगाया।

फिन ने छक्के जड़ने का सिलसिला मैच के छठे ओवर में भी जारी रखा। नाइट राइडर्स के लिए यह ओवर शाकिब अल हसन डाल रहे थे।

एलन शाकिब के ओवर की दूसरी गेंद पर स्ट्राइक पर आए। उन्होंने स्ट्राइक पर आते ही वाइड लॉन्ग ऑन के ऊपर छक्का जड़ा। एलन ने इसके बाद शाकिब की तीसरी गेंद पर लॉन्ग ऑन के ऊपर से गगनचुंबी छक्का लगाया। एलन ने शाकिब की चौथी गेंद पर भी बल्ले से धमाका जारी रखा उन्होंने इस गेंद पर शानदार शॉट जड़ गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर भेजा। एलन के पास लगातार 6 गेंद पर 6 छक्के जड़ने का मौका था लेकिन वह ऐसा करने में कामयाब नहीं हो पाए। एलन ने मुकाबले में 37 गेंदों पर 4 चौके और 5 छक्के की मदद से तूफानी 63 रनों की पारी खेली। उनकी पारी के दमपर सैन फ्रांसिस्को ने लॉस एंजलिस नाइट राइडर्स को 6 विकेट से मात दी। एलन के लगातार 5 छक्के जड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

आरसीबी टीम का हिस्सा हैं फिन एलन

मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के लिए खेलने वाले फिन एलन इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते हैं।

आरसीबी ने एलन को 2021 में अपने खेमे में शामिल किया था। हालांकि अभी तक एलन को आईपीएल डेब्यू करने का मौका नहीं मिला है। अब एलन की विस्फोटक बल्लेबाजी देख उम्मीद यही है कि आईपीएल 2025 के पहले होने वाले मेगा ऑक्शन में उनपर पर सभी टीमें बड़ी बोलियां लगा सकती हैं।

शोएब मलिक का बजा डंका, डब्ल्यूसीएल में लगाया जीत का 'चौका'

खेल डेस्क, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बाबर आजम की टीम का शोर मचे ना मचे लेकिन अभी पाकिस्तान के संन्यास ले चुके खिलाड़ियों का जलवा देखने को जरूर मिल रहा है. वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस जीत के रथ पर सवार है. उन्होंने अब तक 4 मैच खेले हैं और सभी जीते हैं. इन 4 मैचों में उनका प्रदर्शन देखने के बाद अब तो ऐसा लग रहा है कि जैसे उन्हें हराना ही मुश्किल है. हर मैच में एक नया खिलाड़ी हीरो बन रहा है. कोई दूसरा परफॉर्म कर रहा है. डब्ल्यूसीएल में पाकिस्तान चैंपियंस ने अपनी चौथी जीत की स्क्रिप्ट इंग्लैंड चैंपियंस को हराकर लिखी है.

एजबेस्टन मैदान पर 7 जुलाई को खेले मुकाबले में पाकिस्तान चैंपियंस ने इंग्लैंड चैंपियंस के खिलाफ पहले दमदार बल्लेबाजी की. फिर कसी गेंदबाजी से अपने बनाए रनों को शानदार अंदाज में डिफेंड किया. इंग्लैंड चैंपियंस के खेल को देखकर कभी ऐसा नहीं लगा जैसे वो मैच में पाकिस्तान के खिलाफ कुछ खास नहीं कर सके. वो बस 13 रन ही बना सके. लेकिन, इंग्लैंड चैंपियंस के लिए पाकिस्तान चैंपियंस के दो शोएब काल बन गए. फिर चाहे वो शोएब मकसूद हों या शोएब मलिक, दोनों ने मिलकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को खूब पीटा. और, जो कसर बाकी रह गई, उसे मिस्बाह और रज्जाक ने अपनी छोटी मगर विस्फोटक पारी से पूरा कर दिया.

शोएब मलिक ने 154.55 की स्ट्राइक रेट से 5 चौके और 2 छक्के के साथ सिर्फ गेंदों पर 51 रन बनाए. वहीं शोएब मकसूद ने 145.45 की स्ट्राइक रेट से 44 गेंदों में 64 रन मारे. उनकी इनिंग में 6 छक्के शामिल रहे, जबकि 2 चौके. मिस्बाह 14 गेंदों पर 23 रन और अब्दुल रज्जाक सिर्फ 9 गेंदों में 20 रन बनाकर नाबाद रहे. इंग्लैंड की ओर से स्टुअर्ट मीकर सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए.

अब इंग्लैंड चैंपियंस के सामने 197 रन का बड़ा लक्ष्य था. पाकिस्तान चैंपियंस की लंबी-चौड़ी बॉलिंग लाइन-अप के सामने ये टारगेट इंग्लैंड के लिए मुश्किल लग रहा था. और, हुआ भी ऐसा ही. वो इसे चेज नहीं कर सके. इंग्लैंड चैंपियंस पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी और केवल 17 ओवर में 117 रन बनाकर ऑल आउट हो गई.

गत चैंपियन अल्काराज ने खिताब के लिए बढ़ाए कदम

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, अब इस खिलाड़ी से सामना

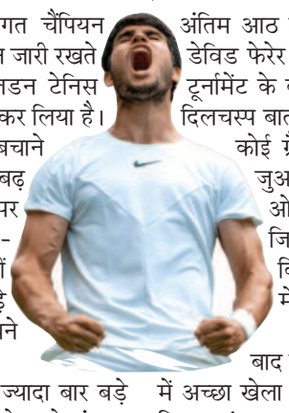

लंदन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इसके साथ ही अल्काराज खिताब बचाने के अभियान में एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट पर उगो हम्बर्ट पर 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से आसान जीत दर्ज की। यह नौवीं बार है जब अल्काराज किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम आठ दौर में पहुंचने में सफल रहे हैं।

अल्काराज इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले संयुक्त रूप से स्पेन के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस सूची में सबसे आगे 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता राफेल नडाल हैं जिन्होंने 47 बार किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम आठ दौर में जगह बनाई है। उनके बाद डेविड फेरेर का नंबर है जिन्होंने 17 बार मेजर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। दिलचस्प बात यह है कि फेरेर ने करियर में कभी कोई ग्रैंडस्लैम नहीं जीता है। अल्काराज जुआन कार्लोस फेरेरो और मैनुअल ओरांटेस की बराबरी पर पहुंच गए हैं जिन्होंने अल्काराज की तरह ही नौ बार किसी बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है।

अल्काराज ने मैच खत्म होने के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि मैं इस मैच में अच्छा खेला और मैंने काफी ऊंचे स्तर का खेल दिखाया।' अल्काराज का सामना अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा जिन्होंने पुरुष सिंगल्स वर्ग के एक अन्य मुकाबले में स्पेन के रोबर्टो बतिस्ता ऑगुट को हराया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की

गच्चीबावली के इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज में पहला कौशल विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य में कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए युद्ध स्तर पर व्यवस्था करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और उद्योग जगत के दिग्गजों से कहा कि वे इस महीने के अंत तक राज्य विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत से एक या दो दिन पहले कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए स्पष्ट प्रस्ताव लेकर आएं। सरकार प्राप्त प्रस्तावों की जांच करने के बाद 24 घंटे के भीतर उचित निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री ने आज (सोमवार) गच्चीबावली के इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज में कौशल विकास पर विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी ने भी भाग लिया। बैठक में सीएम ने अधिकारियों और मशहूर हस्तियों से कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना पर विचार और राय मांगी। मुख्यमंत्री ने इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज के परिसर में कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा। चूंकि कॉलेज आईटी कंपनियों और अन्य उद्योगों के करीब स्थित है, इसलिए सीएम ने अधिकारियों को कॉलेज परिसर में कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की जांच करने का आदेश दिया। सीएम रेवंत रेड्डी और अधिकारियों ने आईएसबी (इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस) की तर्ज पर कौशल विश्वविद्यालय के लिए एक बोर्ड के गठन पर चर्चा की और अस्थायी रूप से एक बोर्ड बनाने का फैसला किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि वे विश्वविद्यालय में पेश किए जा रहे पाठ्यक्रमों, पाठ्यक्रम, औद्योगिक जरूरतों और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों के लिए पहले से ही एक खाका तैयार कर लें। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि कौशल विश्वविद्यालय स्थापित करने का सरकार का मुख्य उद्देश्य युवाओं को उन्नत ज्ञान प्रदान करना और कौशल को उन्नत करना है। उपमुख्यमंत्री विक्रमार्क को विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए वित्तीय मुद्दों की देखभाल करने के लिए कहा गया है और आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रमों की तैयारी की देखरेख करेंगे। दोनों मंत्रियों को एक निश्चित समय सीमा के साथ प्रस्ताव तैयार करने और हर पांच दिन में बैठक करने के लिए कहा गया है क्योंकि विधानसभा सत्र 15 दिनों में शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी जांचने का आदेश दिया कि क्या कौशल विश्वविद्यालय को सरकार के बीच निजी भागीदारी के साथ स्थापित किया जाना चाहिए या सरकार अकेले ही जिम्मेदारी लेगी। अधिकारियों को कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सभी आवश्यक प्रस्ताव और परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक प्रतिष्ठित परामर्शदाता को नियुक्त करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि उद्योग विभाग विश्वविद्यालय के लिए नोडल एजेंसी होगा। आईटी और उद्योग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, शिक्षा के प्रमुख सचिव बी वेंकटेशम, सीएम के विशेष सचिव अजित रेड्डी, विष्णुवर्धन रेड्डी, डॉ रेड्डीज लैब के चेयरमैन सतीश रेड्डी, भारत बायोटेक से हरि प्रसाद, क्रेडाई के अध्यक्ष शेखर रेड्डी और श्रीनी राजू (आई लैब्स) भी मौजूद हैं। बैठक से पहले, सीएम रेवंत रेड्डी ने 20 मिनट से अधिक समय तक इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज में निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर का निरीक्षण किया और अधिकारियों से केंद्र में दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग विभाग शिक्षा विभाग के साथ समन्वय करके उद्योग जगत के नेताओं से संपर्क करेगा और कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए स्पष्ट कार्य योजना लेकर आएगा। विधानसभा बजट सत्र (23 जुलाई से पहले) से पहले रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। कौशल विश्वविद्यालय में एक हब और स्पोक मॉडल में एक पीपीपी परियोजना की परिकल्पना की गई है जो आत्मनिर्भर है। हैदराबाद में हब बनाया जाएगा, जिसमें हर पूर्ववर्ती जिला मुख्यालय में स्पोक होंगे। अंततः सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। उद्योग मांग आकलन, पाठ्यक्रम विकास, कौशल प्रशिक्षण के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सरकार आवश्यक विनियामक अनुमोदन देकर, ईएससीआई और एनएसी जैसी मौजूदा सुविधाओं सहित भूमि और भवन प्रदान करके सुविधा प्रदान करेगी। उद्योग से सीएसआर दान के साथ कॉर्पस फंड बनाया जाएगा।

सरकार ने की 35 निगमों के लिए अध्यक्षों की नियुक्ति

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सोमवार को तेलंगाना में विभिन्न निगमों के लिए 35 अध्यक्षों की नियुक्ति करते हुए कुछ सरकारी आदेश जारी किए। दरअसल, राज्य सरकार ने इस साल 15 मार्च को ये आदेश जारी किए थे, लेकिन इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। सोमवार को मुख्य सचिव ए शांति कुमारी ने ये सरकारी आदेश जारी किए। सरकारी आदेश जारी होने के साथ ही 35 निगमों के अध्यक्षों के रूप में नियुक्त होने वालों का रास्ता साफ हो गया है। राज्य सरकार ने कहा है कि नामित व्यक्ति जिम्मेदारी संभालने की तारीख से दो साल तक पद पर रहेंगे। तदनुसार, एस अन्वेश रेड्डी को तेलंगाना राज्य बीज विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि कसुला बाला राजू को तेलंगाना राज्य कृषि उद्योग विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है। जंगा राघव रेड्डी को तेलंगाना राज्य सहकारी तेल बीज उत्पादक संघ लिमिटेड के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है, जबकि मनाला मोहन रेड्डी को तेलंगाना राज्य सहकारी संघ लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है। रायला नागेश्वर राव को तेलंगाना राज्य वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है। इसी तरह, ज्ञानेश्वर मुदिराज को तेलंगाना राज्य मुदिराज सहकारी समितियां निगम लिमिटेड के रूप में नामित किया गया है। मेट्टू साई कुमार को तेलंगाना राज्य मत्स्य सहकारी समितियां संघ लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है। एमडी रियाज को तेलंगाना राज्य ग्रंथालय परिषद के रूप में तैनात किया गया है। पोडेम वीरैया को तेलंगाना राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के रूप में नामित किया गया है, जबकि कलवा सुजाता को तेलंगाना राज्य आर्य वैश्य निगम के रूप में नियुक्त किया गया है। आर गुरुनाथ रेड्डी को तेलंगाना राज्य पुलिस आवास विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है। एन गिरिधर रेड्डी को ट्विन सिटीज में रोजगार संवर्धन एवं प्रशिक्षण के लिए सोसायटी (सेटविन) के रूप में नामित किया गया है। जनक प्रसाद को तेलंगाना राज्य न्यूनतम मजदूरी सलाहकार बोर्ड के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि एम विजय बाबू को तेलंगाना राज्य सिंचाई विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है। नायुडू सत्य नारायण को तेलंगाना राज्य हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड के रूप में नामित किया गया है, जबकि अनिल एरावत को तेलंगाना राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है।

इसी तरह, टी निर्मला जग्गारेड्डी को तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम लिमिटेड के रूप में नामित किया गया है, जबकि ऐता प्रकाश रेड्डी को तेलंगाना राज्य व्यापार संवर्धन निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है। मन्ने सतीश कुमार को तेलंगाना राज्य प्रौद्योगिकी सेवा विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि चल्ला नरसिम्हा रेड्डी को तेलंगाना राज्य शहरी वित्त अवसंरचना विकास सहयोग लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है।

के नरेंद्र रेड्डी को सातवाहन शहरी विकास प्राधिकरण के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि ई वेंकट रामी रेड्डी को काकतीय शहरी विकास प्राधिकरण के रूप में नियुक्त किया गया है। रामरेड्डी मालरेड्डी को तेलंगाना राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि पटेल रमेश रेड्डी को तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है। इसी तरह, एम.ए. फहीम को तेलंगाना फूड्स के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि बंदरू शोभा रानी को तेलंगाना राज्य महिला सहकारी विकास निगम लिमिटेड के रूप में नामित किया गया है। एम. वीरैया को तेलंगाना राज्य विकासंगुला सहकारी विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि के शिव सेना रेड्डी को तेलंगाना राज्य के खेल प्राधिकरण के रूप में नियुक्त किया गया है। अलेख्या पुंजाला को तेलंगाना संगीत नाटक अकादमी के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि एन प्रीतम को तेलंगाना राज्य अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है।

नुथी श्रीकांत को तेलंगाना राज्य बीसी सहकारी वित्त निगम लिमिटेड के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि बेल्लैया नायक को तेलंगाना राज्य अनुसूचित जनजाति सहकारी वित्त विकास निगम लिमिटेड के रूप में नामित किया गया है। कोटनाका तिरुपति को तेलंगाना राज्य गिरिजन सहकारी वित्त विकास निगम का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि जेरिपेटी जयपाल को तेलंगाना राज्य अति पिछड़ा वर्ग विकास निगम लिमिटेड का अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह ए जब्बार को तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

राज्य सरकार बंदोबस्ती विभाग की मुख्य सचिव शैलजा राम अय्यर और बंदोबस्ती विभाग के आयुक्त हनुमंत राव के नेतृत्व में बलकमपेट मंदिर के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी को बलकमपेट एलम्मा कल्याणोत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

हादसे में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

आंध्र प्रदेश में हुई कार दुर्घटना 2 घायल

अमरावती, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले में सोमवार को एक कार के खड़े कंटेनर ट्रक से टकरा जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना द्वारका तिरुमाला मंडल में लक्ष्मीनगर के पास राजमार्ग पर उस समय घटित हुई जब कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई।

राचाबट्टूनी भाग्यश्री (26) अपने परिवार के साथ पूर्वी गोदावरी जिले के राजावोलू लौट रही थीं। उनके दो वर्षीय बेटे राचाबट्टूनी नागा नितिन कुमार और मां बोम्मा कमलादेवी (53) की भी मौके पर ही मौत हो गई। भाग्यश्री के दूसरे बेटे नागा शानमुख और ड्राइवर वामशी घायल हो गए और दोनों को एलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पूर्व माओवादी की गिरफ्तारी की निंदा

एचआरएफ ने की तत्काल रिहाई की मांग

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मानवाधिकार मंच ने सोमवार सुबह लेखक और पूर्व माओवादी की जम्मीकुंटा स्थित उनके आवास से गिरफ्तारी की निंदा की और इसे संवैधानिक अधिकारों का घोर उल्लंघन बताया। उन्होंने हुसैन की तत्काल रिहाई की मांग की। एचआरएफ तेलुगु राज्य समन्वय समिति के सदस्य एस जीवन कुमार और तेलंगाना राज्य महासचिव एस तिरुपथैया ने एक बयान में राज्य सरकार से लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने और मोहम्मद हुसैन के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए तेजी से कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार इस मुद्दे को तुरंत हल नहीं करती है, तब तक इसे पुलिस के दुर्व्यवहार का समर्थन करने के रूप में माना जाएगा।

पुलिस की क्रूरता रोके सरकार :

एचआरएफ सदस्यों ने कहा कि हम मांग करते हैं कि कांग्रेस शासक, जिन्होंने लोकतंत्र का सम्मान करने का वादा किया था, पुलिस की इस क्रूरता और अराजकता को तुरंत रोकें और मोहम्मद हुसैन को रिहा करें। एचआरएफ ने कहा कि हुसैन की गिरफ़्तारी, ख़ास तौर पर एक कानून का पालन करने वाले वरिष्ठ नागरिक के रूप में उनकी स्थिति को देखते हुए, जिन्होंने एक बार अदालत में एक पुराने परिचित के लिए ज़मानत दी थी, संवैधानिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस ने हुसैन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है, तो उन्हें कारणों की घोषणा करनी चाहिए और उनकी तत्काल रिहाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

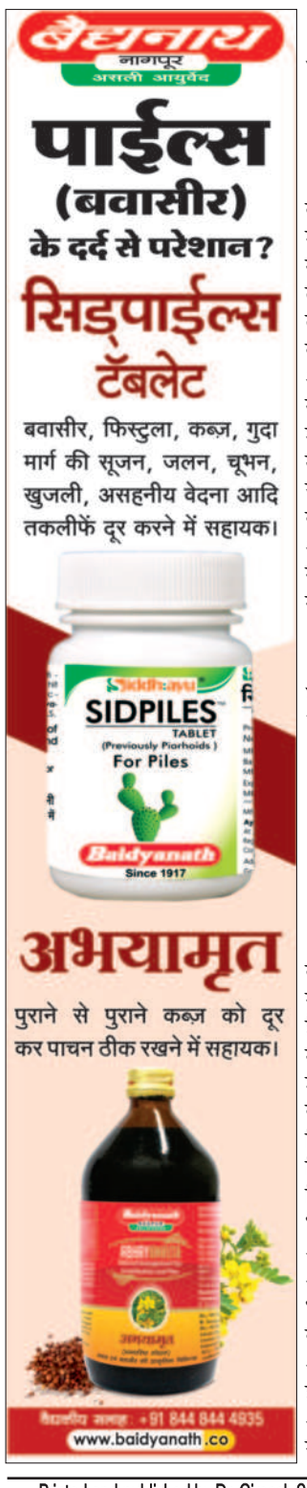

छात्रा ने स्कूल की इमारत से लगाई छलांग

रीढ़ और पैरों में आया गंभीर फ्रैक्चर, हालत गंभीर

संगारेड्डी, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रायकोड मंडल के अल्लापुर में सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल स्कूल की तीसरी मंजिल से सोमवार तड़के कक्षा 10 की छात्रा ने कथित तौर पर कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की। मल्लेश्वरी (16) की रीढ़ और पैरों में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे उपचार के लिए संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। आत्महत्या का प्रयास करने के उसके निर्णय का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। रायकोड पुलिस घटना की जांच कर रही है।

गोदावरी में बहे युवक का मिला शव

कोत्तागुडेम, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम में गोदावरी नदी में रविवार को बहे हैदराबाद के एक युवक का शव सोमवार को बरामद किया गया। शव नदी के किनारे स्थित बर्गमपाड़ के बाहरी इलाके में तैरता हुआ मिला। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भद्राचलम के सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, हैदराबाद के 5 युवक भद्राचलम में भद्राद्री मंदिर में पूजा करने आए थे। वे नदी में नहाने गए और हैदराबाद के अंबरपेट निवासी हरीश (28) पानी की गहराई का अंदाजा न लगा पाने के कारण बह गया।

नौकरी के इच्छुक प्रदर्शनकारी, हिरासत में

स्कूल शिक्षा कार्यालय पर कर रहे थे प्रदर्शन

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को छात्र संगठनों के कई सदस्यों के साथ-साथ बड़ी संख्या में डीएससी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को उस समय हिरासत में ले लिया गया, जब उन्होंने सैफाबाद स्थित आयुक्त एवं निदेशक स्कूल शिक्षा कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करने का प्रयास किया। प्रदर्शन के आह्वान पर सुबह करीब 11 बजे सैकड़ों डीएससी अभ्यर्थी और छात्र संगठन सैफाबाद स्थित स्कूल शिक्षा कार्यालय के पास एकत्र हुए और अधिकारियों से भर्ती परीक्षा को तीन महीने के लिए स्थगित करने की मांग की। जैसे ही प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए, पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उन्हें गोशामहल पुलिस स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया।

एक और किसान ने की आत्महत्या की कोशिश

जमीन विवाद के चलते पी लिया कीटनाशक

खम्मम, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में भूमि संबंधी मुद्दों को लेकर किसानों द्वारा आत्महत्या करने का चिंताजनक चलन जारी है और सोमवार को जिले में एक और किसान ने आत्महत्या का प्रयास किया। मुदिगोंडा मंडल के बनपुरम गांव के एक किसान एम. सीथैया ने जमीन विवाद के चलते कीटनाशक पी लिया और उसे खम्मम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बताया जाता है कि उसने तीन साल पहले कमलापुरम गांव में चेरुवु शिकम की जमीन खरीदी थी। परिजनों के अनुसार, किसान ने मछली पालन करने की योजना बनाई थी, लेकिन स्थानीय मछुआरा समाज के लोग पिछले कुछ समय से इस पर आपत्ति जता रहे थे। इस मामले की शिकायत जिला कलेक्टर से भी की गई थी।

जमीन विवाद में एक और किसान ने की थी आत्महत्या :

सोमवार को जब किसान अपने खेत पर काम करने गया तो सोसायटी के लोगों ने उसे रोक दिया और इससे क्षुब्ध होकर उसने कीटनाशक पी लिया। उसकी हालत अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। बता दें कि 1 जून को चिंताकानी मंडल के प्रोद्दुतुर में एक किसान बोजेडला प्रभाकर ने अपनी जमीन पर विवाद के कारण आत्महत्या कर ली थी। करेपल्ली मंडल के उसिरिकयालपल्ली गांव के एक किसान पचीपाला भद्रैया ने 4 जुलाई को आत्महत्या का प्रयास किया क्योंकि पूर्व आरटीआई आयुक्त शंकर नाइक ने कथित तौर पर उनकी जमीन पर अतिक्रमण किया था।

गंडीपेट में ढहाए गए अवैध निर्माण

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले में अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करते हुए राजस्व अधिकारियों ने सोमवार सुबह गंडीपेट मंडल में सरकारी जमीनों पर बने ढांचों को ध्वस्त कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, करोड़ों रुपये की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया था। अधिकारियों ने किस्मतपुर सर्वे नंबर 132 में पाए गए अवैध निर्माणों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त करने के अलावा हिमायत सागर सर्वे नंबर 37 में 1000 गज क्षेत्र को भी ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा, गंडीपेट तहसीलदार ने अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले भी दर्ज किए।

जगन का शासन आंध्र प्रदेश में आपातकाल जैसा : पुरंदेश्वरी

राजमंड्री, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी ने आज कहा कि पिछले पांच वर्षों में आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी का शासन आपातकाल जैसा रहा है। यहां भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में बोलते हुए सांसद ने कहा कि जगन के शासन के दौरान हिंदू मंदिरों पर हमले किए गए। उन्होंने कहा कि लोगों ने देखा कि पूर्व सीएम जगन ने उन पर कितना दबाव डाला और विधानसभा चुनावों में उन्हें हराया। सांसद पुरंदेश्वरी ने कहा कि वह जिम्मेदारी से काम करेंगी और आंध्र प्रदेश के विकास में सहयोग करेंगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष के गलत सूचना अभियान के कारण राज्य के लोगों ने चुनाव में एनडीए गठबंधन को वोट दिया और कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि 2019 में भाजपा को 23 करोड़ वोट मिले और कहा कि 2024 के चुनावों में 24 करोड़ वोट पड़े। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों की तुलना में इस चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है और विपक्ष के दुष्प्रचार अभियान के कारण सांसदों की सीटों की संख्या में थोड़ी कमी आई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता अंबेडकर का अपमान किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार संविधान का सम्मान करती है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने सत्ता इसलिए दी है कि एनडीए गठबंधन आंध्र प्रदेश को सुशासन प्रदान करेगा। राजमुंदरी में आयोजित भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, केंद्रीय मंत्री मुरुगन और श्रीनिवास वर्मा, राज्य मंत्री सत्य कुमार, सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, सीएम रमेश, विधायक नल्लामिली रामकृष्ण रेड्डी, कामिनेनी श्रीनिवास, आदिनारायण रेड्डी, विष्णु कुमार राजू, सुजाना चौधरी, ईश्वर राव और पार्थसारथी शामिल हुए।

वेमुलावाड़ा मंदिर में जल्द ही शुरू होगी ब्रेक दर्शन की सुविधा

प्रत्येक तीर्थयात्री से 300 रुपये शुल्क लेने का निर्णय

सिरिसिल्ला, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वेमुलावाड़ा स्थित ऐतिहासिक श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं को ब्रेक दर्शन की सुविधा जल्द ही उपलब्ध कराई जाएगी। मंदिर प्रशासन ने बताया कि राज्य बंदोबस्ती विभाग को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। उच्च अधिकारियों से मंजूरी मिलते ही मंदिर में ब्रेक दर्शन की सुविधा शुरू कर दी जाएगी। यह कदम हर दिन मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर उठाया जा रहा है, जिसके चलते अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों को दिन में दो बार विशेष दर्शन प्रदान करने का निर्णय लिया है। तीर्थयात्रियों को सुबह 10.15 बजे से 11.15 बजे तक और शाम को 4 बजे से 5 बजे तक दर्शन करने की अनुमति दी जाएगी। प्रत्येक तीर्थयात्री से 300 रुपये शुल्क लेने का निर्णय लिया गया।

हर पहलु पर मंथन कर रहे अधिकारी :

अधिकारी ब्रेक दर्शन के लिए दो विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं, पहला यह कि श्रद्धालुओं को मंदिर के उत्तर द्वारम (उत्तर की ओर) निकास बिंदु से प्रवेश दिया जाए या फिर इस उद्देश्य के लिए अलग से स्काईवॉक की व्यवस्था की जाए।

चूंकि मंदिर को दक्षिण काशी माना जाता है और यहां के प्रमुख देवता को गरीबों का देवता माना जाता है, इसलिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों के अलावा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ जैसे आस-पास के राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं।

20 से 30 हजार तीर्थयात्री करते हैं भगवान शिव का दर्शन :

हर दिन करीब 20,000 से 30,000 तीर्थयात्री भगवान शिव के दर्शन करते हैं। यह संख्या सोमवार को सबसे अधिक होती है, जो भगवान शिव के लिए सबसे शुभ दिन होता है। महाशिवरात्रि जात्रा के तीन दिनों के दौरान लाखों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। द्विवार्षिक आदिवासी मेले, सम्मक्का-सरक्का जात्रा से पहले भी मंदिर में बड़ी संख्या में तीर्थयात्री आते हैं। उत्तरी तेलंगाना में, सम्मक्का-सरक्का जात्रा में जाने से पहले वेमुलावाड़ा राजराजेश्वर स्वामी के दर्शन करने की परंपरा है। मंदिर में त्यौहारों के अवसर के साथ-साथ श्रावण मास में भी भारी भीड़ रहती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.